2 फरीदाबाद
नहर में पानी की जगह बहने वाला जहर बांट रहा गंभीर बीमारियां

6 अभिमत
दीर्घकालीन आपदा प्रबंधन नीति जरूरी

9 देश/विदेश
खेती को कैमिस्ट्री लैब से निकाल कर प्रकृति की प्रयोगशाला से जोड़ेंः मोदी

12 स्पोर्ट्स
पोर्नपावी चोचुवोंग को हराकर सिंधू क्वार्टरफाइनल में

RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 4 अंक 306
फरीदाबाद, शुक्रवार, 17 दिसंबर, 2021
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

भारतीय शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन की प्रक्रिया

पेज - 11

पांच राज्यों में शीतलहर के आसार

हरियाणा, यूपी, राजस्थान और गुजरात में 48 घंटे में कड़ाके की सर्दी का अनुमान

पहाड़ों पर बर्फबारी से मैदानों में बढ़ेगी ठिठुरन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश के कई हिस्से अगले पांच दिन में शीतलहर की चपेट में आ सकते हैं। गुरुवार को मौसम विभाग ने उत्तर भारत, सौराष्ट्र और कच्छ में कड़ाके की सर्दी पड़ने का अनुमान जताया है। विभाग ने डेली बुलेटिन में कहा कि देश के कुछ हिस्सों में तापमान गिरना तय है। 17 से 21 दिसंबर तक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, सौराष्ट्र और कच्छ में शीतलहर के हालात बन सकते हैं। 18 से 21 दिसंबर तक उत्तरी राजस्थान में और 19 से 21 दिसंबर तक पश्चिम यूपी में यही स्थिति रहेगी।

अगले चार से पांच दिन के दौरान उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के अलावा गुजरात के ज्यादातर हिस्सों में न्यूनतम तापमान 2-4 डिग्री सेंटीग्रेड गिर सकता है।

कश्मीर के गुलमर्ग में बर्फबारी का दृश्य।

पूर्वी भारत और महाराष्ट्र में यह गिरावट 2 से 3 डिग्री सेंटीग्रेड की रहेगी। अगले दो दिन पंजाब और हरियाणा में सुबह घने या बहुत घने कोहरे का अनुमान जताया गया है।

उत्तर-पश्चिमी राजस्थान, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी 17 दिसंबर को बहुत घने कोहरे के हालात बनेंगे। राजधानी दिल्ली में गुरुवार सुबह न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने हल्के बादल छाने और बारिश का भी अनुमान जताया है। इससे अगले दो-तीन दिनों में पारा कुछ डिग्री नीचे आएगा। गुरुवार को दिन का अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। सुबह 8 बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स 350 यानी बहुत खराब रहा।

उत्तरी कश्मीर में तेज हुई शीतलहर

उत्तरी कश्मीर में शीतलहर तेज हो गई है। टूरिस्ट प्लेस गुलमर्ग में इस सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया है। स्कीइंग रिसॉर्ट में तो पारा शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे पहुंच गया। हालांकि घाटी के दक्षिण और मध्य क्षेत्रों में कुछ राहत है। श्रीनगर में बुधवार और गुरुवार की रात तापमान शून्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। यह पिछली रात के शून्य से 3.9 डिग्री सेल्सियस कम तापमान से 1.8 डिग्री की वृद्धि थी, जो इस सर्दी में ग्रीष्मकालीन राजधानी में सबसे ठंडा तापमान दर्ज किया गया था। अमरनाथ यात्रा के बेस कैंप पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 6.9 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा।

पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी के आसारः मौसम विभाग के मुताबिक, अगले तीन दिन में जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। गुरुवार या शुक्रवार को उत्तराखंड में भी बर्फ गिरने की आशंका है।

युवा निशानेबाज कोनिका लायक ने की आत्महत्या

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत की उभरती हुई युवा निशानेबाज कोनिका लायक ने आत्महत्या कर खेल जगत को सदमे में डाल दिया। झारखंड के धनबाद की रहने वाली 26 वर्षीय कोनिका इसी साल उस समय चर्चा में आई जब उन्होंने झारखंड सरकार और बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद से एक राइफल देने के लिए गुहार लगाई। थी। इसके बाद सोनू सूद ने उनकी मदद करने का वादा किया और खुद कोनिका ने 26 जून को राइफल के साथ तस्वीर साझा कर चर्चित अभिनेता को धन्यवाद दिया।

कोनिका के आत्महत्या के पीछे का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन बताया जा रहा है कि

शूटर ने हॉस्टल के कमरे में लगाई फांसी

वह पूर्व ओलंपियन और अर्जुन अवार्ड विजेता जयदीप कर्माकार के साथ कोलकाता में प्रशिक्षण ले रही थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या की।

बाजार

सेंसेक्स	57,901	113	
निफ्टी	17,248	27	
सोना	47,405	209	/10 gm
चांदी	60,179	617	/kg

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 21.01°C
न्यूनतम 10.00°C

क्विक न्यूज

मेट्रोमैन श्रीधरन ने लिया राजनीति से संन्यास

तिरुवनंतपुरम। केरल में भाजपा को करारा झटका लगा है। बीते विधानसभा चुनाव में राज्य की पलक्कड़ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने वाले मेट्रोमैन भाजपा उम्मीदवार ई श्रीधरन ने गुरुवार को राजनीति से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया। उन्होंने कहा, मैंने चुनाव में हुई अपनी हार से बहुत कुछ सीख है और इस सबक के साथ मैंने यह फैसला लिया है।

आज होगा कैप्टन वरुण सिंह का अंतिम संस्कार

भोपाल। तमिलनाडु में कुन्नूर के पास हेलीकॉप्टर हादसे में शहीद हुए वायुसेना के ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह का पार्थिव शरीर बृहस्पतिवार को वायुसेना के एक विमान से बेंगलुरू से भोपाल पहुंचा और 17 दिसंबर (शुक्रवार) को उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय और सैनिक सम्मान के साथ यहां बैरागढ़ स्थित विश्राम घाट पर किया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि उनके पार्थिव शरीर को स्टेट हैंगर भोपाल पहुंचने पर गार्ड ऑफ ऑनर (सलामी गारद) दिया गया।

सीएम खट्टर की प्रतिक्रिया के बाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचा खुले में नमाज का मामला

पूर्व रास सांसद ने डीजीपी और मुख्य सचिव को लपेटा

पायनियर डेस्क टीम। नई दिल्ली/गुरुग्राम

गुरुग्राम में नमाज अदा को लेकर चल रहा विवाद अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। पूर्व राज्यसभा सांसद मोहम्मद अदीब ने हरियाणा के बड़े अधिकारियों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अवमानना की याचिका दायर की है। बता दें कि कुछ दिन पहले ही मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने दो टूक कहा था कि किसी भी कीमत पर खुले में नमाज नहीं होने दी जाएगी। इस मसले पर कोई टकराव न हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन और जिला उपायुक्त को स्पष्ट निर्देश दे दिए गए हैं।

पूर्व सांसद अदीब ने आरोप लगाया है कि हरियाणा पुलिस और नागरिक प्रशासन उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहा है, जिन्होंने गुरुग्राम में मुसलमानों को सार्वजनिक जगह पर नमाज अदा करने से रोका था। सूत्रों के मुताबिक अदीब ने इस मामले में हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पीके अग्रवाल और मुख्य सचिव संजीव कौशल के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की मांग की। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के पूर्व सदस्य अदीब अभी शिवपाल यादव की पार्टी में है। अदीब ने आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासन ने नमाज विवाद को लेकर अभद्र भाषा के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रशासन उन लोगों की पहचान करने में भी असफल रही है जो गुरुग्राम में नमाज को बार-बार रोककर सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहे थे।

ये है पूरा मामला

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अवमानना याचिका में लिखा है कि मुसलमान लंबे अरसे से शुक्रवार के दिन प्रशासन की ओर से ही तय किए गए 37 स्थानों पर नमाज पढ़ रहे हैं, लेकिन अब कुछ 'शरारती तत्व' इसमें बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के ही 2018 के एक पुराने आदेश का उदाहरण दिया गया है जिसमें सरकारों को भड़काऊ बयानबाजी सांप्रदायिक उन्माद और तनावपूर्ण माहौल से निबटने के लिए दिशानिर्देश दिए गए थे। हाल ही में गुरुग्राम में जिन सार्वजनिक स्थानों पर नमाज होती थी वहां पर कुछ हिंदू संगठनों ने कई बार इकट्ठा होकर बाधा डाली और इसके बाद उन स्थानों पर गोवर्धन पूजा भी की गई थी। खुले में नमाज का विरोध करने वाले हिंदू संगठनों का तर्क है कि ऐसे सार्वजनिक स्थानों पर धर्म विशेष का कब्जा हो जाता है। कुछ दिनों पहले हुए हंगामे के बाद पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। उसके बावजूद गुरुग्राम पुलिस की कार्रवाई का कोई खास असर इन संगठनों पर नहीं दिखाई दे रहा है।

समिति भी रखेगी अपनी बात

गुरुग्राम। गुरुवार को संयुक्त हिंदु संघर्ष समिति ने पत्रकार वार्ता कर मुस्लिम समाज को गुमराह कर अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने वालों को चेतावनी दी है। समिति ने कहा, अगर सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम पक्ष गया है, तो समिति भी अपनी बात रखेगी। सीएम मनोहर लाल ने उनकी बात को जायज माना है। इसलिए उन्होंने खुले में नमाज न करने के आदेश दिए। इसलिए हिंदुओं का पक्ष मजबूत है।

कुछ दिन पहले ही सीएम मनोहर लाल ने कहा था, नहीं होगी खुले में नामाज

10 दिसंबर को गुरुग्राम पहुंचे मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा था कि किसी भी कीमत पर खुले में नमाज नहीं होने दी जाएगी। इस मसले पर कोई टकराव न हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन और जिला उपायुक्त को स्पष्ट निर्देश दे दिए गए हैं। कोई अपनी जगह पर नमाज पढ़ता है, पाठ करता है, पूजा करता है, इसमें हमें कोई दिक्कत नहीं है। धार्मिक स्थल इन कामों के लिए ही बने हैं, लेकिन कोई किसी के अधिकारों में हस्तक्षेप न करे। खुले में नमाज पढ़ने की जो प्रथा चल पड़ी है, उसे कतई सहन नहीं किया जाएगा।

हरियाणा ने बनाई खुद की कंपनी चलेंगी सभी बीमा योजनाएं

'हरियाणा परिवार सुरक्षा न्यास' स्थापित वित्त विभाग ने जारी किया नोटिफिकेशन

अब न्यास के जरिये चलेंगी सभी विभागों और बोर्ड-निगमों की बीमा योजनाएं

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने अपनी खुद की बीमा कंपनी स्थापित कर ली है। 'हरियाणा परिवार सुरक्षा' नाम से स्थापित किए गए न्यास (ट्रस्ट) के माध्यम से सभी प्रकार की बीमा योजनाओं को चलाया जाएगा। गरीब परिवारों के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई 'आयुष्मान भारत' योजना के हरियाणा में कामयाब होने के बाद यह न्यास स्थापित करने का निर्णय लिया गया। हरियाणा पहला ऐसा राज्य है, जिसने केंद्र की इस योजना को अपने यहां ट्रस्ट मोड में चलाया।

दरअसल, आयुष्मान भारत योजना के तहत बीपीएल और अन्य गरीब परिवारों को सालाना पांच लाख रुपये तक की चिकित्सा सुविधा मिलती है। हरियाणा ने मेडिकल बीमा योजना की इस योजना को प्राइवेट कंपनियों की बजाय खुद का ट्रस्ट बनाकर चलाने का निर्णय लिया। इससे न केवल करोड़ों रुपये का प्रीमियम बचा बल्कि लोगों को उपचार में भी आसानी रही। इसी को ध्यान में रखते हुए अब प्रदेश में सभी प्रकार की बीमा योजनाओं को हरियाणा परिवार सुरक्षा न्यास के माध्यम से चलाने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर न्यास यानी खुद की बीमा कंपनी को लेकर काफी गंभीर थे। मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी पिछले कई दिनों से इस पर काम कर रहे थे। सभी प्रकार की कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद अब वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव टीवीएसएन ने न्यास का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। सीएम के प्रधान सचिव वी उमाशंकर तीन सप्ताह की लंबी छुट्टी पर जाने से पहले सीएम के इस ड्रीम प्रोजेक्ट को पूरा करके गए हैं। अब सरकार यह नोटिफाई करेगी कि कौन-कौन सी योजनाएं इस न्यास के अंडर आएंगी।

इंडियन ट्रस्ट एक्ट-1862 के तहत हुई स्थापना

प्रदेश सरकार ने इंडियन ट्रस्ट एक्ट-1862 के तहत न्यास की स्थापना की है। विभागों व बोर्ड-निगमों द्वारा अधिकारियों-कर्मचारियों के अलावा समाज के विभिन्न वर्गों के लिए चलाई जा रही सभी प्रकार की बीमा योजनाओं को सेंट्रलाइज्ड किया जाएगा। विभागों व बोर्ड-निगमों द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को लेकर रिपोर्ट मांगी जा चुकी है। विभागों व बोर्ड-निगमों द्वारा बीमा योजनाओं के लिए सालाना हजारों करोड़ रुपये का प्रीमियम बीमा कंपनियों को दिया जाता रहा है।

जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़ में लश्कर के दो आतंकी मारे गए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बृहस्पतिवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि सुरक्षाबलों ने बुधवार देर रात जिले के रेडवानी इलाके की घेराबंदी करके एक तलाशी अभियान शुरू किया था।

उन्होंने कहा, आतंकियों द्वारा सुरक्षाबलों पर गोलीबारी किए जाने के बाद तलाशी अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। प्रवक्ता ने बताया कि बृहस्पतिवार तड़के हुई गोलीबारी में दो आतंकवादी मारे गए। उन्होंने कहा कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान आमिर बशीर डार और आदिल यूसुफ शान के रूप में हुई है, जो लश्कर-ए-तैयबा की शाखा द रेसिस्टेंस फ्रंट से थे।

सीआरपीएफ की खास गाड़ी को नहीं भेद सकेगी एके-47

एजेंसी। नई दिल्ली

उपलब्धि

देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'सीआरपीएफ', जिसकी तैनाती आतंक एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में है, वहां पर खास तरह की बुलेटप्रूफ गाड़ियां उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा बल के पास पहले से मौजूद वाहनों में भी बुलेट प्रूफ प्लेट लगवाई जा रही हैं।

सीआरपीएफ मुख्यालय के सूत्रों का कहना है कि कश्मीर घाटी में बल के पास मौजूद अधिकांश वाहनों को बुलेट प्रूफ सिस्टम से लैस किया जा रहा है। 'बुलेटप्रूफ' वाहन पर 'एके-47' एवं दूसरे स्वचालित हथियारों से किए गए फायर का कोई असर नहीं होगा। जवानों को लगभग 50 बुलेट प्रूफ प्लेट वाली नई बसें मुहैया कराई जाएंगी। बल के लिए पर्याप्त संख्या में माइनिंग प्रोटेक्टेड व्हीकल 'एमपीवी' की खरीद प्रक्रिया शुरू की गई है। सीआरपीएफ मुख्यालय का प्रयास है कि बल के अधिकांश वाहन, जो ऑपरेशनल एरिया में लगे हैं, उन्हें फुल या मध्यम स्तर तक बुलेट-प्रतिरोधी कवच से लैस कर दिया जाए। इसकी वजह यह है कि कश्मीर, उत्तर पूर्व और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आतंकी हमले होते रहते हैं। सोमवार को श्रीनगर में आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस की एक बस पर हमला कर दिया था। उसमें दो पुलिसकर्मी शहीद हो गए, जबकि दर्जनभर जवान घायल हुए थे।

'लाइट प्लेट' से धीमी नहीं पड़ेगी गाड़ियों की रफ्तार

राहतः हरियाणा के 14 जिलों में अब सप्ताह में पांच दिन 24 घंटे चलेंगे उद्योग

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

निगरानी भी रखी जाएगी

दिल्ली में प्रदूषण स्तर के घटने के चलते एनसीआर क्षेत्र में आने वाले उद्योगों पर लगाई गई पाबंदियों में छूट दी गई है। अब हरियाणा के 14 जिलों में पांचों दिन 24 घंटों तक उद्योग चल सकेंगे। अलग-अलग वर्ग के उद्योगों को सप्ताह में दो अलग-अलग दिन बंद रखने होंगे। वहीं मेडिकल, दूध और डेयरी से संबंधित उद्योग सातों दिन चल सकेंगे। हालांकि, इन पर लगातार निगरानी रखी जाएगी, जो भी उद्योग प्रदूषण नियमों का उल्लंघन करेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में दमघोटू प्रदूषण होने के चलते वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की ओर से तीन दिसंबर को एनसीआर क्षेत्र के उद्योगों पर पाबंदियां लगाई थी। इसके तहत सप्ताह में पांच दिन और प्रतिदिन मात्र आठ घंटे उद्योगों को चलाने का निर्देश दिया था। शनिवार और रविवार को उद्योगों को बंद रखने को कहा गया था। इससे प्रदेश की हजारों औद्योगिक इकाइयां प्रभावित हो गई थी। ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्ट एसोसिएशन, राइस मिलर्स एसोसिएशन, डेयरी एसोसिएशन समेत अन्य उद्योगों की एसोसिएशन इस फैसले का विरोध कर रही थी। हरियाणा के मिलर्स का तर्क था कि राइस मिल चलाने की प्रक्रिया 20 घंटे की है, ऐसे में आठ घंटे वाला फैसला बदला जाए।

आदेश के अनुसार, पेपर की इंडस्ट्री सोमवार से शुक्रवार तक चलेंगी और शनिवार, रविवार को बंद रहेंगी। राइस मिल बुधवार से रविवार तक चलेंगे और सोमवार, मंगलवार को बंद रहेंगे। इसी प्रकार, टेक्सटाइल, गारमेंटस, डाइंग यूनिट शनिवार से बुधवार को चलेंगी और गुरुवार और शुक्रवार को बंद रहेंगी। दिल्ली से 300 किमी तक क्षेत्र में थर्मल पावर प्लांट केवल मांग के अनुसार ही चलाएं।

तीसरी भारत-मध्य एशिया वार्ता 19 को नई दिल्ली में होगी

नई दिल्ली। भारत और मध्य एशियाई देशों की तीसरी वार्ता 19 दिसंबर को नई दिल्ली में होगी, जिसमें उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, कजाखस्तान, किर्गिजिस्तान और ताजिकिस्तान के विदेश मंत्री हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को कहा कि इस वार्ता में दोनों पक्षों के बीच कारोबार, संपर्क और विकास सहयोग को और मजबूत बनाने को लेकर चर्चा होगी, साथ ही आपसी हितों से जुड़े क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया जाएगा।

लोस में जैव विविधता संशोधन विधेयक पेश

नई दिल्ली। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच बृहस्पतिवार को लोकसभा में जैव विविधता (संशोधन) विधेयक, 2021 पेश किया गया, जिसमें जैव संसाधनों का उपयोग करते अनुसंधान को तेज करके, पेटेंट आवेदन की प्रक्रिया एवं अनुसंदान परिणामों को सुगम बनाने पर जोर दिया गया है।

पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने जैव विविधता (संशोधन) विधेयक, 2021 पेश किया। विधेयक के उद्देश्यों एवं कारणों में कहा गया है कि जैव विविधता संशोधन विधेयक 2021 में अन्य बातों के साथ औषधीय पौधों की उपज बढ़ाकर वन्य औषधि संबंधी पौधों पर दबाव कम करने तथा भारतीय औषधि प्रणाली को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया है।

क्रिप्टोकरेंसी पर बैन लगाना नहीं, नियामक बनाना जरूरी: गोपीनाथ

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में इस समय क्रिप्टोकरेंसी सबसे बड़ा मुद्दा बना हुआ है। इसे प्रबंधित करने के लिए सरकार की ओर से बिल तैयार कर लिया गया है। हालांकि, इसका चालू शीतकालीन सत्र में पास होना मुश्किल है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने क्रिप्टोकरेंसी को लेकर भारत में जारी सरगर्मी पर कहा कि क्रिप्टोकरेंसी पर बैन लगाने के बजाय, इसे लेकर नियामक बनाना बेहद जरूरी है।

गीता ने कहा कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं को क्रिप्टोकरेंसी पर रोक लगाने के बजाय रेगुलेट करना चाहिए। उन्होंने इस पर एक वैश्विक नीति बनाने का भी सुझाव दिया। उन्होंने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस पर प्रतिबंध लगाने की राह में कई तरह की चुनौतियां मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि क्या आप वास्तव में क्रिप्टो पर प्रतिबंध लगा सकते हैं, क्योंकि कई एक्सचेंज ऑफशोर हैं और वे किसी विशेष देश के नियमों के अधीन नहीं हैं। वैश्विक नीति की वकालत करते हुए गीता गोपीनाथ ने कहा कि कोई भी देश इस समस्या को अपने दम पर हल नहीं कर सकता है, क्योंकि क्रिप्टोकरेंसी ट्रांजैक्शन आसानी से सीमा पार से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस पर तत्काल एक वैश्विक नीति की जरूरत है। मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी फिलहाल के लिए वैश्विक खतरा नहीं है। लेकिन बिना नियामक के इस कारोबार को लेकर कई प्रकार की आशंकाएं सामने आती है, जिनका ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है।

49 वर्षीय प्रमुख भारतीय-अमेरिकी अर्थशास्त्री जनवरी 2019 में मुख्य अर्थशास्त्री के रूप में आईएमएफ में शामिल हुई थी। मैसूर में जन्मी गोपीनाथ वैश्विक वित्तीय संस्थान की पहली महिला मुख्य अर्थशास्त्री हैं। गोपीनाथ दिग्गज अर्थशास्त्रियों में से एक हैं और उन्हें अंतरराष्ट्रीय वित्त और मैक्रोइकनॉमिक्स संबंधी शोध के लिए भी जाना जाता है। इसके अलावा साल 2019 में उन्हें प्रवासी भारतीय सम्मान दिया गया था। यह साल 2019 से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में काम कर रही हैं और हाल ही में अर्थशास्त्री गोपीनाथ को मुख्य अर्थशास्त्री नियुक्त किया गया है।

आरबीआई क्रिप्टोकरेंसी को नियामकीय दायरे में लाने को लेकर है बेहद सजग

क्रिप्टोकरेंसी को लेकर रिजर्व बैंक ने तैयारी तेज कर दी है। लखनऊ में 17 दिसंबर को आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड की बैठक होने जा रही है। सूत्रों का कहना है कि इस बैठक में क्रिप्टोकरेंसी पर गंभीरता से चर्चा होने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि आरबीआई क्रिप्टो को नियामकीय दायरे में लाने को लेकर बेहद सजग है और छोटे निवेशकों के हितों की सुरक्षा के साथ क्रिप्टोकरेंसी के गलत उपयोग को लेकर बेहद चिंतित है। माना जा रहा है कि केंद्रीय बोर्ड की बैठक में इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार होगा। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास कई बार जोर देकर कह चुके हैं कि छोटे निवेशकों की इसमें बढ़ती हिस्सेदारी और इसके दाम में उतार-चढ़ाव चिंता पैदा करते हैं।

Good Morning!

फरीदाबाद पायनियर

हरियाणा, शुक्रवार, 17 दिसंबर, 2021 | वोटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

शहर का तापमान

- अधिकतम 20.00 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 07.00 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- बीके चौक के निकट पीएनबी बैंक कर्मचारियों की हड़ताल : सुबह 10.30 बजे
- सेक्टर-16 के नेहरू कॉलेज में जोनल युथ फैस्टीवल का आयोजन: सुबह 10 बजे
- बीके अस्पताल की ओपीडी शुरू: सुबह 9 बजे
- शहर में जगह-जगह वैक्सीनेश कैम्प: सुबह 10 बजे
- कोरोना जांच प्रयोगशाला में जांच शुरू: सुबह 9 बजे
- वुमेंस पावर की तरफ से सेक्टर-23 में आर्ट एंड क्राफ्ट कक्षा: 2 बजे

निवेश गुरु

बाजार में कई ऐसे इन्वेस्टमेंट ऑप्शंस मौजूद है जो आपको एक निश्चित रिटर्न देते हैं। लेकिन म्यूच्यूअल फंड में ऐसा नहीं होता है म्यूच्यूअल फंड का फायदा सीधे स्टॉक मार्केट के उतार-चढ़ाव से जुड़ा होता है। स्टॉक मार्केट में हमेशा रिस्क बना रहता है। यही कारण है कि म्यूचुअल फंड के फायदे में भी उतार-चढ़ाव लगा रहता है। अगर आपको लगता है कि आप कम समय में म्यूचुअल फंड से बहुत अधिक मुनाफा प्राप्त कर लेंगे तो यह आपकी गलतफहमी है। क्योंकि कम समय में म्यूचुअल फंड में आपको मुनाफा नहीं हो सकता इसके लिए आपको अपना निवेश लंबे समय तक के लिए म्यूचुअल फंड में लगाना होगा तभी आप बड़ा मुनाफा प्राप्त कर सकते हैं।

यूटीलिटी न्यूज

स्थान बदलवाया तो वापस होगी सब्सिडी

फरीदाबाद। एडीसी सतबीर सिंह मान ने बताया कि नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग हरियाणा द्वारा सोलर वाटर पम्पिंग सिस्टम स्थापित करने पर फरीदाबाद जिले के किसानों को 75 प्रतिशत अनुदान दिया गया है। ताकि किसानों को ज्यादा वित्तिय खर्च ना करना पड़े और वे डीजल पम्पों से छुटकारा पा सके। जिले में सोलर वाटर पम्पिंग सिस्टम स्थापित करने के लिए वर्ष 2020-21 के दौरान 70 किसानों को 75 प्रतिशत अनुदान दिया है। विभाग के पास इस प्रकार की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं कि कुछ किसानों ने अपने सोलर वाटर पम्पिंग सिस्टमों को किसी अन्य को बेच दिया है अथवा निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर उस सिस्टम को लगवा दिया है। इसी संदर्भ में एडीसी सतबीर सिंह मान ने बताया कि जब सोलर वाटर पम्पिंग सिस्टम लगवाने की स्वीकृति किसानों को दी गई थी।

क्विक न्यूज

वीरों के सम्मान में रैली

फरीदाबाद। हरिद्वार प्रभारी नीरज शर्मा विधायक एनआईटी फरीदाबाद ने देहरादून उत्तराखंड में होने वाली अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की रैली में पहुचने वाले हरिद्वार ग्रमीण, जवालापुर, लक्सर विधानसभा के लोगो का डोई वाला टोल प्लाजा व बिहिरिगढ़ आशा रोड चेक पोस्ट पर स्वागत किया। इस मौके पर शर्मा ने कहा कि उत्तराखंड में लोगों का काफी उत्साह देखने को मिल रहा है, लोग अब उत्तराखंड में परिवर्तन चाहते है। ये रैली उत्तराखंड में भाजपा की सरकार को जड़ से उखाड़ फैकने का काम करेंगी। अब आने वाले चुनावों में उत्तराखंड में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। इस मौके पर लक्सर के सह प्रभारी विजय त्यागी, जवालापुर के सह प्रभारी नितेश शर्मा, सुरेश तेवतिया उपस्थित रहे।

नहर में पानी की जगह बहने वाला जहर बांट रहा गंभीर बीमारियां

नगर निगम के सफाई अभियान को बट्टा लगा रहा है सिंचाई विभाग

राजेश दास। फरीदाबाद

एक तरफ नगर निगम द्वारा शहर भर में सफाई अभियान चलाने के दावें किये जा रहे हैं। जिसके तहत शहर में जगह जगह पड़ी गंदगी को साफ करने के साथ साथ बड़े पैमाने पर अतिक्रमण भी हटाए जा रहे हैं। वहीं दूसरी नगर शहर के विभिन्न स्थानों से गुजर रहे नाले गंदगी, प्लास्टिक और कमिकल से अटे पड़े हैं। शहर के ज्यादातर एसटीपी प्लांट खराब होने के कारण यह गंदा पानी सीधा नहरों में गिराया जा रहा है। नहर के पानी को बिना साफ किये ही छोटी नहरों के माध्यम से किसानों के खेतों में पहुंचाया जा रहा है। इस केमिकल युक्त जहरीले पानी से खेती करने से जहां कई बार किसानों की फसल बबार्द हो जाती है। वहीं इस पानी से उगने वाली फसल का इस्तेमाल कर लोग कैंसर और अन्य जानलेवा बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। सेक्टर 25 कृष्णा कालोनी औद्योगिक क्षेत्र से गुजरने वाली छोटी नहर के पानी से कई गांवों में फसलों की सिचाई की जाती है। लेकिन सिंचाई विभाग की लापरवाही से छोटी नहर नाले में तब्दील हो चुकी है। नहर में कुछ कंपनियों द्वारा केमिकल डाला जाता है। वहीं पूरी की पूरी नहर गंदगी और प्लास्टिक से अटी पड़ी है। जिससे आसपास के इलाके में मच्छरों का प्रकोप छाया हुआ है।

केमिकल और गंदगी से अटी सेक्टर 25 की छोटी नहर।

मरम्मत के अभाव में जर्जर हो चुकी है छोटी नहर।

जहरीले पानी से होती है खेती

इस छोटी नहर के पानी का इस्तेमाल गांव जाजरू, कैल गांव और आसपास के अन्य कई गांवों के किसान अपने खेतों की सिंचाई करने के लिए करते हैं। लेकिन इसके बावजूद सिंचाई विभाग के अधिकारियों की तरफ से इस नहर की तरफ जरा भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सिंचाई विभाग की अनदेखी की वजह से नहर में पॉलीथिन की थैलियां, कूड़ा, गंदगी, कैमिकल, नाली और सीवर का गंदा पानी डाला जा रहा है। लेकिन सिंचाई विभाग के अधिकारी इस नहर की सफाई तक करवाने की जरूरत महसूस नहीं करते। सिंचाई विभाग द्वारा करीब डेढ़ से दो साल में किसी तरह एक बार सफाई करवाई जाती है। जिसके कारण आसपास के गांवों के किसानों को मजबूरी में इसी जहरीले पानी से खेतीबाड़ी करनी पड़ती है। कुछ समय पहले तेजाब युक्त पानी से सिंचाई करने के कारण किसानों की फसल नष्ट हो गई थी। गंदे और केमिकल युक्त पानी से सिंचाई के बाद पैदा होने वाली फसल लोग खा रहे हैं। ऐसे में भारी संख्या में लोग कैंसर अथवा अन्य जानलेवा बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं।

कवर्ड न होने से डालते हैं कूड़ा

जिस समय यह नहर बनी थी, तब यहां खेत थे। लेकिन अब यहां घनी आवादी है। नगर निगम द्वारा यहां सुविधाओं के नाम पर कुछ भी नहीं दिया जा रहा है। नगर निगम द्वारा यहां न तो कूड़े दान रखे गए हैं और न ही कूड़ा डालने के लिए कोई डंपिंग पोइंट बनाया हुआ है। इसके अलावा इस पूरे इलाके में कूड़ा उठाने वाली कंपनी की गाड़ियां भी नहीं आती। ऐसे में जागरूकता की कमी और कूड़ा डालने की जगह न मिलने पर आसपास के इलाके में रहने वाले लोग अपने घरों व संस्थानों से निकलने वाला कूड़ा और अन्य गंदगी सीधा इस छोटी नहर में लाकर डाल देते है। नगर निगम की इस लापरवाही इस नहर ने अब गंदे नाले का रूप धारण कर लिया है। सेक्टर 25 से लेकर सेक्टर 58 तक नहर पॉलीथिन की थैलियों से अटी पड़ी है। इसके अलावा इस नहर के आसपास आबादी बसने के साथ ही गलियां ऊंची हो गई है। ऐसे में इस नहर पर जगह जगह बनाए गए पुल अब काफी नीचे पड़ गए है। जिसके कारण नहर में बहने वाली गंदगी इन पुलों के नीचे जाकर फंस जाती है।

साफ पानी की जगह नहर में बहती गंदगी।

लापरवाही से परेशान हैं लोग

कृष्णा कालोनी औद्योगिक क्षेत्र के संस्थापक एवं समाजसेवी धीरज गोयल का कहना है कि नगर निगम और सिंचाई विभाग की लापरवाही का खामिया इलाके के लोगों को उठाना पड़ रहा है। यह छोटी नहर पूरी तरह गंदगी से अटी पड़ी है। लेकिन इसके बावजूद सफाई करवाने की कोई जरूरत महसूस नहीं की जा रही है। जिससे पूरे इलाके में मच्छरों मक्खियों को प्रकोप छाने से बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय विधायक और पार्षद भी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

वोट बैंक के अभाव में बेरूखी

सेक्टर 25 स्थित कृष्णा कालोनी औद्योगिक क्षेत्र के ठीक सामने से यह छोटी नहर गुजर रही है। नहर के किनारे कारखाने, दुकान और काफी संख्या में मकान बने हुए हैं। सिंचाई विभाग की लापरवाही के कारण यह नहर गंदे नाले का रूप धारण कर चुकी है। छोटी नहर गंदगी, प्लास्टिक और जहरीले पदार्थो से अटी पड़ी है। जिससे आसपास रहने वाले लोगों का मक्खी, मच्छर और बदबू से पूरे साल बुरा हाल रहता है। लोगों का कहना है कि यहां कोई खास वोट बैंक नहीं है। इसलिए स्थानीय पार्षद ,विधायक, नगर निगम अथवा सिंचाई विभाग के अधिकारी इसे साफ करवाने की जरूरत महसूस नहीं करते। लोगों का कहना है कि सिंचाई विभाग द्वारा दो चार साल में एक बार नाम मात्र के लिए थोड़ी बहुत सफाई करवाई जाती है। लेकिन नहर से कूड़े और गंदगी को निकाल कर किनारे पर ही छोड़ दिया जाता है। इस लापरवाही के कारण निकाला गया सारा कूड़ा, कीचड़ और गंदगी दोबारा इस नाले में चली जाती है। जिसके कारण नहर की हालत फिर वैसी की वैसी बन जाती है।

विद्यार्थियों ने जाना मौसमी फल व सब्जियों का महत्व

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर 21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में इस वर्ष एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम युनेस्को की ओर से विश्व भर के बच्चों के पोषाहार के प्रति जागरूक करने के लिए प्रारंभ किया गया है। इंटरनेशनल इयर ऑफ फ्रूट्स एंड वेजिटेबल 2021 के नाम से कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

जीवा पब्लिक स्कूल ज़िले का एकमात्र ऐसा स्कूल है जहां पर इस आयोजन के महत्व को समझा गया एवं क्रियाकलापों के माध्यम से छात्रों को सभी ऋतुओं के फलों व सब्जियों के प्रति जागरूक किया गया व जानकारी दी गई। इसी श्रृंखला में विद्यालय के प्राइमरी के पहली कक्षा से लेकर पांचवीं कक्षा तक के सभी छात्रों के लिए कई प्रकार के फलों एवं सब्जियों का चयन किया। जिससे वे उनके पोषक तत्वों के विषय में बचपन से ही जान सकें। इन क्रियाकलापों में छात्रों ने उन सब्जियों व फलों से कई प्रयोग किए जिनको प्राय: बच्चे खाना नहीं चाहते हैं। बच्चों ने पपेट मेकिंग (कठपुतलियां) व स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन जैसे सलाद, सैंडविच आदि तैयार किए। बच्चों को इन फलों व सब्जियों की विस्तृत जानकारी दी गई जैसे ये विशेष फल और सब्जियां कौन-कौन से देशों में पाई जाती हैं, इनके लिए कौन सी भौगोलिक स्थिति की आवश्यकता होती है। छात्रों ने बड़े आकर्षक पीपीटी बनाई जिनमें उन्होंने उन सभी की पूर्ण जानकारी दी। इसके अलावा कई प्रकार की पेंटिंग्स भी तैयार की। छात्रों ने बीजों से भी चित्र तैयार किए इसके साथ-साथ छात्रों को उनके क्षेत्रीय नाम एवं औषधीय नामों से भी अवगत कराया गया। सबसे मज़ेदार क्रियाकलापों में स्टोरी टेलिंग एक्टिविटी रही जिसमें छात्रों ने रोल प्ले किया व सब्जियों एवं फलों के मित्रता एवं महत्व को दर्शाया।

छात्रों के लिए यह एक नया अनुभव रहा जिसमें उन्होंने प्ले मैथड से भोजन के पोषक तत्वों के विषय में जाना। छात्रों ने इस श्रृंखला में प्याज़ से क्ले मोल्डिंग किए। घीए से कठपुतलियां बनाई, रोल प्ले एक्टिविटी की, मास्टर शेफ एक्टिविटी के तहत अनेक व्यंजन तैयार किए, कीवी पर स्वरचित कविता बनाई, करेले से प्रिंटिंग एक्टिविटी की, कमल ककड़ी के टुकड़ों से सुंदर-सुंदर फूल बनाए व मास्टर शेफ एक्टिविटी के तहत कई तरह के व्यंजन भी बनाए। इसके अलावा आंवला, मशरूम, खरबूजा, शरीफा (कस्टर्ड एप्पल) को एक्टिविटी के लिए चयन किया।

सेक्टर 21 बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में सलाद बनाते बच्चे।

गीता महोत्सव पर कुरुक्षेत्र पहुंचे विपुल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दो से 19 दिसंबर तक कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव मनाया जा रहा है। कुरुक्षेत्र मे आयोजित इस बार के गीता महोत्स्व में अंतरराष्ट्रीय गीता सेमिनार, गीता मैराथन, 48 कोस तीर्थों की प्रदर्शनी, दीप प्रज्ज्वलन, संत सम्मेलन, विश्व गुरु भारत, सांस्कृतिक कार्यक्रम, राज्य स्तरीय प्रदर्शनी और आजादी के अमृत महोत्सव की झलक के साथ-साथ आनलाइन प्रतियोगिताएं भी आयोजित हो रही हैं।

इस सुन्दर और भव्य कार्यक्रम को देखने भारत ही नहीं बल्कि कई देशों से श्रद्धालु आ रहे हैं। आपको बतादें कि वर्ष 2016 में पहली बार कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव् का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने किया था। इस वर्ष 2021 का यह 6वां अंतराष्ट्रीय गीता महोत्सव होगा।

इस मौके पूर्व उद्योग मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि समय के साथ हर चीज बदलती है। लेकिन नहीं बदला तो गीता का मर्म। हम आज जिस पवित्र गीता की जयंती मनाने के लिए इकट्ठा हुए हैं, वो गीता ही तो जीवन का सार सिखाती है। वो गीता ही हमें जीने का रास्ता दिखाती है। अगर हम अच्छे कर्म कर रहे हैं, तो हमें किसी चीज की चिंता नहीं करनी चाहिए।

इसके अलावा विपुल गोयल ने कहा कि गीता को विश्व का सबसे बड़ा दार्शनिक ग्रंथ माना जाता है क्योंकि गीता का एक-एक श्लोक संदेश देने वाला है।

कुरुक्षेत्र में चल रहे गीता महोत्सव में पूर्व मंत्री विपुल गोयल को सम्मानित करते थानेसर के विधायक सुभाष सुधा।

साइबर ठगी रोकने को दो सेल का गठन

साईबर थाना एवं चार साईबर सेल की मदद से साइबर ठगों पर कसा जाएगा शिकंजा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा द्वारा साईबर अपराधों के विरूद्ध दर्ज मामलों में कार्रवाई को गति देने के लिए अब फरीदाबाद पुलिस के तीनों जोन सेन्ट्रल, एनआईटी तथा वल्लभगढ़ में अलग-अलग साईबर सेल की इकाईयां स्थापित की गई है।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आजकल के आधुनिक युग में डिजिटलाईजेशन के साथ-साथ साईबर अपराधों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी हो रही है। साईबर अपराध के इन मामलों में त्वरित कार्रवाई करने के लिए पुलिस आयुक्त श्री विकास अरोड़ा के निर्देशानुसार फरीदाबाद के प्रत्येक पुलिस जोन में एक-एक साईबर सेल गठित किया गया है। इससे पहले साईबर मामलों की निगरानी के लिए फरीदाबाद में एक साईबर थाना तथा एक साईबर सेल पहले से कार्यरत था। अब तीन नए साईबर सेल बनने के साथ साईबर अपराधों के विरूद्ध कार्रवाई करने वाली इकाईयों की संख्या बढ़कर पांच हो गई।

एक लाख रूपये तक साईबर फ्रॉड के मामले में पीड़ित व्यक्ति स्थानीय थाना में शिकायत दर्ज करा सकता है। इसके लिए फरीदाबाद के सभी थानों में साईबर हेल्प डेस्क काम कर रहा है। जिससे साईबर अपराधों के पीड़ितों को जल्दी पुलिस सहायता मिलेगी वहीं, पुलिस भी साईबर अपराधों के विरूद्ध त्वरित रूप से कार्रवाई कर सकेगी।

सेक्टर 21 सी पुलिस कमिश्नर कार्यालय में पुलिस अधिकारियों की मीटिंग को संबोधित करते पुलिस कमिश्नर विकास कुमार अरोड़ा।

विजय दिवस पर शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

विजय दिवस समारोह में युद्ध वीरांगनाओं और वॉर वेटरन्स को उपायुक्त ने सम्मानित भी किया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण बोर्ड द्वारा गुरुवार को विजय दिवस के अवसर पर विजय दिवस समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह फरीदाबाद के वार मेमोरियल कंपलेक्स सेक्टर-12 में मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त फरीदाबाद जितेंद्र यादव उपस्थित रहे। उपायुक्त जितेंद्र यादव ने सभी को विजय दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने वार मेमोरियल में शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

उपायुक्त जितेंद्र यादव ने कहा कि हमारे जवान रात-दिन देश की सुरक्षा में सीमा पर खड़े हैं, इसी कारण हमारा देश सुरक्षित है और हम निश्चिंत होकर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपने वीर जवानों पर गर्व है जो राष्ट्र सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान देने के लिए भी तैयार रहते हैं। उपायुक्त ने बताया कि 16 दिसंबर 1971 को हमारे वीर सैनिकों ने पाकिस्तान की सेना को युद्ध में पराजित कर विजय प्राप्त की थी और बंगलादेश को आज़ाद करवाया था, इसी कारण हर वर्ष 16 दिसंबर को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने समारोह में उपस्थित युद्ध वीरांगनाओं व वॉर वेटरन्स को सम्मानित भी किया। मेजर जनरल एसके दत्त, कर्नल ऋषि पाल, ग्रुप कैप्टन एसके शर्मा, कर्नल देवेंद्र चौधरी, कैप्टन टीडी जटवानी, विंग कमांडर सत्येंद्र दुग्गल, ग्रुप कैप्टन सुरजीत सिंह भाटिया, लेफ्टिनेंट यूएस बोरा, कमांडर वीएम त्यागी ब्रह्मकुमारीज से सिस्टर पूनम, बीके आनंद, प्रकाशदीप ट्रस्ट से सविता दत्त आदि गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

सेक्टर 12 स्थित वार मेमोरियल पार्क में विजय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते उपायुक्त जितेंद्र यादव और पूर्व सैनिक।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट बल्लभगढ़ 9811477204
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

नज़रिया

दिनेश रघुवंशी, कवि

नहीं कोई भी ऐसा आज जो वहशत को धिक्कारे
जहाँ देखो वहीं पर घूमते मृत्यु के हरकारे
बढ़ी है इस क़दर वहशत कि इस वहशत के ही चलते
हमारे अपने भीतर आज उग आये हैं हत्यारे

रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर ऑनलाइन एफडीपी

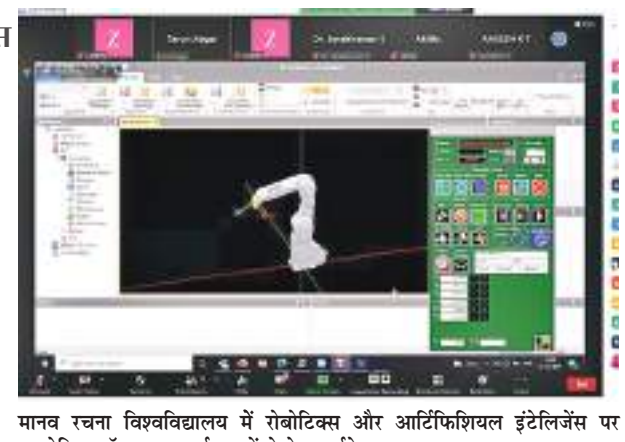

एमआरआईआईआरएस के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग द्वारा आयोजत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट विभाग और प्रौद्योगिकी संकाय, मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज द्वारा पांच दिवसीय रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर अटल ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) आयोजित किया गया। अखिल भारतीय उद्योग और विभिन्न संस्थानों के लगभग 150 प्रतिभागियों ने एआईसीटीई पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण कराया। इस दौरान कई IIT, NIT और उद्योग के प्रख्यात वक्ताओं ने अपनी विशेषज्ञता साझा की। प्रतिभागियों के ज्ञान को बढ़ाने और विषय की बेहतर समझ रखने के लिए रोबोट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के डिजाइन और मॉडलिंग में व्यावहारिक सत्रों को भी शामिल किया गया है। इस दौरान अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा मन साफ करने, तनाव कम करने और चिंता को दूर करने के लिए सहजयोग का एक सत्र भी आयोजित किया गया।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट एमएनआईटी जयपुर के प्रोफेसर डॉ. राजेश कुमार ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने आज की दुनिया में इस विषय की प्रासंगिकता के बारे में अवगत कराया। अगला सत्र डॉ. दीपांकर देब प्रोफेसर आईआईटीआरएम अहमदाबाद ने लिया। उन्होंने भौतिक वितरण के लिए क्वाड्रोटर बाइप्लेन के अनुकूली बैकस्टेपिंग नियंत्रक डिजाइन के बारे में बताया। एक्सपर्ट्स मनोज गुप्ता और तरुण नागर ने रोबोटिक्स पर सत्र दिए। डॉ. मोनिका अग्रवाल, प्रोफेसर ,आईआईटी दिल्ली ने क्वांटम मशीन लर्निंग पर अपनी विशेषज्ञता साझा की।

एफडीपी में रोबोट डायनेमिक्स और किनेमेटिक्स, एआई का उपयोग करके रोबोटिक्स के लिए प्रक्षेपवक्र अनुकूलन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, डायनेमिक सिस्टम के लिए मॉडलिंग और सिमुलेशन तकनीक, आईओटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोग, रोबोटिक मैनिपुलेटर्स के मॉडलिंग और नियंत्रण को भी शामिल किया जाएगा। कार्यक्रम में एमआरआईआईआरएस के रजिस्ट्रार आरके अरोड़ा, पीवीसी डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. अनीता खोसला, डॉ. गीता निझावन समेत फैकल्टी मेंबर्स शामिल हुए।

मानव रचना विश्वविद्यालय में रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में रोबोट दर्शाते।

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड

आईआरसीटीसी निम्नलिखित के लिए ई-बोली/ई-आरएफपी आमंत्रित करता है:-

1) पहली प्री-बिड मीटिंग (पीबी): 20.12.2021 को 12:30 बजे, दूसरी प्री-बिड मीटिंग 06.01.2022 को 12:30 बजे। जमा करने की अंतिम तिथि: 24.01.2022।

2) प्री-बिड मीटिंग: 28.12.2021 को 16:00 बजे आईआरसीटीसी कॉर्पोरेट कार्यालय, नई दिल्ली में। जमा करने की अंतिम तिथि: 18.01.2022 15:00 बजे तक।

3) जमा करने की अंतिम तिथि: 10.01.2022 15:00 बजे तक।

4) जमा करने की अंतिम तिथि: 11.01.2022 को 15:00 बजे तक।

5) जमा करने की अंतिम तिथि: 20.01.2022 15:00 बजे तक।

www.irctc.com "www.tenderwizard.com/ IRCTC" eprocure.gov.in/cppp "www.tenderwizard.com/ IRCTC"

www.irctc.com "www.tenderwizard.com/ IRCTC"

गुमशुदा की तलाश

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि करण पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी मकान नंबर 28 जीवन नगर पार्ट 1 फरीदाबाद, घर से ट्युशन पढ़ने के लिए गया। लेकिन वापस घर नहीं लौटा। जिसे हर जगह तलाश किया, लेकिन नहीं मिला। जिसका हुलिया इस प्रकार से हैं, रंग गेहुआ, लम्बुतरा चेहरा, मजबुत शरीर, कद 4 फुट 6 इंच वा उम्र 15 वर्ष है। राजेन्द्र प्रसाद की शिकायत पर थाना मुजेसर पुलिस ने मुकदमा नंबर 666 दिनांक 18.11.2021 को दर्ज किया है। सुचना मिलने पर पर सुचित करें।

प्रबन्धक अफसर थाना मुजेसर, फरीदाबाद - 9582200131
संजय कलोनी इंचार्ज, फरीदाबाद - 9582200162
- 9899592631

बीके: कम्प्यूटर ऑपरेटरों की कमी का खामियाजा भुगत रहे मरीज

ऑपरेशन व डिसचार्ज हो चुके मरीजों की फाइलें न चढ़ने से नहीं बन रहे मरीजों के कार्ड

कविता। फरीदाबाद

ओपीड़ी के कार्ड रिन्यू काउंटर पर लगी भीड़।

एक ही ऑपरेटर के हवाले सैकड़ों मरीजों के कार्ड।

बादशाह खान सिविल अस्पताल में मरीज यहां से वहां चक्कर काटने को मजबूर हो रहे है। यहां भर्ती होने के बाद दोबारा इलाज को आ रहे मरीजों के कार्ड ही नहीं बन पा रहे हैं।

कार्ड काउंटर पर कर्मचारियों की संख्या कम होने से मरीजों को घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है। जिससे अस्पताल की ओपीड़ी खाली होती है और पंजीकरण व कार्ड रिन्यु काउंटरों पर भारी भीड़ रहती है। सिविल अस्पताल में ऑनलाइन सिस्टम लागू होने के बाद जब तक अस्पताल से डिसचार्ज मरीज की फाइल कम्प्यूटर पर नहीं चढ़ती, तब तक मरीज आधार कार्ड या फोन नम्बर से दूसरा कार्ड नहीं बनवा सकता। वहीं मरीज को भर्ती करते समय पुराने ओपीडी कार्ड के नम्बर के आधार पर ही भर्ती किया जाता है। वह मरीज जब दौबारा इलाज को आते हैं तो मरीजों को कहा जाता है कि वह पहले अपनी पूरानी फाइल को कम्प्युटर से चढ़वा कर आएं। वार्ड में पहुंचने पर उन्हें ऑपरेटर न होने या फाइल न मिलने की बात कहकर लौटाया जा रहा है। ऐसे में मरीजों को चिकित्सक को दिखाने में भारी परेशानी हो रही है।

बिना चढ़े फाइल गायब

ऑपरेटर न होने के कारण पिछले काफी समय से वार्ड में भर्ती होने वाले मरीजों की फाइलें ऑनलाइन नहीं चढ़ाई जा रही है। सबसे अधिक परेशानी डिलीवरी वार्ड से लौटने वाले मरीजों को हो रही है। डिलीवरी के बाद जब वह टांके कटवाने या फिर जांच के लिए आते हैं तो उनका कार्ड ही नहीं बन पाता। पूछताछ करने पर उन्हें फाइल गायब होने की बात कहकर लौटा दिया जा रहा है। फाइल गायब होने का जबाव सुनकर सभी हैरान हैं।

ऑपरेटर न होने से लोग परेशान

अस्पताल के पंजीकरण और कार्ड रिन्यु काउंटरों पर मरीजों की भीड़ बढ़ रही है। ऑनलाइन होने के बाद भी कम्प्यूटर ऑपरेटरों की संख्या आज भी कम है। काउंटरों पर भीड़ होने के बाद भी एक से दो ही ऑपरेटर होते हैं। जिससे लम्बी लाइनों में लोगों को घंटो खड़े रहना पड़ रहा है। बृहस्पतिवार को पंजीकरण काउंटर पर मात्र तीन ऑपरेटर ही थे। वहीं कार्ड रिन्यु काउंटर पर मात्र एक ऑपरेटर दो लम्बी लाइनों के मरीजों के कार्ड पर नम्बर डाल रहा था। कार्ड काउंटरों पर लगी भीड़ से ओपीड़ी खाली पड़ी हुई थी।

डेंगू से निपटने के लिए किए गए हैं पुख्ता प्रबंध

फरीदाबाद। उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने बताया कि जिला में डेंगू के मामलों और वीबीडी स्थिति के संबंध में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जिले में 45 नियोजन इकाइयां और स्वास्थ्य संस्थान हैं। इनके लिए वेक्टर जनित रोगों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। इन नोडल अधिकारियों के अधीन क्षेत्र नियोजन इकाईवार वितरण भी किया है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला स्तर और पीएचसी स्तर तक आरआरटी का भी गठन किया है।

डेंगू के नोडल अधिकारी डॉ. रामभक्त ने बताया कि उपायुक्त फरीदाबाद की अध्यक्षता में डीएलएम डब्ल्यूसी की बैठक हुई थी। आईएमए और निजी कॉरपोरेट अस्पतालों के प्रतिनिधियों के साथ भी दो बैठकें हुईं।

संक्षिप्त समाचार

19 सूत्रीय मांगों को लेकर आंगनबाड़ी वर्कर्स ने किया प्रदर्शन

परिवहन मंत्री के कार्यालय पर प्रदर्शन करती आंगनबाड़ी वर्कर

फरीदाबाद। कर्मचारी कर्मचारी का दर्जा देने और रिटायरमेंट पर वर्कर को 5 लाख व हेल्पर को 3 लाख रुपये रिटायरमेंट लाभ देने आदि 19 सूत्रीय मांगों को लेकर बृहस्पतिवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के आवास पर प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्री शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित प्रदर्शन के बाद कैबिनेट मंत्री के भाई टीपरचंद को मांगों का ज्ञापन सौंपा और बातचीत से मांगों का समाधान करने की मांग की। आंगनबाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स ने शहर में आक्रोश रैली निकाल कर सरकार व विभाग के अंहकारी रवैए की घोर निन्दा की। आंगनबाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स यूनियन हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्री शर्मा ने चेतावनी दी कि अगर 18 दिसंबर तक मांगों का समाधान नहीं किया तो 50 हजार आंगनबाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चली जाएंगी। उन्होंने कहा कि 50 हजार कार्यकर्ता 8 दिसंबर से हड़ताल पर हैं और आंगनबाड़ी सेंटर बंद बंद पड़े हैं, लेकिन महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री और विभाग के अधिकारी बातचीत तक करने की तैयारी नहीं है। उन्होंने कहा कि जबतक 19 सूत्रीय मांगों का समाधान नहीं होगा हड़ताल जारी रहेगी। प्रदर्शन का संचालन जिला सचिव मालवती ने किया। प्रदर्शन में यूनियन की नेता सुरेन्द्री, सीमा और सीटू के जिला प्रधान निरंतर पराशर और ओम प्रकाश मौजूद थे।

रविंदर फागना अकादमी ने 9 विकेट से जीता मैच

फरीदाबाद। पहला ऑल इंडिया स्पोर्ट्स क्यूब जूनियर लीग अंडर - 14 मैच में रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी ने दून बलूनी क्रिकेट अकादमी को नौ विकेट से हराया। कोच विनय ने बताया कि दून बलूनी क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 39.1 ओवर में 10 विकेट पर 139 रन बनाए। अविरल ने 39 रन, मंथन ने 22 रन, समर्थ ने 21 रन बनाए। रिजवान ने चार विकेट, आरध्या ने दो विकेट, अनुज, मोहम्मद और ऋषभ ने एक-एक विकेट ली। लक्ष्य का पीछा करते हुए रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी ने 29.1 ओवर में एक विकेट में 140 रन बनाकर मैच जीत लिया। निधीश गौड़ ने 73 रन, गुरतेज सिंह ने 34 रन, लक्ष्य ने 12 रन बनाए। स्पर्श ने एक विकेट ली। मैच में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार रिजवान को दिया गया।

विजय दिवस की स्वर्ण जयंती पर वीर सैनिकों को नमन

विजय दिवस पर एनएच तीन के सरकारी स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में छात्रा द्वारा बनाई गई पेंटिंग।

फरीदाबाद। एनएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस, गाइड्स और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड ने प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में विजय दिवस की स्वर्ण जयंती पर देश के लिए न्योछावर हुए वीरों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि देते हुए कृतज्ञता अर्पित की। सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड और जूनियर रेडक्रॉस प्रभारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि हम सभी देशवासी मुक्तियोद्धाओं, वीरांगनाओं और भारतीय सशस्त्र बलों के वीरों द्वारा महान वीरता और बलिदान को याद करते हुए नतमस्तक हैं। हमने मिलकर दमनकारी शक्तियों से लड़ाई लड़ीं और उन्हें हराया। 16 दिसंबर 1971 की ऐतिहासिक जीत की खुशी आज भी हर देशवासी के मन को उमंग से भर देती है। इस दिन को हमलोग विजय दिवस के रूप में मनाते हैं। प्राचार्य मनचंदा ने बताया कि इसी दिन भारत ने पाकिस्तान के दांत खट्टे किए थे। 16 दिसंबर का दिन सैनिकों के शौर्य को नमन करने का दिन है। प्राचार्य मनचंदा और कॉर्डिनेटर डॉक्टर जसनीत कौर ने विजय दिवस की स्वर्ण जयंती पर छात्राओं सिया, प्रीति और नेहा का देश के वीर सैनिकों के प्रति आभार और कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए आभार प्रकट किया कहा कि देश के वीर सैनिकों और उन के परिवार का समस्त देश सदैव ऋणी रहेगा।

गुरुओं को सम्मान करना भारत की विशेषता: नागर

गांव फरीदपुर स्थित एनएस विद्यामंदिर के स्थापना दिवस पर तिगांव के विधायक राजेश नागर का स्वगत करते स्कूल के प्रबन्धक।

फरीदाबाद। तिगांव से भाजपा के विधायक राजेश नागर ने सेक्टर 78 गांव फरीदपुर स्थित एनएस विद्या मंदिर स्कूल के स्थापना दिवस पर आयोजित गुरुओं के सम्मान समारोह में शिरकत की। उन्होंने कहा कि गुरुओं का सम्मान करना भारत की हमेशा से विशेषता रही है। नागर ने कहा कि विश्वगुरु रहा भारत हमेशा से दुनिया का सरताज रहा है। भारत को दुनिया भर में सम्मान मिलता रहा है, वहीं भारत भी दुनिया भर के विद्वानों का हमेशा से सम्मान करता रहा है। उन्होंने बताया कि जब एक शिक्षक समाज को ज्ञान देकर लायक बनाता है, तभी उसको सम्मान मिलता है। इससे पहले यहां पहुंचने पर विधायक का स्कूल प्रबंधन ने स्वागत किया। स्कूल के चेयरमैन सुशील कौशिक ने बताया कि उन्होंने अपने शिक्षकों को चिमनलाल, ओपी गर्ग, तुलीराम, भरत सिंह, अतर सिंह, हेतलाल, रामकिशन का आज सम्मान किया है। इन्होंने ही उन्हें शिक्षा देकर आज इस काबिल बनाया कि वह अपना स्कूल चला रहे हैं। जीसीएम स्कूल के चेयरमैन बिजेंद्र कुमार लोहिया, एचसी स्कूल के चेयरमैन दयाचंद शर्मा, शांति शिक्षा निकेतन लहंडोला के चेयरमैन जितेंद्र नागर, शांति शिक्षा निकेतन तिगांव के चेयरमैन कृष्ण कुमार पंत, विवेकानंद स्कूल मंधावली से संजीव कौशिक, विवेकानंद राजीव कॉलोनी से वीर पाल सिंह भाटी, तिगांव सनातन धर्म स्कूल से लक्ष्मण अधाना, अल्हीपुर से पवन कुमार, घरौडा से संजय त्यागी, भूपानी ज्ञान इंटरनेशनल स्कूल से परवीन चौहान, महावतपुर सुनील चौहान, ददसिया से सुरेंद्र चौहान, अनमोल स्कूल से पुरुषोत्तम सहित एनएस विद्या मंदिर स्कूल की प्रिंसिपल सरोज कौशिक, पुनीत कौशिक आदि विशेष रूप से मौजूद थे।

साई धाम, सेक्टर 86 में कोविड वैक्सीनेशन कैंप आयोजित

सेक्टर-86 साई धाम मंदिर में कोविड वैक्सीनेशन कैंप में टीका लगाती स्वस्थ्य कर्मी।

फरीदाबाद। शिरडी साई बाबा टेंपल सोसायटी, सेक्टर 86 में बीके हॉस्पिटल के सिविल सर्जन फरीदाबाद के सहयोग से कोविड 19 टीकाकरण कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में सोशल डिस्टेंस का ध्यान रखते हुए लोगों के बैठने की उचित व्यवस्था की गई थी। वैक्सीनेशन 18 प्लस और 45 प्लस की आयु वर्ग को लगाया गया। इसमें कुल 250 व्यक्तियों को कोविड 19 का टीका लगाया गया। वैक्सीनेशन के बाद आधा घंटा वहीं पर बैठाया। अभी तक किसी केस में कोई दिक्कत नहीं आई है और सभी स्वस्थ हैं। इस कार्यक्रम को प्रिंसिपल बीनू शर्मा, केए पिल्लै, विकास राय, बिजेन्द्र कुमार पांडे, जय त्रिपाठी आदि ने सुचारू रूप से संभाला। मेडिकल टीम ने टीकाकरण के प्रबंध की सराहना की और टीका लगवाने जो व्यक्ति आये उनकी भी अच्छे से देखभाल की गई। सभी का नंबर से टीकाकरण किया गया। उनके बैठने की उचित व्यवस्था की गई। साई धाम ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. मोतीलाल गुप्ता ने कहा कि साई धाम हमेशा से ही सामाजिक और धार्मिक कार्य में आगे रहता है। संस्था कोविड वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन समय-समय पर करता रहा है।

अपहरण के बाद किशोर की हत्या कर शव पहाड़ों में फेंका

पुलिस पर बच्चे की तलाश में लापरवाही का आरोप लगा कर परिजनों ने किया हंगामा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बीके अस्पताल की मोरचरी पर हंगामा करते मृतक के परिजन।

थाना डबुआ इलाके से चार दिन पूर्व रहस्यमय हालत में लापता हुए 14 वर्षीय किशोर का शव पुलिस ने सूरजकुंड की पहाड़ियों पर स्थित एक मैरिज गार्डन के पीछे झाड़ियों से बरामद किया है। इलाके में कचौड़ी की रेहड़ी लगाने वाले एक व्यक्ति ने अपने साथी ऑटो चालक के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने ऑटो चालक को गिरफ्तार कर लिया है। परिजनों ने पुलिस पर लापता बच्चे की तलाश में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया।

जानकारी के मुताबिक 13 दिसंबर को लापता हुए 14 वर्षीय किशोर के पिता ने डबुआ थाना को दी शिकायत में बताया कि उसका 14 वर्षीय बेटा लापता हो गया। उन्होंने अपने बेटे को ढूंढने की हर संभव कोशिश की लेकिन उन्हें अपने बेटे की कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई। किशोर के पिता की शिकायत के आधार पर थाना डबुआ में गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज करके किशोर की तलाश शुरू की गई।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस जांच के दौरान गुमशुदा नाबालिक बच्चे के पिता ने पुलिस को बताया कि उसका बेटा अक्सर दोस्त गौरव की रेहड़ी पर जाता है। एसएचओ महेंद्र पाठक की टीम ने रेहड़ी को फोकस कर जांच के दायरा बढ़ाया। आसपास के सीसीटीवी खंगालने पर आरोपी उपेंद्र किशोर को अपने ऑटो में बैठा कर ले जाते हुए दिखाई दिए।

सीसीटीवी फुटेज की सहायता से ऑटो को चिह्नि किया गया। रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट के माध्यम से पुलिस टीम आरोपी ऑटो ड्राइवर उपेंद्र तक पहुंची। प्रारंभिक पूछताछ में ऑटो ड्राइवर ने मृतक श्याम के बारे में बताया कि उसको 13 दिसंबर की शाम को कचौड़ी रेहडी संचालक दशरथ ने बच्चे की हत्या कर खालसा बैंकट हॉल के पीछे झाड़ियों में फेंक दिया था । हत्या के बाद उसी खालसा बैंक्विट हॉल में उन्होंने अपना स्टॉल लगाया था। आरोपी उपेंद्र ने इस वारदात को उपेंद्र द्वारा दी गई सूचना के आधार पर मुख्य आरोपी दशरथ को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

नाबालिग के शव की निशानदेही करवाने के पश्चात, शव को पोस्टमार्टम के लिए बीके हॉस्पिटल भिजवाया। एसीपी सुखबीर सिंह, एसएचओ महेंद्र पाठक एवं क्राइम ब्रांच प्रभारी अनिल जांच कर रहे हैं। गुमशुदगी मुकदमे में हत्या की धाराएं लगा दी गई हैं। आरोपी उपेंद्र से पूछताछ जारी है जिसे जल्द गिरफ्तार किया जाएगा, मुख्य आरोपी दशरथ की तलाश जारी है।

29 लाख लोगों को लग चुकी है वैक्सीन : डॉ. मान सिंह

शिविर में लोगों को कोविड टीका लगाते डॉक्टर।

फरीदाबाद के पांचों लेबर चौकों पर और तीनों सब्जी मंडियों में नियमित लगाए जा रहे वैक्सीनेशन कैंपः डीसी

फरीदाबाद। उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने कहा कि फरीदाबाद के पांचों लेबर चौकों पर और तीनों सब्जी मण्डियों में कोविड-19 के बचाव के लिए नियमित रूप से हर रोज वैक्शीनेशन कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज वीरवार तक जिला में 2904108 लोगों को कोविड-19 के वायरस के बचाव के लिए दोनों डोज लगाए गए।

डीसी ने कहा कि नोवल कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के लिए टीकाकरण एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि लोगों को कोविड-19 के संक्रमण से बचाव के लिए वैक्शीन की डोज निरन्तर लगाई जा रही है। उन्होंने बताया कि जिला फरीदाबाद की जनता को बिना किसी डर के वैक्सीनेशन करवाना चाहिए। टीकाकरण से स्वास्थ्य पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता, कोविशील्ड व कोवैक्सीन का एक समान प्रभाव है।

उन्होंने बताया कि टीकाकरण करवाने के लिए अब पहले की अपेक्षा ज्यादा उत्साह जिला में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन के साथ-साथ हमें कोविड-19 प्रोटोकोल नियमों की भी शत- प्रतिशत पालना करनी चाहिए। यह वैक्सीन शत-प्रतिशत सुरक्षित एवं नोवल कोराना वायरस के बचाव के लिए प्रभावी है। जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनय गुप्ता ने बताया कि पहली वैक्शीनेशन के बाद दूसरी वैक्शीनेशन 12 से 16 सप्ताह में लगवाने पर ईम्युनिटी पावर ओर भी बेहतर कारगर साबित हो रही है। जिला की जनता स्वैच्छा टीकाकरण करवाएं तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

क्रेशर के मुंशी से लूटपाट के दो आरोपी गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों को वारदात के मात्र 28 घंटे में किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त फरीदाबाद विकाश अरोडा द्वारा शहर में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए वारदातों में संलिप्त अपराधियों की धरपकड़ के आदेश एवं पुलिस उपायुक्त एनआईटी नितीश अग्रवाल के निर्देश पर कार्यवाई करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर-48 की टीम ने 27 नवम्बर को क्रशर जोन के मुंशी के साथ हुई 4 लाख रुपये की लूट मामले में 2 अन्य आरोपियों रोहित तथा रूपेश को फरीदाबाद के आईएमटी पुल के पास से गिरफ्तार किया है।

क्राइम ब्रांच द्वारा इस वारदात में शामिल दो आरोपी विमल तथा हितेश को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। आपको बता दें कि 27 नवम्बर की रात करीब 9 बजे क्रेसर जोन का मुंशी अपनी मोटरसाइकिल लेकर जब अनंगपुर पहुंचा तो वहां खडे एक लडके ने मुंशी के पिठू बैग पर हाथ मार कर बैंग खींच लिया। जिससे मोटरसाइकिल डगमगा कर गिर गई। मुंशी का पैर मोटरसाइकिल के निचे दब गया था। बैग छीनने वाले आरोपी ने अपने साथी के साथ मुंशी का रुपयों से भरा बैंग छिन लिया था। थोड़ी दूरी पर आगे खड़ी गाड़ी जिसमे दो आरोपी मौजूद थे, बैग छिनने वाले दोनों आरोपियों सहित रुपयों से भरा बैग लेकर फरार गए थे। वारदात की सूचना पर मुकदमा थाना सुरजकुंड में दर्ज किया गया है। सीसीटीवी फुटेज व विशेष सूत्रों की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 29 नवंबर को क्राइम ब्रांच सेक्टर-48 को 2 आरोपियो को पलवल से गिरफ्तार किया गया।

पंजाबी दर्शकों से सब्सक्रिप्शन में हुई दोगुणा वृद्धि

प्रति माह औसत वॉच टाइम 186 मिनट है।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारत के सबसे बड़े स्वदेशी वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म और मनोरंजन की चाह रखने वालों के लिए बहुभाषी कहानीकार जी5 ने इस साल सितंबर में पंजाबी भाषा के क्षेत्र में अपनी शुरुआत के बाद पंजाबी भाषी दर्शकों के बड़े अप्रयुक्त बाजार में सफलतापूर्वक गहरी पैठ बनाई है।

एंटरटेनमेंट इनक्लूजन के अपने लक्ष्य के करीब पहुंचते हुए, इसकी सक्रिय सदस्य संख्या में दोगुना वृद्धि देखी गई, जिसमें पंजाब और पड़ोसी राज्यों जैसे हरियाणा, दिल्ली, एनसीआर और उत्तर प्रदेश से सबसे ज्यादा योगदान प्राप्त हुआ है। यह वृद्धि पावर पैक्ड पंजाबी रिलीज़ जैसे पुआडा, जिन्ने जम्मे सारे निकम्मे और किस्मत 2 के साथ और बढ़ी है, जिसमें लोकप्रिय पॉलीवुड नाम एम्मी विर्क, सोनम बाजवा, सरगुन मेहता, बिन्नू ढिल्लों, गुरनाम भुल्लर, आदि शामिल है, यह सब केवल 499 रुपये की ऑल इंक्लूसिव वार्षिक सदस्यता के साथ उपलब्ध है। क्षेत्रीयकरण पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए, सितंबर 2021 तक प्लेटफॉर्म पर प्रति दर्शक हर्दियप्रदेश में बसी, उनकी भाषा में रचे पॉवर पैक्ड कंटेंट के साथ इस मार्केट में प्रवेश किया जो अपनी भाषा में गुणवत्तापूर्ण मनोरंजन की तलाश में थे। हम 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की प्रतिक्रिया प्राप्त कर रोमांचित हैं, और हम निर्बाध मनोरंजन आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ पंजाबी कंटेंट डिलीवर और क्यूरेट करना जारी रखेंगे। हाइपरलोकल और हाइपरपर्सन लाइज्ड दृष्टिकोण का उपयोग करके वास्तविक, प्रासंगिक सामग्री लाने की हमारी क्षमता उपयोगकर्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाली पंजाबी सामग्री देखने के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करने में मदद करेगी। हाई इंटरनेट पेनेट्रेशन और मजबूत टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ, पंजाब उत्तरी भारत के प्रमुख बाजारों में से एक है, परंतु स्थानीय भाषा में सीमित सामग्री विकल्प है। नतीजतन, जब दर्शक स्वभाषा में कंटेंट देखने की इच्छा थी तब विकल्पों की उपलब्धता कम थी और तब ज़ी5 ने भारत के 3 करोड़ से अधिक पंजाबी वक्ताओं की इस अधूरी मांग को जाना और पंजाबी मनोरंजन की एक शानदार लाइब्रेरी की पेशकश की।

टिप्पणी करते हुए, जी5 इंडिया के मुख्य बिजनेस ऑफिर, मनीष कालरा ने कहा, 'पूरे भारत में नए और अंडरसर्वड बाजारों के लिए पंजाबी भाषी मार्केट में हमारा प्रवेश एंटरटेनमेंट इनक्लूजन के हमारे व्यापक उद्देश्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम हमने दर्शकों के

कर्मचारियों ने विधायक त्रिखा व विधायक नीरज के नाम सौंपा ज्ञापन

फरीदाबाद। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा व प्रदेश सरकार के मध्य 25 अप्रैल 2020 में, 17 अगस्त 2020 को हुए समझौते में मानी गई मांगों के पत्र जारी न करने से नाराज नगर निगम के कर्मचारियों ने नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्यव्यापी आंदोलन के तहत जुलूस की शक्ल में परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा, ओल्ड फरीदाबाद के विधायक नरेंद्र गुप्ता, फरीदाबाद के सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर को विगत कल ज्ञापन सौंपा। बड़खल विधानसभा क्षेत्र की विधायक सीमा त्रिखा तथा एनआईटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक नीरज शर्मा को ज्ञापन सौंपा। अब कर्मचारी कल विधायक नयनपाल रावत और विधायक राजेश नागर को कल ज्ञापन सौंपेंगे। प्रदर्शन का नेतृत्व नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य उप महासचिव सुनील कुमार चिंडालिया ने किया।

स्वच्छता को लेकर निगम मनाएगा यादगार दिवस

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मिशन को 31 दिसंबर याद है ना का नाम दिया गया है

निगमायुक्त यशपाल यादव ने बताया कि बनेगा स्वच्छ फरीदाबाद के तहत 31 दिसम्बर को यादगार के रूप में मनाया जायेगा। इस मिशन को 31 दिसंबर याद है ना का नाम दिया गया है। इस कैम्पेन में सभी नागनिकों, दुकानदारों, उद्योगिक संस्थाओं तथा शैक्षणिक संस्थाओं से निवेदन है कि 31 दिसंबर को अपने घर, अपने घर के इर्द-गिर्द तथा गली मोहल्ले में सफाई करवाने में निगम का सहयोग करें। 31 दिसंबर के बाद कोई भी नागरिक खुले में कूड़ा न फैंकें कहीं भी खुले में कूड़ा फैंकते हुए पाये जाने पर चालान आदि की कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम का मेगा स्वच्छता अभियान अब सभी 40 वार्डों में एक साथ हर सप्ताह के शुक्रवार-शनिवार को चलाया जा रहा है और बाजारों और घरों के सामने से अतिक्रमण भी हटाए भी जा रहे है। लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है कि घर से ही गीला व सूखा कचरा अलग-अलग करके वेंडर के वाहन में डालें। नगर निगम की टीमें अलग-अलग वार्डों में सक्रिय है। निगम आयुक्त ने बताया कि नगर निगम के चालीस वार्डों के सभी सदस्य, गैर सरकारी संगठन, सीएसआर भागीदार, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, मार्केट एसोसिएशन के प्रतिनिधि विशेष रूप से व्यापार मंडल और सभी संबंधितों के इस नेक काम में नगर निगम का समर्थन किया है। बनेगा स्वच्छ फरीदाबाद में आम जन की भागीदारी सामने आ रही है।

निगमायुक्त ने बताया कि स्वच्छ बनेगा फरीदाबाद अभियान के तहत शहर को कचरा मुक्त करने में वार्ड स्तर पर काम किया जा रहा है। वार्ड स्तर पर आने वाली समस्याओं को दूर किया जा रहा है। इसमें वार्डों में गठित की गई कमेटियों की भूमिका सराहनीय है। अब घर-घर से कूड़ा उठाने में सुधार हुआ है और अब करीब 76 फीसदी घरों से प्रतिदिन नियमित रूप से कूड़ा उठाया जा रहा है। प्रत्येक घर को गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग करके वैंडर को देने के लिए भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। 31 दिसम्बर को नगर निगम कचरा मुक्त दिवस के रूप में मनायेगा। नगर निगम आयुक्त ने कहा कि स्वच्छ बनेगा फरीदाबाद अभियान के साथ अब सभी आरडब्ल्यूए और सामाजिक संगठन लगातार जुड़ रहे हैं। लोगों में कूड़ा खुले में फैंकने को लेकर भी जागरुकता आ रही है। वार्ड स्तर पर सामाजिक कार्यकर्ताओं और सामाजिक संस्थाओं के इस अभियान से जुड़ने से इसमें तेजी आई है।

कई महीनों से इकाइयों को किया जा रहा सील

फरीदाबाद। नगर निगम फरीदाबाद द्वारा संपत्ति कर के बकायाजात की वसूली के लिए पिछले कई महीनों से इकाइयों को सील किया जा रहा है जिसमें से उन इकाइयों को डीसील किया है जिनके बकायाजात जमा हो गये हैं और जिनके बकायादारों ने अभी तक नगर निगम में बकायाजात जमा नहीं कराये वह अभी तक सील हैं।

16 दिसंबर को बल्लभगढ़ जोन-2 में 10 इकाइयों को सील किया, जिन पर करीब सात लाख बकाया है एनआईटी जोन-3 ने 6 इकाइयों को सील किया जिस पर करीब 4.09 लाख का बकाया है। इस तरह कुल 16 इकाइयों को सील किया है, जिन पर कुल 11.09 लाख बकाया है। निगमायुक्त यशपाल यादव ने कहा कि जिन इकाइयों को सील किया जा चुका है और उनकी ओर से बकाया संपत्ति कर की राशि प्राप्त नहीं हुई है उन सभी इकाइयों की निगम द्वारा नीलामी की जाएगी और आने वाले कुछ समय में ही इन इकाइयों की खुली नीलामी की जायेगी।

कोरोना के चार नए संक्रमित आए सामने

कोरोना की जांच कराती यशोदा।

फरीदाबाद। गुरुवार को कोरोना वायरस के 4 मामले पोजिटिव आए है। जबकि 4 मामले ठीक होंने पर अपने घर में भेज दिए गए हैं। वहीं गुरुवार को जिला में रिकवरी रेट भी 99.24 प्रतिशत पर पहुंच गया है। जिले में एक्टिव केसों की संख्या भी 40 हो गई है। जोकि सभी होम आईसोलेशन में है। जबकि कई लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं।

जिले में कोरोना संक्रमण की रफ्तार पर ब्रेक लगाने के लिए टेस्टिंग और वैक्शीनेशन पर जोर दिया जा रहा है। जिले में पिछले 24 घंटे में 3085 लोगों टेस्ट किए गए। जबकि अब तक जिला फरीदाबाद में 1275832 लोगों ने अब तक टेस्ट करवाया गया। इनमें से 100016 लोग कोराना पॉजिटिव पाए गए। जबकि 1173086 लोग नेगेटिव मिले। अब तक जिला में 2730 लोगों के रिजल्ट आने बाकी है। उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने फरीदाबाद जिला वासियों से अपील की है कि वे अब भी निरन्तर कोरोना को मात देने के लिए सावधानी लगातार बरतते रहें। कोरोना के जिला नोडल अधिकारी डा. रामभक्त ने बताया कि जिला स्वास्थ्य विभाग के द्वारा जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार फरीदाबाद जिला में अब तक 1106938 लोगों को अब तक सर्वेलांस पर रखा गया है। जिन्होंने 28 दिनों का सर्वेलांस पूरा कर लिया है उनकी संख्या 1106529 हो गई है।

नि:स्वार्थ सेवा की सच्ची मिसाल हैं डेरा के ये सेवादार

फ्री नेत्र जांच शिविर में सेवादारों की सेवा का हर कोई कायल

डॉक्टर, पैरा-मेडिकल स्टाफ और सेवादारों में सेवा की लगी है होड़

याद-ए-मुर्शिद शाह सतनाम जी महाराज फ्री नेत्र जांच शिविर

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

21वीं सदी में आज लोगों के अपनों के लिए भी समय नहीं है। अपने बड़े-बुजुर्गों को लोग वृद्धाश्रमों, विधवा आश्रमों में छोड़कर पाप के भागीदार बन रहे हैं, वहीं एक आश्रम ऐसा है जहां पर बुजुर्गों का अपनों से भी बढ़कर सेवा की जाती है। कलयुग में इन सेवादारों को श्रवण कुमार के रूप में देखा जा रहा है। ये इसी गीत को साकार कर रहे हैं-है काम आदमी का औरों के काम आना, जीना तो है उसी का जिसने ये राज जाना...।

डेरा सच्चा सौदा में लगा है याद-ए-मुर्शिद शाह सतनाम महाराज फ्री नेत्र जांच शिविर में सेवा के लिए तैनात पैरा-मेडिकल स्टाफ।

डेरा सच्चा सौदा सरसा में याद-ए-मुर्शिद शाह सतनाम जी महाराज फ्री नेत्र जांच शिविर लगा है। इस साल यह 30वां शिविर है। इस शिविर में हर साल हजारों लोगों के नेत्रों की जांच होती है और काफी के ऑपरेशन भी किए जाते हैं।

नेत्रों की जांच व ऑपरेशन कराने आने वालों की सेवा में डेरा परिसर में हजारों डेरा प्रेमी, सेवादार 24 घंटे सेवाएं दे रहे हैं। हर स्तर पर यहां सेवा की जा रही है। डॉक्टर्स, पैरा-मेडिकल स्टाफ, ऑपरेशन वाले लोगों की मेडिकल जांच के अलावा अन्य सेवाएं महिलाएं, पुरुष दे रहे हैं। हर किसी में सेवा की होड़ सी लगी है।

टूटते रिश्तों के आगे बेगानों को अपना बनाते ये सेवादार

जिस दौर में आज लोग जरा से गल्तियों पर रिश्तों की तिलांजलि दे देते हैं, ऐसे दौर में डेरा सच्चा सौदा से जुड़े लोग ना केवल रिश्तों की डोर को मजबूती से बांधे हुए हैं, बल्कि अनजान लोगों की सेवा अपनों से भी बढ़कर कर रहे हैं। बेगानों को यहां अपना बनाकर सेवा की जा रही है। डेरा सच्चा सौदा की ग्रीन एस. वेलफेयर फोर्स विंग के सेवादारों की फौज जब सेवा के लिए हाथ बढ़ाती है तो किसी को ना तो गिरने देती है और ना ही डूबने देती है। संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां द्वारा इस फोर्स का गठन किया गया था। यह फोर्स आज देश ही नहीं पूरी दुनिया में सेवा कार्यों के माध्यम से डेरे का मस्तक ऊंचा कर रही है।

सेवादारों की सेवा के कायल हुए मरीज

पंजाब के मानसा जिला के गांव माक्खा से महिंद्र कौर, लाल सिंह, हरिगढ़ बरनाला (पंजाब), रामकुआर, गांव बारना, कुरुक्षेत्र, कालूराम, गांव रोड़ी जिला सरसा और केहर सिंह गांव फत्ता मालूकी, झनीर, मानसा (पंजाब) का कहना है कि याद-ए-मुर्शिद शाह सतनाम जी नि:शुल्क आई कैंप में अंधेरी जिंदगियों को रोशन करने में शाह सतनाम जी स्पेशलिटी अस्पताल के पैरामेडिकल स्टाफसहित सभी सेवादार दिन-रात पूरी तन्यमता से ड्यूटी कर रहे हैं। चाहे मरीजों का बीपी चेक करना, पल्स रेट जांच, आई क्लीनिंग की बात हो या फिर दवाई देने का काम, सभी कार्य समयबद्ध किए जा रहे हैं।

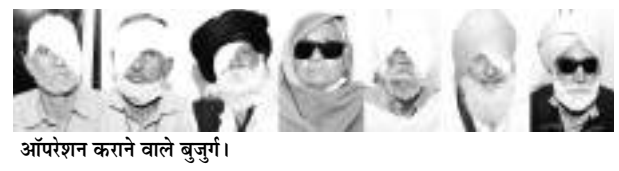
ऑपरेशन कराने वाले बुजुर्ग।

सतगुरु ने सदा सेवा की सीख दी है : इंदू बाला

नर्सिंग ऑफिसर इंदू बाला कहती हैं कि सतगुरु के दिखाए मार्ग पर ही चलते हुए सब दीन-दुखियों, मरीजों की सेवा में जुटे हैं। डेरा सच्चा सौदा में सदैव यही सिखाया गया है कि हमें किसी भी इंसान, पशु-पक्षी की सेवा से पीछे नहीं हटना। साथ ही स्वच्छता रखनी है। यह गुरुजी की ही सीख और प्रेरणा है कि डेरा के सेवादारों ने चंद घंटे में शहरों से गंदगी साफ करके चमकाया है। गुरुजी ने नेकी, सच्चाई, ईमानदारी का सदा रास्ता दिखाया। जिस रास्ते पर आज भी करोड़ों सेवादार चल रहे हैं। इंदू बाला का कहना है कि वे हर साल यहां याद-ए-मुर्शिद शाह सतनाम जी निशुल्क आई कैंप में सेवा के लिए आती हैं। मरीजों की सेवा करके आंतरिक खुशी मिलती है। इस सेवा कार्य में इन्दु बाला के अलावा सोनिया, हरदीप, जश्न, फूलवंती, अनिल कुमारी, ज्योति, कलवंत, विपिन, अमनदीप, सरोज, परविन्द्र, हरप्रीत, वंदना चौहान, सीता देवी, जसवीर कौर, अनुराधा, सरबजीत, सुरेन्द्र, अमरजीत और गुरप्रीत, रमनप्रीत, किरण, गीता, रिम्पी, सुनीता रानी, नीतू रानी, सुखप्रीत, स्वर्णजीत भी जुटीं हैं। सबका कहना है कि सेवा परमो धर्म:। इस धर्म से हमें कभी भी पीछे नहीं हटना। गुरू जी डा. संत गुरमीत राम रहीम सिंह जी इंसा ने हमें यही सीख दी है कि दीन-दुखियों की सेवा करके उन्हें खुशियां देनी हैं। पुरुष स्टाफमें सुनील कुमार, जोगिन्द्र सिंह अंबाला, विशेष इन्सां, त्रिलोकीनाथ बापौली, संदीप इन्सां, गुरचरण, अशोक, वजीर, विक्रम, साहिल, दिनेश, प्रवीण, रविन्द्र, रमेश नागपाल, छत्तीसगढ़ से दिनेश, अंबाला से सतबीर, मलोट से सुरेन्द्र और गुरुग्राम से खेमचंद भी गुरूजी की सीख पर चलते हुए डेरा में भी और अपने-अपने क्षेत्रों में सेवा कार्यों को सदैव आगे बढ़ाते हैं।

संक्षिप्त-समाचार

मानेसर में बनेगा 500 बेड का आधुनिक सरकारी अस्पताल

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ मंत्रणा करते विधायक सुधीर सिंगला।

गुरुग्राम। गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि मानेसर में 500 बेड का आधुनिक सरकारी अस्पताल बनेगा। इस अस्पताल के बनने के बाद गुरुग्राम के बाहरी क्षेत्र, ग्रामीण अंचल के लोगों को और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो पाएंगी। अस्पताल के बनाने की घोषणा केंद्रीय श्रम एवं रोजगार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने की है। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि गुरुग्राम की पहचान दुनियाभर में है। यहां निजी क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाएं तो खूब हैं, लेकिन अब सरकारी स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं को भी बढ़ाया जा रहा है। ताकि आम और गरीब व्यक्ति को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने क्षेत्र की मांग पर मानेसर में 500 बेड के आधुनिक अस्पताल को मंजूरी देकर गुरुग्राम जिला को बड़ा तोहफा दिया है। विधायक का कहना है कि हर जरूरतमंद तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचे, यह सरकार का प्रयास है। राजधानी के निकट होने के चलते गुरुग्राम पर केंद्र सरकार का भी पूरा फोकस है। केंद्र के अनेक प्रोजेक्ट यहां चल रहे हैं। यहां तक कि केंद्र सरकार के कई कार्यालय भी यहां बने हुए हैं। चाहे हेल्थ सेक्टर हो या बैंकिंग या फिर आईटी क्षेत्र और अन्य कोई क्षेत्र। सभी क्षेत्रों में गुरुग्राम ने बहुत तरक्की की है। विदेशियों द्वारा उपचार की पहली पसंद गुरुग्राम ही बना हुआ है। इसका कारण हरियाणा सरकार की बेहतरीन पॉलिसी होना और यहां पर थ्री-स्टार, फाइव स्टार अस्पतालों का स्थापित होना। विदेशी उद्योगपतियों द्वारा पूंजीनिवेश के लिए हरियाणा और हरियाणा का बढ़ता शहर गुरुग्राम पहली पंसद बना हुआ है। ऐसे में यहां पर हर तरह की सुविधाओं का बेहतर होना जरूरी है। मानेसर में बनने वाला 500 बेड का अस्पताल भी इसी का हिस्सा है। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि गुरुग्राम का काफी विस्तार हो चुका है। इसलिए यहां पर अस्पताल भी उसी हिसाब से होने चाहिए। जिसे केंद्रीय मंत्री ने पूरा करके जनता के हितों का ख्याल रखा है। विधायक ने मंत्री भूपेंद्र यादव से मिलकर और भी कई विषयों पर विस्तार से बात की। उन्होंने आश्वासन दिया कि जनहित के किसी भी काम को बिना देरी के पूरा किया जाएगा।

यूपी में दमदार सोच से फिर बनेगी ईमानदार योगी सरकार

बागपत प्रवास के दौरान मंथन करते नवीन गोयल।

गुरुग्राम। उत्तरप्रदेश के चुनावों को लेकर पर्यावरण संरक्षण विभाग हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने कहा कि यूपी में दमदार सोच के साथ दूसरी बार ईमानदार योगी सरकार बनेगी। ऐसा बड़ा कारण यह है कि यूपी में समान विकास को बढ़ावा मिला है। प्रदेश की आम और खास जनता आज भजपा को फिर से लाने की पक्षधर है। यह बात वे जनता के बीच से मिल रहे इनपुट के आधार पर कह रहे हैं। नवीन गोयल इन दिनों पश्चिमी उत्तरप्रदेश में बागपत विधानसभा-52 क्षेत्र के प्रवास पर हैं। पार्टी की ओर से उनकी जनता के बीच पार्टी की नीतियों को पहुंचाने, लोगों से मुलाकात करके उनके मन की बात लेने के लिए भेजा गया है। इस दौरान उनके साथ बागपत के जिला अध्यक्ष सूरजपाल गुर्जर, जिला उपाध्यक्ष अनीता खोखर, प्रमोद खोखर समेत प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ उन्होंने विशेष योजना भी तैयार की। इस दौरान ग्रीवेंस कमेटी के सदस्य प्रवीण अग्रवाल, युवा नेता सुधीर कलसन भी मौजूद रहे। उसी योजना पर काम किया जा रहा है। नवीन गोयल ने कहा कि यूपी चुनावों को लेकर पार्टी ने उन्हें जिम्मेदारी दी है, जिस पर वे बारीकी से काम कर रहे हैं। उनका कहना है कि बागपत क्षेत्र में आम और खास लोगों से उनकी मुलाकात हो रही है। इस दौरान यह सामने आ रहा है कि सरकार की नीतियों से हर कोई खुश है। प्रदेश में सिर्फ विकास ही नहीं, धर्म-कर्म को बढ़ावा मिलने के साथ भाई-भतीजावाद की रीत खत्म करके नया इतिहास रचा है। हर धर्म, हर कौम को साथ लेकर सरकार चल रही है। यूपी में घूमने से ही पता चलता है कि विकास को किस तरह से गति मिली है।

निर्माणाधीन पावर हाउस के विरोध में किसान 19 को भरेंगे हुंकार

सोहना। ट्रांसमिशन और पावर हाउस निर्माण के विरोध में 24 गांवों के किसान 19 दिसंबर को गढ़ी बाजीदपुर में हुंकार भरेंगे। गढ़ी बाजीदपुर में महापंचायत में किसान ट्रांसमिशन लाइन निर्माण से खराब हो रही खड़ी फसल को लेकर बड़ा फैसला ले सकते हैं।

गांव गढ़ीबाजीदपुर में बनाये जा रहे बिजली ट्रांसमिशन और पावर हाउस को लेकर किसानों का विरोध दिन प्रति दिन बढ़ता ही जा रहा है। जिसको लेकर 19 दिसंबर को गांव गढ़ी बाजीदपुर में पावर हाउस के निकट खेतों में बैठकर 24 गांवों के किसानों की महापंचायत होगी। महापंचायत को लेकर 24 गांवों के किसानों को घर-घर न्योता दिया जा रहा है। जिसमें प्रत्येक गांव के मुख्य-मुख्य किसानों को बुलाया जा रहा है। ताकि ओमीक्रॉन की महामारी से बचाव के लिए सामाजिक दूरी को बनाया जा सके। इस महापंचायत में खेड़ला समेत बहलपा, सहजावास, गढ़ीबाजीदपुर, अभयपुर, दौला, खेड़ला, घामडौज, अलीपुर, भोंडसी, महेन्द्रवाड़ा, रिठौज, नया गांव आदि से किसान पहुंचेंगे।

किसान कर सकते हैं भूख हड़ताल

21 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली ट्रांसमिशन बिजली लाइन के निर्माण से किसानों की खेतों में खड़ी गेहूं और सरसों की फसल बरबाद हो रही है। अपनी खड़ी फसल को बचाने के लिए महापंचायत में किसान भूख हड़ताल का निर्णय भी ले सकते हैं। जिससे दिल्ली के बाद यह किसानों को दूसरा बड़ा आंदोलन हो सकता है।

मुख्यमंत्री तक लगाई गई है गुहार

खेड़ला निवासी किसान बलजीत राघव ने बताया कि किसानों ने मामले की शिकायत एसडीएम सोहना, उपायुक्त गुरुग्राम, डिप्टी मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर को लिखित रूप में कर दी है। किंतु अभी तक भी स्थायी हल नहीं हो सका है।

कोरोना मृतकों के परिजनों को सरकार देगी 50 हजार की अनुग्रह सहायता

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार ने राज्य में कोरोना के कारण हुई मृत्यु के मामलों में मृतक के परिजन को 50,000 रुपये की अनुग्रह सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। इसके लिए आवेदक को अंत्योदय सरल पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

उपायुक्त डा. यश गर्ग ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा इस सेवा को परिवार पहचान पत्र से एकीकृत करके विकसित किया गया है। आवेदक को अपने आवेदन के साथ मृत्यु प्रमाण पत्र व कोविड-19 पॉजिटिव रिपोर्ट की एक-एक प्रति लगानी होगी। आवेदन करने के 30 दिनों के अंदर आवेदन दावों का निपटारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उपायुक्त-सह-अध्यक्ष द्वारा सत्यापन करने के उपरांत ही अनुग्रह राशि आवेदक को जारी की जाएगी।

छात्र आत्मसात करें गीता का सार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम विश्वविद्यालय परिसर में 2 से 19 दिसंबर तक अन्तरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के तहत विभिन्न विषयों पर आधारित कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इस कड़ी में गुरुवार को को गीता श्लोक उच्चारण प्रतियोगिता, जीवन प्रबंधन में गीता की भूमिका विषय पर भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

गुरुग्राम विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के तहत आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि।

गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मार्कण्डेय आहूजा ने कहा कि छात्रों को गीता का सार अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए, क्योंकि गीता जैसे पवित्र ग्रंथ का संदेश सिर्फ अर्जुन के लिए नहीं बल्कि समस्त मानव जाति के लिए है। श्रीमद भगवत गीता दुनिया के चंद ग्रंथों में से एक है जो आज भी सबसे ज्यादा पढ़े जाते हैं। जीवन पथ पर चलने की प्रेरणा देते हैं। गीता एक ऐसा पवित्र ग्रंथ है, जो मानव जीवन के कल्याण के लिए है। भगवत गीता में जीवन के हर युग और हर अवस्था के लिए सुझाव दिए गए हैं। यह सिर्फ एक किताब नहीं है, यह एक सोच है, एक दिशा है, एक दृष्टि है जो यह ज्ञान देती है कि कैसे जीवन जिया जाए। गीता में अधिकांश ज्ञान छात्रों के लिए है, क्योंकि अर्जुन भी श्रीकृष्ण के शिष्य थे। अगर हम इसके श्लोकों का अध्ययन रोज करें तो हम आने वाली हर समस्या का हल बगैर किसी मदद के निकाल सकते हैं। गीता जी के महत्व को स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी देखा जा सकता है, जब अनेक वीर सपूतों ने मां भारती की रक्षा के लिए गीता अपने हाथ में लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया। इस अवसर पर प्रो. एमएस तुरान, डॉ. अमन वशिष्ठ, डॉ. अमरजीत कौर, डॉ. अशोक खन्ना, डॉ. राकेश कुमार योगी, डॉ. विजय मेहता, डॉ. नवीन गोयल, डॉ. वंदना हांडा, डॉ. शुभम गांधी, डॉ. सुमन वशिष्ठ, डॉ. एकता, डॉ. सीमा महलावत, डॉ. नीलम वशिष्ठ, डॉ. फलक खन्ना आदि मौजूद रहे।

1971 युद्ध के नायकों के बलिदान को किया नमन

गुरुग्राम में मनाई गई विजय दिवस की 50वीं वर्षगांठ

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सिविल लाइन स्थित स्वतंत्रता सेनानी हॉल परिसर में शहीद स्मारक पर 1971 युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि देते प्रशासनिक और सैन्य अधिकारी, कर्मचारी।

1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध के 50 साल पूर्ण होने पर गुरुवार को विजय दिवस मनाया गया। जिला प्रशासन की ओर से वीर शहीदों को उपायुक्त डॉ. यश गर्ग ने नमन किया।

यहां सिविल लाइन स्थित स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद् भवन के परिसर में शहीद स्मारक पर जिला प्रशासन व जिला सैनिक बोर्ड के अधिकारियों ने उपायुक्त के साथ 1971 के भारत-पाक युद्ध के वीर शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पुलिस के जवानों ने युद्ध स्मारक पर ही शहीदों की शहादत को नमन किया और शस्त्र झुकाकर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उपायुक्त डॉ. यश गर्ग ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित करते हुए कहा कि आज का दिन भारतीय सेना के अदम्य साहस, वीरता, शौर्य व बलिदान के लिए याद किया जाता है।

वैश्विक इतिहास में दुश्मन सेना को इतनी बड़ी संख्या में सशस्त्र आत्मसमर्पण करवाने का गौरव भारत के वीर सैनिकों के नाम दर्ज है। देश की यह ऐतिहासिक जीत आज भी हर देशवासी के मन को उमंग से भर देती है। उन्होंने कहा कि इस बीच हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि 1971 के युद्ध में भारतीय सैनिकों ने बड़े पैमाने पर कुर्बानियां दी थी। हम सभी को देश की आन पर अपनी शहादत देने वाले वीर बलिदानियों सहित उनके परिवारों को भी नमन कर यह संकल्प लेना चाहिए देश की एकता एवं अखंडता को अक्षुण रखने के लिए हम सभी अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देंगे।

इस अवसर पर जिला सैनिक बोर्ड के सचिव कर्नल (रि.) अमन यादव, कर्नल (रि.) कंवर भारद्वाज, संतपाल, आरके शर्मा, कैप्टन (रि.) रविंदर सिंह व प्रमोद कुमार, ऑर्डनरी कैप्टन ओमप्रकाश, पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश यादव, सूबेदार (रि.) कंवर सिंह, रमेश व बलजीत आदि उपस्थित रहे।

भारत में लॉन्च हुई किया की कारेन्स कार

गुरुग्राम में किया गया वर्ल्ड प्रीमियर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में किया कार का नया माडल लांच करते किया कारपोरेशन के प्रेसिडेंट और सीईओ हो सुंग सॉन्ग, किया इंडिया के एमडी ताय जिन पार्क व अन्य अधिकारी।

किआ कॉरपोरेशन ने गुरुग्राम में वर्ल्ड प्रीमियर इवेंट के दौरान गुरुवार को भारत में किया कैरेंस को लॉन्च किया। यह रिक्रिएशनल व्हीकल (आरवी) किआ की ओर से पेश किया गया भारत में निर्मित एक वैश्विक उत्पाद है।

भारत में पहली बार कार के सभी ट्रिम्स में हाई-सिक्योर सेफ्टी पैकेज को स्टैंडर्ड फीचर के रूप में दिया गया है, जिसमें छह एयरबैग शामिल हैं।

किआ कॉरपोरेशन के प्रेसिडेंट और सीईओ हो सुंग सोंग ने कहा कि अपने बोल्ड डिजाइन, हाई-टेक फीचर्स और उद्योग की अग्रणी सुरक्षा प्रणालियों के साथ किआ कैरेंस फैमिली व्हीकल के लिए पूरी तरह से नया सेगमेंट और उद्योग में बेंचमार्क बनाने के लिए तैयार है। भारत में कैरेंस लॉन्च करने को लेकर किआ विशेष रूप से सम्मानित महसूस कर रही है, जहां नए विचार और इनोवेशन आकार ले रहे हैं। हमें विश्वास है कि किआ कैरेंस आधुनिक परिवारों को उनके रोजाना की ड्राइविंग के साथ ही फैमिली के साथ लॉन्ग ड्राइव में सार्थक अनुभव देगी।

किआ इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ ताए-जिन पार्क ने कहा कि यह एक सुरक्षित कार है, फीचर्स से लैस है। इसके डिज़ाइन में कलात्मकता है, और यह उत्तम दर्जे का आराम देती है। इसमें वह सब कुछ है जो एक आधुनिक भारतीय परिवार अपने वाहन में चाहता है। किआ कैरेंस भारत के साथ-साथ चुनिंदा बाजारों में 2022 की पहली तिमाही से उपलब्ध होगी

नगर परिषद के आम चुनाव में मतदान केन्द्रों की संख्या 44 होगी

सोहना। नगर परिषद के होने वाले आम चुनाव में बूथ केन्द्रों की संख्या 42 से 44 होंगी। रायसीना और रायपुर में एक-एक पोलिंग बूथ बनाया जाएगा। जिसको लेकर नगर परिषद की टीम ने तैयारी शुरू कर दी है।

नगर परिषद के होने वाले आम चुनाव की गतिविधियां धीरे-धीरे गति पकड़ने लगी हैं। आम चुनाव जल्द से कराए जा सकें इसके लिए नगर परिषद की टीम ने गुरुवार को परिषद के सभी 21 वार्डों में बने 42 मतदान केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। वार्ड नंबर एक के गांव रायसीना और वार्ड-11 के गांव रायपुर में एक-एक नया मतदान केन्द्र बनाया जाएगा। नगर परिषद के इंजीनियर सुशील ठाकरान ने बताया कि चुनाव आयोग के आदेशानुसार परिषद सीमा में बने मतदान केन्द्रों पर सभी प्रकार की तैयारियों को बारीकी से देखा जा रहा है।

प्लेटिनम इवारा ने अपने व्यक्तित्व की खुशी मनाने के लिए अपना लेटेस्ट कलेक्शन इवारा प्रस्तुत किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आज की युवा महिलाओं को अपने व्यक्तित्व के अनुरूप ढलने और नारीत्व की अपनी अद्वितीय अभिव्यक्ति करने का साहस है। वो नारी के रूप में अपना महत्व साबित करने का संघर्ष नहीं कर रहीं, बल्कि आत्मविश्वास के साथ अपना स्थान ग्रहण करती हैं। वो अपनी अंदरूनी क्षमताओं व गुणों के द्वारा अपने ज्ञान की अभिव्यक्ति करती हैं। वो अपनी खुद की सफलता व जीत का मार्ग तय करती हैं। वो लेडीज फर्स्ट की परिभाषा में खुद को परिभाषित नहीं करतीं, बल्कि वो एक अलग व्यक्तित्व हैं और हर गुण में निपुण हैं, जो उन्हें अद्वितीय बनाता है। आज की युवा महिलाओं को अपने नारीत्व के विभिन्न रूपों पर गर्व है। वो अपनी इस गतिशील पहचान की खोज व अभिव्यक्ति करती हैं और उनके अनूठे व्यक्तित्व को परिलक्षित करने वाले बहुमूल्य व अद्वितीय मैटल के साथ अपनी पहचान को सम्मानित करती हैं। दुर्लभ मैटल प्लेटिनम का स्रोत अंतरिक्ष है। यह अपनी तरह की अनूठी महिला के अनेक रूपों के अनुरूप है और विविध गुणों को प्रतिबिंबित करता है, जो मिलकर उसे परिभाषित करते हैं।

लाखों साल पहले एक उल्कापिंड ने पृथ्वी से पर एक बहुमूल्य व्हाईट मैटल के अवशेष छोड़े। यह बहुमूल्य मैटल गोल्ड के मुकाबले 30 गुना ज्यादा दुर्लभ है। यह अपनी प्राकृतिक व्हाईट चमक कभी नहीं खोता। सुपरनोवा की कॉस्मिक घटना से प्रेरित प्लेटिनम के दृढ़ता, शक्ति, मजबूती, दुर्लभता, और शुद्धता के गुण आधुनिक और प्रगतिशील मूल्यों को प्रदर्शित करते हैं, जो अपने खुद के बल पर आगे बढ़ने वाली महत्वाकांक्षी युवा महिलाओं के गुण हैं। इस सीजन प्लेटिनम इवारा ने अपना नया, सेलेस्शियल-इंस्पायर्ड कलेक्शन आज की युवा महिलाओं की अदम्य भावना के सम्मान में प्रस्तुत किया है। जब ज्यादातर लोग अपनी पहचान बनाने का संघर्ष कर रहे हैं, तो इन महिलाओं ने आत्मविश्वास व दृढ़ता से अपने व्यक्तित्व का हर गुण अपनाया है और दुनिया को दिखा दिया है कि एक निडर एवं उत्तम महिला होने का क्या अर्थ है।

ज्वेलरी उनकी गतिमान नारीत्व की अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वो अपने विकल्पों द्वारा अपना व्यक्तित्व खोजती व प्रदर्शित करती हैं। इससे नारीत्व में उनका गर्व बढ़ता है। यह उनका, उनकी भावनाओं का और उनकी अभिव्यक्ति का अंतरंग है। यह स्टाईल, जश्न, अंतरंगता, मनोरंजन व व्यक्तिगत है। प्लेटिनम इवारा का लेटेस्ट कलेक्शन सितारों में जन्मे मैटल से बनाया गया है, जो इन भावनाओं को प्रतिध्वनित करता है। यह इन युवा प्रेरणाप्रद महिलाओं को नारीत्व की भावना अपने शुद्धतम व अटल रूप में अपनाने में समर्थ बनाता है। इस लेटेस्ट कलेक्शन के सपनों के पैटर्न, मोबियस लूप एवं ग्रूव इस बात का प्रतीक हैं कि आज की महिलाएं जिन चीजों को चाहती हैं, उनसे कितनी दृढ़ता से जुड़ी रहती हैं। बिखरते, बंटते और विस्तृत पैटर्न प्रदर्शित करते हैं कि वो किस प्रकार अपने मौलिक स्वरूप के अपनाती हैं।

आयुष विभाग महीना में दो चिकित्सा शिविर लगाएगा

सोहना। आयुष विभाग अब लोगों को उपचार के क्षेत्र में आयुष चिकित्सा प्रणाली से जोड़ने के लिए हर माह गांव-गांव जाकर शिविर लगाएगा। ताकि अंग्रेजी चिकित्सा प्रणाली से मोह भंग लोगों को आयुष प्राणी से जोड़ते हुए उनका उपचार किया जा सके।

सोहना के गांव बालूदा में आयुष विभाग द्वारा लगाया गया स्वास्थ्य शिविर।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में तेजी से अपने पैर पसार रहा आयुष विभाग भी अब आम लोगों को चिकित्सा से जोड़ने के लिए जागरूक करेगा। आयुष विभाग ने अब सोहना नागरिक अस्पताल से 5 किलोमीटर की दूरी में आने वाले करीब दर्जनभर गांवों समेत 40 हजार की आबादी वाले सोहना शहर के वार्डों में हर माह दो शिविर लगाएगा। जिसकी शुरुआत गांव बालूदा के राधा कृष्ण मंदिर में पहला शिविर लगाते हुए की। जहां पर पहले शिविर में गांव के 100 लोगों ने अपना पंजीकरण करते हुए आयुष प्रणाली से चिकित्सा सुविधा ली। 100 रोगियों में सबसे ज्यादा सांस (दमा) और इसके अलावा जुखाम, बुखार, खॉसी के रोगी मिले। सभी रोगियों के स्वास्थ्य की जांच करने के बाद दवाइयां दी गई।

क्या कहते हैं अधिकरी

नागरिक अस्पताल में आयुष विभाग के प्रभारी डॉक्टर कुलभूषण ने बताया कि शिविर को विभाग के डीजी के आदेश पर लगाया गया है। जिसका उद्देश्य आयुष विभाग का उपचार बिना चिड़फाड़ और टांके वाला होता है। जिसमें कैंसर तक के रोग का उपचार दिया जा रहा है। लोगों को आयुष पद्धति से जोड़ते हुए उन्हें सही समय पर बीमारी से मुक्ति दिलाना है। ऐसे निराश रोगियों को उपचार आयुष पद्धति से देकर विश्वास जगाना है।

विद्याज्ञान ने अपने 2022-23 शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश की घोषणा की

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

स्कूल में कक्षा छह और सात में छात्रों का दाखिला होगा

प्रवेश फॉर्म 16 दिसंबर 2021 से नि:शुल्क उपलब्ध होंगे

उत्तर प्रदेश के मेधावी, आर्थिक रूप से पिछड़े ग्रामीण छात्रों को सर्वोत्तम शैक्षिक अवसर देने के लिए विद्याज्ञान लीडरशिप अकादमी अपने शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए प्रवेश प्रक्रिया की शुरुआत 16 दिसंबर 2021 से कर रही है जिसका प्रवेश फॉर्म नि:शुल्क उपलब्ध होगा। विद्याज्ञान, जो कि शिव नादर फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित एक नि:शुल्क आवासीय विद्यालय है, बुलंदशहर और सीतापुर के अपने दो परिसरों में कक्षा 6 और 7 में पढ़ने के लिए छात्रों का चयन करेगा। किसी भी जानकारी के लिए, आवेदक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-102-1784 पर कॉल कर सकते हैं।

इन स्थानों पर आवेदन पत्र 16 दिसंबर, 2021 से नि:शुल्क उपलब्ध होंगे :

- जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
- जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं प्रखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय
- यूपी में सभी सरकारी और मान्यता प्राप्त प्राथमिक विद्यालय
- विद्याज्ञान वेबसाइट- http://www.vidya.in/admissions/

पात्रता मापदंड:

- छात्रों को ग्रामीण, निम्न-आय वाले परिवारों से संबंधित होना चाहिए (जिनकी संयुक्त पारिवारिक आय 1 लाख रुपये प्रति वर्ष से अधिक नहीं है)।
- ग्रेड VI और ग्रेड VII में प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए, छात्र को ग्रामीण स्कूल में क्रमश: ग्रेड VU और VIIU का छात्र होना अनिवार्य है।
- लड़कियों की उम्र: और ग्रेड VIU के लिए न्यूनतम 10 वर्ष और अधिकतम 12 वर्ष और ग्रेड VIIU के लिए 14 वर्ष या उससे कम
- लड़कों की उम्र: व ग्रेड VI के लिए न्यूनतम 11 और अधिकतम 12 वर्ष और ग्रेड VII के लिए न्यूनतम 11 वर्ष और अधिकतम 13 वर्ष

तीन चरणों की प्रवेश प्रक्रिया निम्न प्रकार से होगी :

- मार्च 2022 में यूपी के सभी जिलों में प्रारंभिक लिखित परीक्षा (ऑफलाइन)
- प्रारंभिक दौर में चुने गए बच्चों के लिए लिखित परीक्षा
- चयनित छात्रों और उनके परिवारों के साथ बातचीत

2009 में स्थापित, विद्याज्ञान ने पिछले एक दशक में कई छात्रों और उनके परिवारों के जीवन को बदल दिया है। विद्याज्ञान 2021 बैच के मनु चौहान ने 100: छात्रवृत्ति पर, दुनिया के शीर्ष तीन विश्वविद्यालयों में से एक, अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में प्रवेश प्राप्त किया है। विद्याज्ञान 2017 बैच के सचिन अग्रवाल ने अपने पहले प्रयास में प्रतिष्ठित यूपीएससी परीक्षा पास की और जल्द ही सेवा में शामिल होंगे।

अग्निकांड से पीड़ित रोहिंग्याओं की होगी हर संभव मदद

आग में 32 झुग्गियों के राख होने से 102 से अधिक लोग हुए प्रभावित

एसडीएम सलोनी शर्मा ने सभी रोहिंग्या परिवारों को 15 दिनों का सूखा राशन बांटा

कुछ जरूरी दस्तावेजों के आग की भेंट चढ़े हैं तो एक्शन एड संस्था करेगी मदद

शॉर्ट सर्किट के कारणों से रोहिंग्या परिवार की खाक हुई झुग्गियां। दूसरे चित्र में दिख रही हैं रोहिंग्या परिवार से मिलने पहुंचीं एसडीएम सलोनी शर्मा।

रिजवान कासिम। मेवात

आगजनी की घटना के पीड़ित परिवारों की जिला प्रशासन हर संभव मदद करेगा। न केवल उनके रहने व खाने का पुख्ता इंतजाम किया जाएगा, बल्कि उनके जीवन को पटरी पर लाने के लिए उनकी झुग्गियों को नए सिरे से बनाने सहित जो भी मदद होगी। जिला प्रशासन करने से पीछे नहीं हटेगा। ये बातें उपायुक्त शक्ति सिंह ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही।

उपायुक्त शक्ति सिंह ने कहा कि बुधवार की शाम शार्ट सर्किट की वजह से फिरोजपुर नमक-चंदेनी मार्ग पर कई सालों से रह रहे रोहिंग्या परिवार की झुग्गियों में आग लग गई। आग की इस घटना में तकरीबन 32 झुग्गियों जलकर राख हो गई, जिनमें 102 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। उपायुक्त शक्ति सिंह ने कहा की एसडीएम सलोनी शर्मा ने सभी रोहिंग्या पीड़ित परिवारों को तकरीबन 15 दिनों का सूखा राशन व हाइजीन किट गुरुवार को वितरण किया। इसके अलावा आग की घटना के बाद देर रात इन परिवारों की मदद के लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों के सहयोग से जिला रेडक्रास सोसाइटी ने कंबल-गद्दे इत्यादि का इंतजाम फिरोजपुर नमक सरकारी स्कूल के भवन में कराया। लेकिन कुछ घंटे बाद रोहिंग्या परिवारों के आग्रह पर उन्हें फिर से जलने से बच गई अन्य झुग्गियों में शिफ्ट कराया गया। खास बात यह रही की आगजनी की घटना के बाद पीड़ित परिवारों को जिला प्रशासन के साथ-साथ आसपास के गांव के लोगों ने रहने व खाने के लिए जो मदद की उसका जिला प्रशासन अब कायल हो चुका है। उपायुक्त ने कहा कि सुबह रोहिंग्या परिवारों को जिला प्रशासन की देखरेख में नाश्ता कराया गया। इसके अलावा आगे भी उनके खानपान, रहन-सहन व गर्म कपड़ों का इंतजाम जिला प्रशासन करेगा। डीसी नूंह ने कहा कि सामान के साथ-साथ अगर कुछ जरूरी दस्तावेज रोहिंग्या परिवारों के आग की भेंट चढ़े हैं, तो उनकी मदद के लिए एक्शन एड संस्था पूरा विवरण रखती है। उनकी मदद भी ली जाएगी। लेकिन किसी भी रोहिंग्या परिवार को किसी परेशानी का सामना नहीं करने दिया जाएगा।

लाखों रुपये का सामान जरूर जला मगर जनहानि नहीं हुई

उपायुक्त ने कहा की बुधवार देर शाम जैसे ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को रोहिंग्याओं की झुग्गियों में आगजनी की घटना का पता चला तो, ना केवल दमकल की गाड़ियों को आनन-फानन में आग बुझाने के लिए भेजा गया। बल्कि अधिकारियों ने तुरंत पहुंचकर राहत व बचाव का कार्य शुरू कराया। उन्होंने कहा कि यह राहत भरी खबर है कि इस घटना में किसी की जान नहीं गई है, लेकिन लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया।

सात समुंदर पार बर्मा से किया था भारत की ओर रुख

जिला प्रशासन के अधिकारी लगातार रोहिंग्या परिवारों के मदद के साथ-साथ निगरानी कर रहे हैं। जिला प्रशासन व स्थानीय नागरिकों की मदद को देखते हुए कई सालों से नूंह जिले में रह रहे रोहिंग्या परिवारों ने मुसीबत के समय में सभी का आभार जताते हुए कहा की सात समुंदर पार बर्मा देश में जब हालात अच्छे नहीं थे, तब उन्होंने भारत देश का रुख किया था।

रोहिंग्या परिवारों को भविष्य में दिक्कत आने नहीं देंगे : एसडीएम

सलोनी शर्मा एसडीएम ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि जिला प्रशासन रोहिंग्या परिवारों के इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है। न केवल सूखे राशन बल्कि हाइजीन किट भी 15 दिन के लिए पीड़ित परिवारों को दी गई हैं। नाश्ता कराने के साथ-साथ खाने व रहने का भी पुख्ता प्रबंध किया जा रहा है। प्रशासन की टीम लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है।

एचटेट: नकल मुक्त परीक्षा को पांच मजिस्ट्रेट नियुक्त किए

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

जिलाधीश कैप्टन शक्ति सिंह ने द कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसिजर 1973 की धारा 144 के तहत प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए जिला की राजस्व सीमा में स्थित एचटेट परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। प्रशासन की ओर से नकल रहित परीक्षा करवाने के लिए 5 डयूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं।

जिलाधीश कैप्टन शक्ति सिंह ने कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा 18 व 19 दिसंबर को हरियाणा टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (एचटेट) का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए जिला में 5 शिक्षण संस्थानों में 5 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। एचटेट परीक्षा को नकल रहित व पारदर्शी परीक्षा के आयोजन व परीक्षा केंद्रों में अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगाने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर की परिधि में धारा 144 लागू की है। जिलाधीश द्वारा जारी आदेशों में कहा है कि कोई भी व्यक्ति घातक हथियार, आग्नेय अस्त्र विस्फोटक सामग्री के साथ-साथ तलवार, भाला, बरछा, चाकू व लाठी आदि हथियार लेकर नहीं चल सकता। जारी आदेशों के तहत परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर की परिधि में पांच या इससे अधिक व्यक्ति एकत्रित होने पर पाबंदी रहेगी।

मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना से जरूरतमंदों को मिलेगा सीधा लाभ: एडीजीपी

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

पुन्हाना खण्ड में हुआ मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना मेले का आयोजन

पहले चरण में एक लाख रुपये तक की वार्षिक आय के परिवारों को आय दोगुनी होगी

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बढ़ते कदम में मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना अहम है। अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के प्रभावी रूप से क्रियांवयन के लिए अंत्योदय मेलों का आयोजन कर लाभपात्रों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से सीधे तौर पर लाभांवित किया जा रहा है।

एडीजीपी डा. सीएस राव ने वीरवार को खण्ड पुन्हाना में आजादी अमृत महोत्सव की श्रृंखला में मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत आयोजित अंत्योदय मेले के दौरान संबंधित विभागों की योजनाओं की स्टॉल का अवलोकन कर रहे थे। डा. सीएस राव ने एसडीएम मनीषा शर्मा के साथ योजना के लाभपात्रों से भी बातचीत की और उन्हें सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विभागीय स्तर पर प्रदत्त सेवाओं को तत्परता से सरल तरीके से योजना का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सरकार अपना योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्टार्ट अप योजना के माध्यम से लघु व्यवसाय शुरू करने के लिए बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराए जाते हैं। इसी तर्ज पर हरियाणा में भी मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में गरीब परिवारों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना लागू की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य अंत्योदय है। यह योजना गरीब उत्थान में मील का पत्थर साबित होगी। एडीजीपी ने कहा कि इस योजना के तहत उन परिवारों को शामिल किया गया है जिनकी वार्षिक आय एक लाख रुपए से कम हैं और उनकी आय को एक लाख 80 हजार रुपये तक पहुंचाना लक्ष्य रहेगा। अंत्यादेय मेले में एसडीएम मनीषा शर्मा ने बताया कि इस योजना का लक्ष्य पंक्ति में खड़े अंतिम परिवार को आगे लाना है इसके लिए विभिन्न योजनाएं चिन्हित की गई हैं जो इन परिवारों की आमदनी बढ़ाने में मददगार होंगी।

पाइप लाइन चोरी करता एक दबोचा

सेनायत खां। फिरोजपुर झिरका

खंड के गांव घाटा शमशाबाद में लगभग रात्रि 2:30 बजे ट्रक लगाकर रेनीवेल परियोजना के तहत गांव में डाली जा रही, डीआई पानी की पाइप लाइन को चोरी करते एक युवक को पुलिस की सहायता से ग्रामीणों ने धर दबोचा। जबकि 4-5 अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जेई जावेद अहमद की शिकायत पर स्थानीय थाना प्रबंधक ने मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में कनिष्ठ अभियंता जावेद ने बताया कि गत रात्रि लगभग 2:30 बजे एक ट्रक लगाकर कुछ लोग घाटा शमशाबाद में मुबारिक के घर के पास डेढ़ सौ एमएम की पाइप लाइन को ट्रक में भरने का कार्य कर रहे थे। पास रहने वाले मुबारक की नींद अचानक खुल गई । उसने उन लोगों से पाइप को ले जाने का कारण पूछा, पाइप ले जाने वाले लोगों में से एक ने बताया कि पाइपों को गांव महावली में दूसरी साइट पर ले जा रहे हैं। ठेकेदार ने बोला है। जिस पर मुबारिक को शक हुआ। मुबारक ने तुरंत ठेकेदार को फोन कर इस बारे में जानकारी दी। ठेकेदार ने तुरंत लोगों को पाइप ले जाने से रोकने के लिए कहा और यह भी कहा कि यह और उसके आदमी नहीं हैं। यह पाइप चोरी कर रहे हैं। मुबारक ने तुरंत 112 नंबर पर कॉल कर मौके पर पुलिस को बुला लिया। पुलिस को आता देख लगभग पांच लोग मौके ट्रक को छोड़कर मौके से फरार हो गए जबकि एक को पकड़ने में पुलिस कामयाब हो गई। पकड़े गए आरोपी की पहचान यश पुत्र राजू निवासी शथाना जिला हाथरस यूपी के रूप में हुई है।

पुलिस ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एसडीओ की शिकायत एक व्यक्ति और अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने मौके से ट्रक और पाइप लाइन को भी बरामद कर लिया है।

सुरेंद्र कुमार, सब इंस्पेक्टर
जांच अधिकारी, थाना फिरोजपुर झिरका।

शिक्षा सुधार को संस्थानों की बैठक ली

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी डॉ. अब्दुल रहमान और जिला विज्ञान विशेषज्ञ कुसुम मलिक की अध्यक्षता में राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय, नूंह में सभी एनजीओ की रिव्यू मीटिंग हुई। मीटिंग में पीरामल फाउंडेशन के प्रोग्राम मैनेजर मुफीद अहमद को जिले में बतौर नोडल एनजीओ के प्रतिनिधि नियुक्त किया गया। जो इन सभी को सहयोग और सहायता प्रदान करेंगे।

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि 112 जिलों में नीति आयोग द्वारा चलाए जा रहे आकांक्षी जिला सहभागिता कार्यक्रम के तहत जिले में 4एस पर विशेष ध्यान देने का लक्ष्य रखा गया है ताकि जिले की रैंकिंग को ऊपर लाया जा सके। शिक्षा और स्वास्थ्य रैंकिंग में मुख्य भूमिका में हैं। इन सभी संगठनों को साथ मिलकर इन चार विषयों पर काम करने के लिए कहा गया और जिले में इनके स्तर को बढ़ाने के लिए योजनाओं को बनाया गया। जो संगठन ब्लॉक में काम कर रहे हैं, वो ब्लॉक अनुसार और जिले में काम कर रहे संगठन जिला अनुसार अधिकारियों के सहयोग से काम करें।

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी डॉ. अब्दुल रहमान व जिला विज्ञान विशेषज्ञ कुसुम मलिक एनजीओ के साथ समीक्षा बैठक करते हुए।

पंचायत में आरोपी पक्ष के परिजनों के न पहुंचने से नहीं हो सका कोई फैसला

बिजली कर्मियों से मारपीट मामले को निपटाने के लिए हुआ था पंचायत का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

उपमंडल के गांव बेरी में बिजली कर्मचारियों के साथ मारपीट मामले को सुलझाने के लिए नगर स्थित निगम के सब डिवीजन कार्यालय में एक पंचायत का आयोजन किया गया, लेकिन पंचायत में आरोपी पक्ष के सदस्यों के नहीं पहुंचने के कारण पंचायत में कोई निर्णय नहीं हो पाया। अब आगामी मंगलवार को दोबारा पंचायत का आयोजन होगा। पंचायत में जहां तावडू चौरासी के गणमान्य लोग मौजूद रहे। वहीं बिजली विभाग संगठनों के बड़े नेता व भारी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

पंचायत में आरोपी पक्ष के सदस्यों के उपस्थित नहीं होने को लेकर बिजली संगठन के नेताओं ने नाराजगी जाहिर करते हुए आगामी मंगलवार को होने वाली पंचायत में आरोपी पक्ष के सदस्यों के उपस्थित रहने को कहा। एएचपीसी वर्कर्स यूनियन के राज्य कमेटी के पूर्व चेयरमैन एंवम सेवानिवृत कनिष्ठ अभियंता व किसान नेता देवी सिंह पवार ने पंचायत में पीड़ित बिजली कर्मचारियों का पक्ष रखते हुए कहा कि कर्मचारियों के साथ मारपीट की घटना बहुत ही निंदनीय है। समाज के गणमान्य लोगों को भी ऐसे शरारती तत्वों का बचाव करने के बजाए उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई के लिए आगे आना चाहिए। ताकि इस तरह की घटनाओं पर लगाम लग सके। उन्होंने आरोपी पक्ष के सदस्यों के पंचायत में नहीं पहुंचने पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि आगामी मंगलवार को होने वाली पंचायत में जेल में बंद आरोपी पक्ष के परिजन व फरार चल रहे आरोपी स्वयं उपस्थित रहें। ताकि पंचायत कोई फैसला ले सके। अन्य कर्मचारी नेताओं ने भी पंचायत में बोलते हुए कहा कि बेरी घटना के बाद भी कर्मचारियों के साथ मारपीट के मामले बजाए थमने के बढ़ते ही जा रहे हैं, जो चिंता का विषय है।

बेरी की घटना के बाद गांव कलियाकी व सबरस में ग्रामीणों द्वारा कर्मचारियों के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया जा चुका है। जिसे बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पंचायत में बिजली कर्मचारी नेताओं का साफ कहना था कि जब तक लाइनमैन का हाथ तोड़ने वाला मुख्य आरोपी सहित फरार चल रहे आरोपी पंचायत में हाजिर होकर अपनी गलती का एहसास नहीं करेंगे।

पंचायत को संबोधित करते हुए कर्मचारी नेता देवीसिंह पंवार।

ऐसी घटनाएं रोकने को फैलाएंगे जागरुकता

पंचायत में आए गणमान्य लोगों ने पंचायत में घटना को लेकर अफसोस जताया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के साथ इस तरह की घटना बेहद शर्मनाक है। आगे से इस तरह की कोई घटना दोबारा न घटे इसे लेकर वह लोगों में जागरुकता फैलाने का काम अवश्य करेंगे।

ये है पूर्व की घटना का मामला

बता दें कि 23 अक्टूबर को गांव बेरी में बिजली चोरी पकड़ने गई टीम के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया था। झगड़े में एक कर्मचारी का हाथ तोड़ दिया गया था। जबकि कई घायल हो गए थे। इस मामले में 8 नामजद लोगों के अलावा अन्य के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया था। नामजद आरोपियों में चार को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि चार अभी भी फरार चल रहे है।

महताब अहमद ने किया दर्जनों गांवों का दौरा

दीपक कुमार। नूंह

विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम का दिया न्यौता

नूंह विधायक व सीएलपी उप नेता चौधरी आफताब अहमद जहां विधानसभा सत्र में हिस्सा लेने चंडीगढ़ में हैं तो उनके अनुज पीसीसी सदस्य चौधरी महताब अहमद 26 दिसंबर को कांग्रेस विधायक दल नेता पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा के विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सर्दी में पसीना बहा रहे हैं।

पीसीसी सदस्य चौधरी महताब अहमद बुधवार और बृहस्पतिवार को नूंह विधानसभा के बड़का अलीमुद्दीन, कौराली, गजरपुर, खोड बसई, महरोला, रोजका मेव, रीठोड़ा, बड़वा, नवाब गढ़, बाई का डंडा सहित दर्जनों गांवों का दौरा किया और विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम में भारी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। महताब अहमद ने कहा कि सोनिया गांधी व भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मेवात को ऐतिहासिक सौगातें दी हैं, जिससे मेवात का विकास हुआ है। उन्होंने ने कहा कि कांग्रेस ने मेवात को विकास दिया, जबकि बीजेपी सरकार ने सिर्फ बदनामी दी। उन्होंने कहा कि पूर्व की कांग्रेस की हुड्डा सरकार ने मेवात को राजीव गांधी पेयजल योजना, शहीद हसन खान मेवाती मेडीकल कॉलेज, गुड़गांव अलवर मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा देना, मेवात कैडर का गठन, कोटला झील, आरोही मॉडल स्कूल, कई बहु तकनीकी संस्थान, कई आईटीआई, बाइट और डाइट संस्थान, आईएमटी मेवात जैसी परियोजना दी। वहीं बीजेपी ने कांग्रेस की कई बड़ी परियोजनाओं को जान बूझकर रोक रखा है, जैसे सालाहेडी केंद्रीय विद्यालय, छपेडा ड्राइविंग एंड ट्रेनिंग स्कूल, नूंह से अलवर फोर लेन, मेडीकल डेंटल कॉलेज आदि को रोक रखा है।

महताब अहमद ने बताया कि विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा दो दर्जन विधायकों से अधिक के साथ मेवात की समस्याओं को सुनने आ रहे हैं, फिर उन्हें विधानसभा में उठाया जायगा। कांग्रेस सरकार बनने पर उन मांगों को लागू किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

एसएचकेएम में हुआ ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन

नूंह। शहीद हसन खान मेवाती (एसएचकेएम) सरकारी मेडिकल कॉलेज में कॉन्टिनेंटल इंडिया ने एक वर्चुअल मीटिंग के दौरान अपने पीएसए ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट की स्थापना पूरी की। यह उद्घाटन समारोह सुनील कक्कड़, सीनियर एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सप्लाई चेन, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, प्रशांत डोरेस्वामी, कंट्री हेड, कॉन्टिनेंटल इंडिया और डॉ. पवन गोयल, ओफ्फिसिएटिंग डायरेक्टर, एसएचकेएम गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, मेवात की उपस्थिति में हुआ। उद्घाटन के अवसर पर प्रशांत डोरेस्वामी, कंट्री हेड कॉन्टिनेंटल इंडिया और मैनेजिंग डायरेक्टर कॉन्टिनेंटल ऑटोमोटिव इंडिया ने कहा, कॉन्टिनेंटल ने हमेशा कर्मचारियों और समुदाय के प्रति सचेत प्रयास किए हैं। महामारी के दौरान, कोविड-19 की लहरों से लड़ने के लिए हमने भारत की तत्परता में योगदान किया है, जिसमें देश की कई शहरों में पीएसए ऑक्सीजन उत्पादन प्लांट की स्थापना शामिल है। मेवात एक विकासशील क्षेत्र है और इस पहल के माध्यम से, भविष्य में आनेवाली, किसी भी चुनौती (जहां ऑक्सीजन जनरेटर की अधिक आवश्यकता हो सकती है) से लड़ने के लिए हम इस क्षेत्र की मदद करने की योजना बना रहे हैं।

सफाई कर रही महिला से दबंगों ने की मारपीट

तावडू। उपमंडल के गांव निजामपुर में मकान के बाहर सफाई कर रही एक महिला के साथ दबंगों द्वारा मारपीट करने का मामला सामने आया है। वहीं बचाव में आए परिजनों के साथ भी मारपीट की गई। सदर थाना पुलिस ने मामले में आठ आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। निजामपुर निवासी साहिदा ने बताया कि गांव के ही ताज खा, ईकबाल, तारिफ, रफीक, वसीम, साहिल, जावेद व मोइन ने जानबुझकर उनके मकान के बाहर गंदा पानी एकत्र की हुई है। जिससे उनके घर के सामने अक्सर गंदगी रहती। जिसमें बदबू आती है। आरोप है कि बीते मंगलवार को सवा एक बजे के करीब वह अपने घर के बाहर गंदगी से भरी हुई नाली की सफाई कर रही थी तो इन लोगों ने गाली गलौज और धक्का-मुक्की करते हुए उन्हें वहां से भगा दिया। इसके बाद सभी आरोपी लाठी डंडे से लैस होकर उनके घर पर आए और आते ही उनके साथ मारपीट शुरू दी। वहीं बचाव में आई उसकी पांच माह की गर्भवती देवरानी मुकीदन के पेट में लात मारकर घायल कर दिया। इसी तरह बचाव में आई उनकी ननद के साथ भी सभी हमलावरों ने मारपीट की। वहीं झगड़े का शोर शराबा सुनकर अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे। जिन्होंने किसी तरह से उन्हें हमलावरों से बचाया। झगड़े की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस को देख कर सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में ले जाया गया । साहिदा ने बताया कि आरोपी दबंग व बदमाश प्रवृत्ति के हैं। जो आए दिन इस तरह की घटनाओं को अंजाम देते रहते हैं। सदर थाना पुलिस ने इन सभी आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से दो महिला घायल

तावडू। उपमंडल के सोहना रोड पर लाला होटल के समीप एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से दो महिला घायल हो गई। जिन्हें उपचार के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सदर थाना पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव कारेंडा तहसील तिजारा निवासी साहिब ने बताया कि 13 दिसंबर को गांव पाटूका से चाची जेबुना के साथ अपने गांव आ रहा था। शाम 4:00 बजे के करीब जब वह सोहना रोड पर लाला होटल के पास पहुंचे तो, सामने से मोटरसाइकिल पर उनका चचेरा भाई भाभी बिलकिस को लेकर आ रहा था, जिन्हें देखकर वह वहीं पर रुक गए और सड़क के एक तरफ कच्चे रास्ते पर सभी एक दूसरे से बातचीत करने लगे। तभी सोहना की तरफ से बड़ी तेज गति और लापरवाही से एक ट्रौला ट्रक आया। जिसने उनकी भाभी बिल्कीस और चाची जेबुना को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गई। इस दौरान ट्रक चालक गाड़ी को छोड़कर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को अस्पताल में पहुंचाया। साहिब ने बताया कि चाची जैबूना को ज्यादा चोटें होने के कारण सफदरगंज अस्पताल दिल्ली रैफर कर दिया गया। जहां पर वह अभी भी उपचाराधीन है। उन्होंने बताया कि अब तक वह घायल भाभी और चाची का उपचार कराने में व्यस्त था। सदर थाना पुलिस ने बुधवार देर रात अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

तेज रफ्तार वाहन से युवक की मौत, दो घायल

तावडू। उपमंडल के अंतर्गत सोहना रोड शिकारपुर मोड के नजदीक बुधवार देर शाम एक तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से 18 वर्षीय युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि दो अन्य साथी घायल हो गए। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया है। वहीं अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगामी कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार देर शाम सोहेल(18) पुत्र युसूफ निवासी धुलावट तावडू मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने निजी काम से तावडू शहर आया था। वापस लौटते समय शाम 7:00 बजे के करीब शिकारपुर मोड़ के नजदीक सोहना रोड पर सड़क के एक तरफ कच्चे रास्ते पर खड़ा होकर अपने साथियों से बातचीत कर रहा था। तभी तावडू की तरफ से एक तेज रफ्तार व लापरवाही से एक वाहन आया। जिसने सोहेल को अपनी चपेट में ले लिया। जिसके कारण वह बुरी तरह से जख्मी हो गया और उसने दम तोड़ दिया। वहीं उसके दोनों साथी घायल हो गए। चालक अपने वाहन सहित मौके से फरार हो गया। इस दौरान मौके पर स्थानीय और राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। जिन्होंने पुलिस को सूचित कर घायलों को अस्पताल में पहुंचाया। जांच अधिकारी वेद प्रकाश ने बताया कि मृतक के भाई वकील के बयान पर सदर थाना पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक सोहेल ने निजी काम से फारिग होने के बाद सड़क हादसे में दो घायलों को अस्पताल में पहुंचाया था। जिसके कारण उन्हें देर हो गई थी।

तेज रफ्तार कैंटर की चपेट में आने से व्यक्ति के दोनों पैर टूटे

तावडू। शहर के ढ़ीढारा बाईपास के नजदीक एक तेज रफ्तार कैंटर की चपेट में आने से व्यक्ति के दोनों पैर टूट गए। घायल का उपचार जारी है। घटना के लगभग डेढ़ महीने बाद शहर थाना पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। वार्ड नंबर 7 तावडू निवासी अंकुर गुप्ता ने बताया कि बीते 2 नवंबर सुबह 5:00 बजे के करीब वह अपने पिता विनय गुप्ता के साथ ढ़ीढारा गांव में दूध लेने के लिए पैदल चलकर जा रहे थे। जब वह बाईपास के नजदीक पहुंचे तो तभी तावडू शहर की तरफ से एक तेज रफ्तार कैंटर गाड़ी आई। जिसने उनके पिता को अपनी चपेट में ले लिया। तेज रफ्तार गाड़ी की चपेट में आने से उनके पिता के दोनों पैर टूट गए। घायल पिता को उन्होंने उपचार के लिए गुरुग्राम फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया। अंकुर ने बताया कि अब तक वह पिता का उपचार कराने में व्यस्त था। शहर थाना पुलिस ने डेढ़ महीना बाद बुधवार को अज्ञात कैंटर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

मेवात की खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें
बेदखली सूचना, नाम परिवर्तन, गुमशुदगी, रस्म पगड़ी इत्यादि के विज्ञापन सस्ते दरों पर प्रकाशित करवाने के लिए पायनियर परिवार से जुड़िए
कासिम खान
ब्यूरो प्रमुख (साउथ हरियाणा)
9050976800
9416103259
ओल्ड थाना पिनगवां के सामने मंत्री मार्केट पिनगवां, मेवात।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, जिला- गौतमबुद्ध नगर - 201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक : नवीन उपाध्याय, स्थानीय संपादक : प्रवीण मोहंती। दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

भविष्य की चिंता

तेज टीकाकरण आवश्यक

भारतीय कोविड टास्क फोर्स के प्रमुख वी.के. पाल ने कहा है कि हमारे वैक्सीन प्लेटफार्मों को कोविड-19 के बदलते स्वरूपों के अनुसार स्वयं को तेजी से ढालना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी है कि भविष्य में भारतीय वैक्सीनें निष्प्रभावी भी हो सकती हैं। एक प्रकार से उनका कहना है कि यदि वायरस एक समय में समाप्त न होकर अपना रूप बदल लेता है तो वैक्सीनों की प्रभावशीलता घट सकती है। ऐसी स्थिति में फौरन नई और बेहतर वैक्सीनें खोजना जरूरी हो सकता है जो उभरते स्वरूपों से निपट सकती हों। अब तक आम आदमी की समझ से भारत को वयस्क जनसंख्या के 70 प्रतिशत या उससे अधिक के टीकाकरण की जरूरत है ताकि हर्ड इम्युनिटी प्राप्त हो सके जिससे महामारी पर लगाम लग सके। इसके बाद लोगों को हर साल एक टीके की जरूरत पड़ सकती है। लेकिन अब ओमीक्रान स्वरूप को देखते हुए स्थिति इतनी सरल नहीं रह गई है। यह स्वरूप भले ही डेल्टा या डेल्टा प्लस जितना खतरनाक न हो, पर यह बहुत तेजी से फैलता है। दूसरे, यह स्वरूप ऐसे समय उभरा है जब दुनिया एक और लाकडाउन बर्दाश्त नहीं कर सकती है जिसने अर्थव्यवस्था को बरबाद कर दिया है। इसका अर्थ है कि स्कूलों को खोलना और उनको खुले रखना होगा, अंतरराष्ट्रीय यात्रा पुन: शुरू करनी होगी तथा लोगों को फैक्ट्रियों या कार्यालयों में काम करने से रोका नहीं जाएगा। इसलिए हम स्कूली बच्चों, वृद्ध जनसंख्या, अन्य बीमारियों से ग्रस्त लोगों, यात्रियों तथा भीड़ भरे स्थानों में काम करने वाले लोगों की इम्यूनिटी बढ़ाने के तरीके खोज रहे हैं। इनमें स्वास्थ्यरक्षा, पुलिस, धार्मिक क्षेत्र, शिक्षा, वाणिज्य व बिक्री, परिवहन, विनिर्माण व अतिथि सत्कार क्षेत्र शामिल हैं।

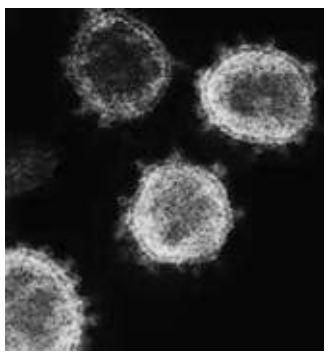

हमारी जनसंख्या के ये हिस्से सर्वाधिक उत्पादक होने के साथ ही वायरस व उसके प्रसार के सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्रोत भी हैं। चाहे कोवैक्सिन या कोवीशील्ड या बूस्टर खूराक हो, सवाल है कि क्या वे वायरस व उसके संक्रमण से इतनी सफलतापूर्वक निपट सकती हैं कि लोग स्वास्थ्य पर जोखिम उठाए बिना आर्थिक गतिविधि में लगे रह सकते हैं? क्या हमारे वैज्ञानिकों को नए स्वरूपों से निपटने के लिए नई वैक्सीनों की खोज करनी चाहिए या भावी वैक्सीनों और बूस्टरों को इस तरह तैयार करना चाहिए कि वे देश में महामारी पर नियंत्रण बनाए रख सकें? लेकिन सवाल यह भी है कि इस प्राथमिकता पर फैसला कौन करेगा? वैज्ञानिकों ने हमें बताया है कि भारत ने इस जून में हर्ड इम्युनिटी प्राप्त कर ली थी जब देश ने महामारी के स्तर पर नियंत्रण प्राप्त कर लिया था और वह नियंत्रण अभी तक बना हुआ है। लेकिन यह स्तर बनाए रखना इस बात पर निर्भर है कि सरकार वायरस पर नियंत्रण के लिए टेस्ट और ट्रेस का कितनी कठोरतापूर्वक पालन करती है। यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि लोग सुरक्षा व्यवहारों का उल्लंघन न करने की क्षमता कहां तक प्रदर्शित करते हैं। ऐसा न होने पर वह स्थिति पैदा हो सकती है जब वायरस के नए स्वरूप के नए व उभरते पाजिटिव मामले किसी दिन इम्युनिटी प्राप्त लोगों की संख्या से अधिक हो सकते हैं।

ऐसा होने पर हर्ड इम्युनिटी वाली सुरक्षा स्थिति टूट सकती है। ऐसे में हमें कोरोनावायरस वैश्विक महामारी की एक और लहर का सामना करना पड़ सकता है। वर्तमान समय में हमारे सामने वैक्सीन प्लेटफार्मों तथा तेजी से प्रतिक्रिया करने वाली वैक्सीनों के विकास में निवेश करने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है। भविष्य में आने वाले अगले वायरस या उसके स्वरूपों से निपटने के लिए ऐसा करना जरूरी होगा।

दीर्घकालीन आपदा प्रबंधन नीति जरूरी

मानव और भौतिक पूंजी दोनों के नुकसान के संदर्भ में बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए एक दीर्घकालिक आपदा प्रबंधन नीति आवश्यक है।

प्रकाश साहू　यशोबंदा परिदा　पार्थना अग्रवाल

पिछले कुछ महीनों में, देश ने विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं जैसे चक्रवात और बाढ़ का सामना किया है और साथ ही साथ कोविड-19 महामारी का भी सामना किया है। एक ओर जहां भारत सरकार कोविड-19 संक्रमण के प्रसार को रोकने और आर्थिक गतिविधियों को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रही है, वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक आपदाएं जैसे चक्रवात और बाढ़ सरकार के वित्तीय बोझ को बढ़ा रही हैं। आबादी के लिए गंभीर स्वास्थ्य खतरे भी पैदा कर रहे हैं। हाल ही में, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और अन्य दक्षिणी राज्यों में मानसून के बाद की बाढ़ ने मानव जीवन और संपत्ति पर कहर बरपाया है, जो राज्यों में एक सतत समस्या बन गई है। लगभग छह वर्षों के बाद, उत्तर-पूर्वी मानसून के नेतृत्व में भारी बारिश ने दक्षिणी भारतीय राज्य तमिलनाडु को प्रभावित किया है, जिससे विनाशकारी बाढ़ आई है और स्थानीय अधिकारियों के अनुसार राज्य भर में 18 लोगों की जान चली गई है। वहीं, आंध्र प्रदेश के कई हिस्से भारी बारिश और बाढ़ की चपेट में आ गए हैं, जिससे फसलों सहित संपत्ति का नुकसान हुआ है और 34 लोगों की मौत हुई है। प्रभावित जिलों से प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, भारी बारिश के साथ बाढ़ से लगभग 1500 घरों को नुकसान पहुंचा है, और अनुमानित फसल नुकसान लगभग रु। आंध्र प्रदेश राज्य भर में 8 लाख हेक्टेयर कृषि और बागवानी फसलों में फैले 3000 करोड़ ने लगभग 58,000 लोगों को निकालने के लिए मजबूर किया।

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 1953 और 2017 के बीच तमिलनाडु में बाढ़ से राज्य को लगभग 27,326 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसमें से सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को 24,061 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, इसके बाद 3,120 करोड़ रुपये की फसल क्षति हुई है। और 145 करोड़ रुपये में घर। इस अवधि के दौरान, 3,705 लोग मारे गए, 56 मिलियन लोग प्रभावित हुए, 2.32 मिलियन हेक्टेयर फसल क्षेत्र तबाह हो गए, और 5.49 मिलियन घर क्षतिग्रस्त हो गए। हर साल, बाढ़ के कारण तमिलनाडु को लगभग 635 करोड़ रुपये का नुकसान होता है, और राज्य में 94.54 करोड़ रुपये की फसल के नुकसान के साथ 81 मौतें होती हैं।

तमिलनाडु में बाढ़, सूखा, बिजली, चक्रवात, ओलावृष्टि और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं आवर्ती घटनाएं हैं। अपनी अनूठी भू-जलवायु परिस्थितियों के कारण, राज्य अपनी अनूठी भू-जलवायु परिस्थितियों के कारण विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है और प्राकृतिक आपदा आवृत्तियों, क्षतियों और मृत्यु दर में वृद्धि देखी गई है। इसके अलावा, उच्च स्तर की सामाजिक आर्थिक भेद्यता, अपर्याप्त शमन उपाय, तेजी से शहरीकरण, और कृषि क्षेत्र पर उच्च निर्भरता ने प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाले नुकसान को और बढ़ा दिया है। मानसून के दौरान लगातार और भारी वर्षा जैसे प्राकृतिक कारकों के अलावा, मानव निर्मित कारकों ने भी तमिलनाडु और पूरे देश में बाढ़ के कारण क्षति को बढ़ाने में योगदान दिया है। अनियोजित विकास, तटवर्ती क्षेत्रों में अतिक्रमण, बाढ़ नियंत्रण प्रणालियों की विफलता, खराब जल निकासी सुविधाएं, वनों की कटाई, और अनियोजित जलाशय संचालन बाढ़ के नुकसान को बढ़ा रहे हैं। नतीजतन, शहरी बाढ़ मानव निर्मित त्रासदी के रूप में प्रकट हो सकती है।

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में चक्रवाती गतिविधि से जुड़ी भारी बारिश के कारण 1943, 1976, 1985, 1998, 2002, 2005 और 2015 में विनाशकारी बाढ़ आई है। 2015 दक्षिण भारत की बाढ़ नवंबर-दिसंबर 2015 में वार्षिक पूर्वोत्तर मानसून द्वारा उत्पन्न भारी वर्षा के परिणामस्वरूप हुई, जिसने दक्षिण भारतीय राज्यों तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के कोरोमंडल तट क्षेत्र को प्रभावित किया। सीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर 2015 में शहर और उसके उपनगरीय इलाकों में आई बाढ़ ने 421 लोगों की जान ले ली और 3.04 मिलियन आबादी प्रभावित हुई। इसके अलावा, 0.38 मिलियन हेक्टेयर फसल तबाह हो गई, और 3.01 मिलियन घर क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे कुल 25,913 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसने सार्वजनिक और निजी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया और कई दिनों तक शहर को ठप कर दिया।

तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के अलावा, बाढ़ भारत के अन्य राज्यों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। सार्वजनिक और निजी संपत्तियों के नुकसान और प्रभावित और मारे गए आबादी के आधार पर, भारत चीन (इमरजेंसी इवेंट्स डेटाबेस (श्वरू-ष्ठ्ठ)) के बाद दुनिया का दूसरा सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित देश है। सीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट के अनुसार, 1953-2017 की अवधि में बाढ़ के कारण 107,535 लोग मारे गए और 2,088 मिलियन लोग प्रभावित हुए। इस अवधि के दौरान, बाढ़ से फसलों, घरों और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे सहित 3,78,247 करोड़ रुपये, फसल को 1,11,225 करोड़ रुपये, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को 2,12,060 करोड़ रुपये और घरों को 53,774 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसके अलावा, हर साल, देश को जीडीपी का लगभग 0.46त्न बाढ़ और सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 0.18त्न (परिदा एट अल।, 2021) के कारण फसलों को नुकसान पहुंचा है। बाढ़ का प्रभाव सरकारी आपदा प्रबंधन गतिविधियों के माध्यम से राज्य सरकार के वित्तीय दबाव को भी बढ़ाता है।

इसके अलावा, लगातार बाढ़ ग्रामीण कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसरों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है, बढ़ती गरीबी, ग्रामीण असमानता और फसल क्षति और आय हानि के कारण भोजन की कमी। इसी तरह, शहर की खराब योजना और बुनियादी ढांचे में निवेश की कमी के कारण शहरी बाढ़ शहर के निवासियों के लिए एक आम खतरा बन गई है। तेजी से शहरीकरण, शहरों और कस्बों में जलमार्गों के मनमाने अतिक्रमण, खराब जल निकासी सुविधाओं और अवैध निर्माण के कारण शहरी बाढ़ बढ़ रही है। इसके अलावा, खराब कचरा प्रबंधन नालों और नहरों को अवरुद्ध करके परेशानी को दूर कर रहा है, जबकि अनियोजित सड़क परियोजनाएं बाढ़ के प्रवाह को कम कर रही हैं। बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए बाढ़ संभावित क्षेत्रों में पर्याप्त आपदा अनुकूलन उपाय और बेहतर आपदा प्रबंधन नीतियां आवश्यक हैं। पहला, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा बाढ़ आपदाओं के दौरान पुनर्वास और निकासी पर अधिक खर्च से बाढ़ से होने वाली मौतों को कम करने में मदद मिलेगी। दूसरा, बेहतर बाढ़ चेतावनी प्रणाली, विशेष रूप से तटीय जिलों में, और वर्षा और बाढ़ का सटीक पूर्वानुमान समय पर उपायों और आपदा प्रभावों को कम करने की अनुमति दे सकता है। तीसरा, बाढ़-पूर्व उपायों जैसे कि नदी तटबंधों का निर्माण और रखरखाव, नहरों, सड़कों, पुलों, नदी संपर्क, और निचले इलाकों में बहुउद्देश्यीय आश्रयों के निर्माण जैसे आपदा-रोधी बुनियादी ढांचे को विकसित करना, बाढ़ से होने वाली मौतों को कम करने में मदद कर सकता है।

अंत में, चूंकि शहरी बाढ़ की समस्या अधिक गंभीर होती जा रही है, और हर साल नुकसान बढ़ रहा है, शहरी बाढ़ के मुद्दे पर शहरी बाढ़ 2010 पर एनडीएमए दिशानिर्देशों के उचित कार्यान्वयन के साथ विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) अधिसूचना जारी की गई 1991, बाद में 2011 और 2019 में संशोधित किया गया, जिसका उद्देश्य तटीय क्षेत्र प्रबंधन मुद्दों को संबोधित करना था। हालांकि, यह वर्षों से तटीय क्षेत्रों में विकास को विनियमित करने में सक्षम नहीं है। इसलिए तटीय शहरों में सीआरजेड मानदंडों का सख्ती से क्रियान्वयन समय की मांग है।

साथ ही, सरकार को प्राकृतिक आपदाओं के प्रभावों, उनके कारणों और शमन उपायों के बारे में व्यापक सामुदायिक जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। इसके अलावा, सरकार को उन्नत तकनीकों का उपयोग करते हुए जिला-वार बाढ़ बाढ़ मानचित्रण भी करना चाहिए और जलमार्गों और जल निकायों के साथ-साथ अतिक्रमण हटाने में सभी विभागों या एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना चाहिए। कुल मिलाकर, मानव और भौतिक पूंजी दोनों के नुकसान के मामले में बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए एक दीर्घकालिक आपदा प्रबंधन नीति आवश्यक है। आपदा जोखिम न्यूनीकरण 2015-30 के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क को प्रभावी ढंग से लागू करने का समय प्राथमिक भूमिका में राज्य के साथ आपदा जोखिम को कम करने और स्थानीय सरकार और निजी क्षेत्र सहित अन्य हितधारकों के साथ साझा जिम्मेदारी पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य विकास लाभ को आपदा के जोखिम से बचाना है।

केरल के राज्यपाल व मुख्यमंत्री में टकराव

जे एस राजपूत

(लेखक शिक्षा एवं सामाजिक सद्भाव हेतु कार्यरत हैं)

केरल के राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खान ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि वे उप-कुलपतियों की नियुक्ति के मामले में कुलपति के विशेषाधिकारों को अपने आधीन कर लें। यह कह कर उन्होंने बड़ा धमाका किया है। आरिफ मुहम्मद खान को संवैधानिक निष्ठा में कठोरता से विश्वास करने वाला व्यक्ति माना जाता है। इसे देखते हुए उनकी स्थिति उन लोगों के बीच वास्तव में परेशानी से भरी हो सकती है जो वैचारिक रूप से लोकतंत्र और उसके सिद्धान्तों में विश्वास नहीं रखते हैं। राज्य सरकार द्वारा लगातार अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियां पूरी करने में अनावश्यक व अनुचित हस्तक्षेप को देखते हुए राज्यपाल ने मुख्यमंत्री को लिखा कि वे राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति की शक्तियां प्रयोग करने के इच्छुक नहीं हैं। यह विधिक प्राविधान है, लेकिन उन पर लगातार संबंधित विश्वविद्यालय कानूनों के खिलाफ काम करने का दबाव डाला जा रहा है। इस प्रकार उनसे अपनी चेतना के खिलाफ काम करने की उम्मीद की जा रही है। हालांकि, वे इस स्थिति से गंभीरतापूर्वक व्यथित हैं, लेकिन उन्होंने गांधीवादी दृष्टिकोण का पालन करते हुए मुख्यमंत्री से कुलपति की शक्तियां स्वयं ग्रहण करने का अनुरोध किया है। इसके अनेक संभावित परिणाम हो सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि उनके बीच कोई विवाद नहीं है और राज्यपाल को नैतिक व मानसिक दबाव से दूर रखा गया है।

आरिफमुहम्मद खान की सुस्थापित पहचान एक ऐसे विद्वान बुद्धिजीवी की है जो सत्ता के साथ जुड़े वेतन व भत्तों से प्रभावित नहीं होते हैं। उनको ऐसे राजनेता की तरह देखा जाता है जो वास्तव में सेक्युलर तथा लोकतांत्रिम हैं। उन्होंने शाहबानो मामले में अपनी यह पहचान स्पष्ट रूप से दिखाई थी। सभी युवा और वृद्ध समान रूप से जानते हैं कि उनके विचार समझदारी और समग्रता से भरे हैं तथा वे सभी मनुष्यों के बीच व्यापक एकता की मूल अवधारणा का प्रचार करते हैं। उनके अनुसार सारी दुनिया एक परिवार है। वे राजीव गांधी की कैबिनेट में सबसे युवा मंत्री थे और उन्होंने तलाकशुदा मुस्लिम महिला को मासिक भत्ता देने के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का मजबूती से बचाव किया था। लेकिन राजीव गांधी दबाव के सामने झुक गए और उन्होंने संविधान संशोधन कर मुस्लिम महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया। इससे भविष्य में भी मुस्लिम तलाकशुदा महिलायें एक मामूली धनराशि से भी वंचित हो गई थीं। आरिफ मुहम्मद खान ने सिद्धान्तनिष्ठ दृष्टिकोण अपनाते हुए कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। इस मामले में पूरा देश उनके साथ था। उनकी बौद्धिक, विद्वतापूर्ण व आध्यात्मिक खोज पर राजनीति कभी हावी नहीं हुई। समय बीतने के साथ उन्होंने विद्वानों, अकादमीशियनों व बुद्धिजीवियों के बीच सम्मानजनक स्थान प्राप्त किया। जब एक पत्रकार ने उनसे व्यंग्यात्मक ढंग से पूछा कि 'भारत में मुसलमानों का क्या भविष्य है?', उनका जवाब था, 'वही जो बाकी भारत का है।' उनका यह जवाब एकदम सटीक है।

किसी भी देश की प्रगति की गति उसके वित्तीय संसाधनों से अधिक उसकी संज्ञानात्मक पूंजी पर निर्भर करती है। यह विश्वविद्यालयों द्वारा दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता पर भी निर्भर है। आमतौर पर माना जाता है कि उप-कुलपतियों की नियुक्ति एक सुपरिभाषित प्रक्रिया और क्रियाविधि के माध्यम से होती है। केरल और पश्चिम बंगाल को छोड़ कर अधिकांश राज्यों में इस प्रक्रिया का कठोरता से पालन कोरोना काल में भी हुआ। लोगों के साक्षात्कार लिए गए और कुछ मामलों में आफलाइन व आनलाइन, दोनों तरीके अपनाए गए। इस प्रक्रिया की एक पवित्रता है और अधिकांश मुख्यमंत्री इसे बनाए रखते हैं। केरल के राज्यपाल को भी इसकी उम्मीद थी। भला इस पद पर बैठा कोई व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी से कैसे इनकार कर सकता है? उनको पूरी उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में उनकी सहायता करेंगे। यह भी स्पष्ट है कि राज्य के संवैधानिक प्रमुख होने के नाते राज्यपाल मुख्यमंत्री की मजबूरियों को समझते हैं। वे उनके प्रति पूरी सौजन्यता दिखाने के लिए तैयार थे, लेकिन वे यह केवल निष्ठा और नैतिकता की सीमाओं के भीतर रह कर ही कर सकते थे। अपनी चेतना पर भारी दबाव के बावजूद वे इस बात से सहमत हैं कि मुख्यमंत्री की इच्छाओं को महत्व दिया जाना चाहिए और वे उनके पसंदीदा उप-कुलपतियों को दूसरा कार्यकाल देने के लिए भी सहमत थे। लेकिन उनको यह उम्मीद भी थी कि सरकार भावी नियुक्तियों के बारे में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करे। लेकिन कुछ ही दिनों में उनकी उम्मीदें उस समय टूट गईं जब सरकार ने केवल एक व्यक्ति का नाम सुझा कर कुलपति से उनको संस्कृत विश्वविद्यालय का उप-कुलपति बनाने को कहा। आरिफमुहम्मद खान और उनके उल्लेखनीय योगदानों को जानने वाला कोई भी व्यक्ति इस बात पर विश्वास नहीं करेगा कि वे किसी ऐसे व्यक्ति को सहन करेंगे जो कहीं भी स्थापित प्रक्रियाओं और संबंधित नैतिक मानकों के उल्लंघन का प्रयास कर रहा हो।

पिछले पांच दशक से अधिक समय से देश केरल के स्कूली शिक्षा पाठ्यक्रम की प्रशंसा करता रहा है। उसकी प्रशंसा इसलिए भी होती है कि उसने उच्च साक्षरता दरें प्राप्त करने में अन्य राज्यों का नेतृत्व किया है। लेकिन दुर्भाग्य से यही बात केरल में उच्च शिक्षा के बारे में नहीं कही जा सकती है। यह भारत की एकता में विविधता की सोच में विशिष्ट स्थान रखती है जो सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप से सभी धर्मों और विश्वासों का सम्मान करती है। 2011 के जनगणना आंकड़ों के अनुसार, केरल में 54.73 प्रतिशत हिंदू, 26.56 प्रतिशत मुसलमान तथा 18.38 प्रतिशत ईसाई हैं। जब इस्लाम शुरुआती वर्षों में केरल में आया तब वहां ईसाइयत अच्छी तरह स्थापित हो चुकी थी। इतने सालों से वे एकसाथ रहते, काम करते तथा साथ-साथ प्रगति करते रहे हैं। केरल उन देशों के लिए एक माडल का काम कर सकता है जो गंभीर जनसंख्या संरचना परिवर्तन से गुजर रहे हैं। यह एक धर्म, भाषा, संस्कृति और नस्ल से मिश्रित जनसंख्या में परिवर्तन है जिसमें सभी प्रकार की विविधतायें हों। केरल के सांस्कृतिक व आध्यात्मिक योगदान से भला कौन परिचित नहीं है। केरल से ज्ञान के समुद्र निकले हैं। केरल के अलावा यह बात और बेहतर तरीके से कहां समझी जा सकती है कि भारतीय समाज तथा ज्ञान के सृजन व उसके प्रसार की व्यवस्था में कुलपति का सर्वाधिक सम्मानपूर्ण स्थान है।

कुलपति को ज्ञान, मूल्यों व नैतिकता का प्रतीक माना जाता है। इसी कारण राजाओं और शासकों को उसके पैरों की धूल ग्रहण कर प्रसन्नता होती थी। हमें उसकी स्तर और क्षमता के उप-कुलपतियों की आवश्यकता है। केरल के राज्यपाल द्वारा अपने विशेषाधिकार मुख्यमंत्री को सौंपने का प्रस्ताव अकादमिक दुनिया की आंखें खोलने वाला हो सकता है। उसे ऐसा परिवेश बनाना चाहिए जहां अकादमिक स्वायत्तता और अकादमिक मामलों में पारदर्शिता का किसी प्रकार उल्लंघन न हो। यही भारत की प्रगति की कुंजी है।

आप की बात

डीजे का घातक शोर

हिसार के गांव पेटवाड़ में हुई सतरोल खाप की पंचायत ने खाप में आने वाले करीब 42 गांवों में डीजे बजाने पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगा दी है। डीजे बजाने पर 5100 रुपए जुर्माना लगाया जाएगा। वहीं उक्त व्यक्ति का सामाजिक बहिष्कार भी किया जाएगा। सतरोल खाप के प्रवक्ता फुलकुमार पेटवाड़ ने बताया कि सतरोल खाप में आने वाले सभी गांवों के मौजिज लोगों को पंचायत के माध्यम से आदेश दे दिए हैं कि गांव में किसी भी विवाह समारोह व पार्टियों समेत अन्य कार्यक्रमों में डीजे बजाने पर रोक लगा दें, क्योंकि डीजे के कारण हमारी हरियाणवीं संस्कृति धुलती जा रही है। डीजे पर बजने वाले गानों में फूहड़पन व अश्लीलता होती है, जिसके कारण हमारे बच्चों में संस्कारों में कमी आती जा रही है। सतरोल खाप के बुद्धिजीवी लोगों ने मिलकर फैसला किया है कि इस बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए हमें इस पर रोक लगानी होगी। इसके लिए ग्राम सभा के सदस्यों को सूचित कर दिया है कि अगर गांव में कोई भी व्यक्ति डीजे बजाता है तो उससे डीजे बजाने पर 51 सौ रुपए जुर्माना वसूला जाएगा और जो व्यक्ति जुर्माने की राशि नहीं देगा उसका सामाजिक रूप से बहिष्कार किया जाएगा।

– **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

स्मार्ट एडमिनिस्ट्रेशन

उप्र के मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ में आयोजित उत्कर्ष समारोह में गांवो की सरकार को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 2020 से अब तक गांवो में 5200करोड़ रुपये विकास कार्यो में खर्च किये गए।42478 ग्रामपंचायत भवनों का लोकार्पण करते हुये ग्राम सचिवालय की स्थापना करके लोगो की रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान हो। उन्हें शहरों की ओर न भागना पड़े।इन सचिवालय में ग्राम सचिव से लेकर मिशन शक्ति की महिला बीट अधिकारियों की भी नियुक्ति की जाएगी । गांवो में विकास की गंगा बहाने के लिये ग्राम प्रधान से लेकर जिला पंचायत सदस्यों का मानदेय और भत्तों को योगी ने बढ़ा दिया है।मुख्यमंत्री योगी ने पंचायत प्रतिनिधियों से स्मार्ट गांव बनाने का आवाहन किया। उन्होंने कहा जब स्मार्ट शहर बन सकते है तो स्मार्ट गांव क्यो नही? गांवो में मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराकर ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री योगी को सबसे पहले प्रदेश में प्रशासनिक अधिकारियों, प्रशासनतन्त्र और ब्लाक से गाँवो तक लोकसेवकों की नियुक्ति की ओर ध्यान देना चाहिये। प्रशासनिक अधिकारियों को सक्रिय और उनकी जवाबदेही तय करना चाहिये।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव, उन्नाव

सही दिशा में एक कदम

भारतीय नागरिक की पहचान के लिए आज एक आधार, एक मतदाता परिचय पत्र की कॉफी मान्यता है एवं अगर इन दोनों को आपस में लिंक कर दिया जाता है तो यह एक बड़ी महत्वपूर्ण बात होगी फिर यह बात भी सही है कि आजकल पैन कार्ड , राशन कार्ड भी आधार से जोड़ने की प्रक्रिया तय है तो फिर मतदाता परिचय पत्र को अगर आधार से जोड़ा जा रहा है तो यह भी उचित ही है ऐसे में फर्जी मतदाताओं को पहचानने में काफी सहायता मिल सकेगी। आज वैसे भी काफी अधिक घुसपैठिए हमारे देश में नकली कागजात बनाकर रहने लगते हैं तब इस तरह से नया महत्वपूर्ण दस्तावेज अब बनाना पड़ेगा तब इससे फर्जी लोगों की भी तुरंत पहचान हो सकेगी।हमारे यहां जब भी कोई अच्छा काम करने की बात आती है तो विपक्षी दल इस में सबसे पहले अड़ंगा लगाते हैं अत: उन्हें भी क्षेत्र में आगे बढ़कर ऐसे कामों में सरकार की मदद देने की महती भूमिका निभाना होगी। ऐसे में फिर आपराधिक छवि वाले व्यक्ति भी चुनाव नहीं लड़ सकेंगे और ना ही वोट डाल सकेंगे। तब ऐसे कामों का सभी को समर्थन करना चाहिए।

– **मनमोहन राजावत**, शाजापुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

मैं स्विज़ बैंक में पैसा जाना बंद करवा दूंगा जिससे कि वह पैसा महिलाओं की जब में जा सके।।

– **अरविंद केजरीवाल**
दिल्ली के मुख्यमंत्री

वास्तविकता यह है कि ओमीक्रान कई देशों में फैल चुका है मगर अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है।

– **टेड्रोस एधानोम**
महानिदेशक डब्लूएचओ

गोवा, उत्तर प्रदेश और पंजाब और संपूर्ण भारत से भाजपा का सूरज अस्त होना प्रारम्भ हो गया है। उन्होंने जनता को ठगा है।

– **ममता बनर्जी**
मुख्यमंत्री पश्चिम बंगाल

आंगनबाड़ी कर्मियों ने विधायक सर्राफ निवास पर किया प्रदर्शन

विधायक के पीए को मंत्री कमलेश ढ़ाडा और निदेशक के नाम ज्ञापन भेजा

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

आंगनबाड़ी वर्कर्स एंड हैल्पर्स यूनियन हरियाणा (सम्बंधित सीटू एवं सहयोग सर्व कर्मचारी संघ) के आह्वान पर भिवानी जिले की आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हैल्पर्स ने अपनी लम्बित मांगों के समाधान के लिए जिला उपायुक्त कार्यालय पर हड़ताल करके आज 8वें दिन भी धरना दिया। भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ के निवास पर जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया व विधायक के पीए को मंत्री कमलेश ढ़ाडा व निदेशक के नाम ज्ञापन भेजा। धरना व प्रदर्शन की अध्यक्षता प्रिया चांग ने की व संचालन बबीता ने किया।

धरने-प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए यूनियन व सीटू नेताओं ने कहा की हरियाणा की भाजपा जजपा सरकार आंगनबाडी कर्मीयों की हड़ताल व आन्दोलन को लम्बा खिचकर तोड़ना चाहती हैं, जिसे हरियाणा की आंगनबाड़ी कर्मी सहन नही करेगी। हरियाणा सरकार 2018 में केन्द्र सरकार द्वारा की गई घोषणा को लागू नहीं कर रही है। केन्द्र व राज्य सरकार 45वें श्रम सम्मेलन की रिपोर्ट को लागू नहीं कर रही है। जिसमें आंगनबाड़ी कर्मियों को स्थाई कर्मचारी मानने व न्यूनतम वेतन लागू करने के लिए कहा गया है। आज सरकार की जन विरोधी नीतियों के चलते महंगाई, बेरोजगारी व महिलाओं का शोषण बढ़ रहा है।

केन्द्र व राज्य सरकार जनता की समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए गीता महोत्सव व जात व धर्म के आधार पर बांटना चाहती है। आंगनबाड़ी कर्मियों की मेहनत की वजह से महिलाओं में खून की कमी व बच्चों के कुपोषण को रोकने मे कामयाब हुई है। इसके बावजूद सरकार विभाग को स्थाई करने की बजाए दहव को शामिल करके विभाग के निजीकरण करने पर तुली हुई है।

सांसद सैनी ने केंद्रीय मंत्री को बेहतर सड़क व्यवस्था के लिए लिखा पत्र

केन्द्रीय राज्य सड़क परिवहन मंत्री को ज्ञापन सौंपते सांसद नायब सैनी।

कैथल। सांसद नायब सिंह सैनी ने केंद्रीय राज्य सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री जनरल डॉ. विजय कुमार को पत्र लिखा है कि, लोकसभा क्षेत्र की पिहोवा व ढांड (कैथल) की तरफ से स्टेट हाईवे नंबर-6 और एमडीआर-1 निकलती है। जो कुरूक्षेत्र शहर के बीच से होकर यमुनानगर, सहारनपुर (उत्तर प्रदेश), पंजाब व राजस्थान राज्य को जाती है। जिसकी वजह से इस सड़क पर भारी ट्रैफिक रहता है।

इस कारण कुरूक्षेत्र शहर में हमेशा ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है और अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। कुरूक्षेत्र और पिहोवा धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर हैं और यहां साल भर श्रद्धालुओं का आवागमन लगा रहता है। उदाहरण के तौर पर कुरूक्षेत्र में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव, सूर्य ग्रहण मेला और पिहोवा में सरस्वती उत्सव मुख्य हैं। साथ ही सावन मास में बहुत भारी मात्रा में श्रद्धालु हरिद्वार से कावड़ लेकर कुरूक्षेत्र शहर से गुजरते हैं। कुरूक्षेत्र से मात्र एक सड़क है जो बीचों-बीच गुजरती है। इसलिए कुरूक्षेत्र शहर को एक आउटर रिंग रोड की सख्त जरूरत है, जो इन समस्याओं से निजात दिला सकता है।

संक्षिप्त समाचार

मानव मित्र मंडल ने गरीब बच्चों को बांटी जर्सियां

कैथल। मानव मित्र मंडल शाखा द्वारा जर्सी वितरण समारोह के अंतर्गत गुरुवार को राजकीय मॉडल प्राथमिक पाठशाला सीवन और राजकीय प्राथमिक पाठशाला रसूलपुर में जरूरतमंद बच्चों को जर्सियां वितरित की गईं। इस दौरान मानव मित्र मंडल शाखा सीवन के प्रधान डॉ. रामनिवास शर्मा, सचिव सुरेश कुमार, सतीश यादव, अनिल कुमार, प्राध्यापक सुरेश राविश, मीनाक्षी वर्मा, रमेश कुमार, रघुवीर सिंह, अभिषेक मेहता और कुलदीप राठी मौजूद थे। संस्था के प्रधान रामनिवास शर्मा ने बताया कि, संस्था द्वारा जर्सी वितरण समारोह निरंतर चलता रहेगा। सीवन और आसपास के क्षेत्रों के विद्यालयों में जरूरतमंद बच्चों को जर्सियां वितरित की जाएंगी। इस कड़ी में आज रा.मा.प्रा.पा. सीवन में 25 और रसूलपुर में 10 बच्चों को जर्सियां वितरित की गई।

विश्व मानता है भारतीय सेना का लोहा: जनरल वाईके यादव

विजय दिवस पर शहीदों की वीरांगनाओं को स6मानित करते पूर्व मंत्री एंव कांग्रेस

रेवाड़ी। विजय दिवस एवं रेजांगला शहीदी समारोह समिति ने विजय दिवस की 50वीं वर्षगांठ पर रेजांगला पार्क में शौर्य स6मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि मेजर जनरल वाई के यादव रहे, जबकि अध्यक्षता पूर्व मंत्री एंव कांग्रेस नेता कप्तान अजय सिंह यादव ने की। समारोह के दौरान अतिथियों ने शहीदी स्मारक पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी तथा शहीदों की वीरांगनाओं को शॉल भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि जनरल वाई के यादव ने कहा कि हमारे सैनिकों की वीरता व उनका रणकौशल अति सराहनीय है। हमारी सेनाएं विश्व की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में आती है। 16 दिसंबर 1971 को भारत ने पाकिस्तान पर विजय हांसिल की थी और उसी दिन से यह दिन विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि हमारे सैनिकों की वीरात अद्वितीय है तथा पूरा विश्व भारतीय सेना का लोहा मानता है। ऐसे ही रणबांकुरों की बदौलत हम चैन की सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से कारगिल के युद्ध में शहीद हुए शहीदों के परिवार को सरकार ने सुविधा दी है, उसी तरह 1962, 1965 व 1971 के युद्ध केशहीदों के आश्रितों को भी सुविधा देनी चाहिए। पूर्व मंत्री कप्तान अजयसिंह यादव ने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि स्वर्गीय इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते हुए 1971 के युद्ध में भारत की सेनाओं ने अपने शौर्य का परिचय देते हुए वह कमाल कर दिखाया था कि पाकिस्तान के दो टुकड़े हो गए थे और बंगला देश के रूप में नए देश का निर्माण हुआ था। इस दौरान कप्तान ने पुरानी मांग को दोहराते हुए अहीर व गुर्जर रेजीमेंट की मांग की।

नौकरी लगवाने के नाम पर धोखाधड़ी में चार आरोपी गिरफ्तार

कैथल। नौकरी लगवाने के नाम पर नकदी हडपने के एक मामले की जांच साईबर क्राईम पुलिस पोस्ट कैथल की टीम द्वारा करते हुए एक महिला आरोपी सहित चार आरोपियों को नियमानुसार कार्रवाई के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। तीन आरोपियों का अदालत से व्यापक पूछताछ के लिए दो दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया है, जबकि महिला आरोपी को न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एसपी लोकेंद्र सिंह ने बताया कि, पूंडरी निवासी दीपक ने पुलिस को शिकायत दी कि, वह एक बीमा कंपनी में एजेंट है। उसने नौकरी डॉट कॉम पर नौकरी के लिए आवेदन किया था। कुछ दिनों बाद उसे अनजान नंबर से फोन आया कि आपका आवेदन मंजूर हो गया। आपका करनाल के एक बैंक में ऑनलाइन इंटरव्यू लिया जाएगा। उसी के आधार पर मेन इंटरव्यू देना है। उन्होंने उसका इंटरव्यू लिया और इंटरव्यू सफल होने की पुष्टी के लिए ई-मेल भेजी। उससे 2500 रुपये लिए गए। जो उसने ऑनलाइन भेज दिए। आरोपियों ने दोबारा 7500 रुपए मांगे तो उसे शक हुआ और रुपये देने से मना कर दिया। आरोपियों ने उसे धमकी दी कि, आपके बैंक एकाउंट की जानकारी उनके पास है। वे उसे कंगाल और अपराधी बना देंगे। थाना पूंडरी में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। एसपी ने बताया कि, मामले की आगामी जांच साइबर क्राइम पुलिस पोस्ट कैथल के एएसआई सुरेंद्र, एचसी संदीप, एचसी कुलदीप तथा एचसी प्रवीन की टीम द्वारा करते हुए आरोपी शशी सावंथ निवासी कुलकुलिया जिला भागलपुर बिहार, अमित कुमार निवासी भाहिलभारा जिला मुजफरनगर यूपी, पारस नाथ निवासी तिहुरा जिला अयोध्या यूपी तथा महिला आरोपी अंजली निवासी धनवरिया छितवानी जिला बलरामपुर यूपी को नियमानुसार कार्रवाई के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। बता दें कि सभी आरोपी फ्रोड के ही एक अन्य मामले में जिला जेल हिसार में बंद थे। जिनकी इस मामले में गिरफ्तारी के लिए माननीय न्यायालय की मार्फत प्रोडक्शन वारंट जारी करवाए गए थे।

ग्रामोदय व भारत विलेज बाजार ने विद्यार्थियों को दिया प्रशिक्षण

प्रशिक्षण लेते डीपीएस स्कूल के विद्यार्थी।

कुरुक्षेत्र। देश के किसानों और कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ग्रामोदय और भारत विलेज बाजार ने दिल्ली पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया।

ग्रामोदय के संस्थापक और प्रदेश भाजपा प्रवक्ता डॉ वीरेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि देश का किसान और कारीगर, ग्रामीण उद्यमी जब तक अपने उत्पादों को नवीनतम आधुनिक तकनीकों के माध्यम से बेचना नहीं सीखेगा ,तब तक वह मुनाफे की स्थिति में नहीं आ पाएगा। उसका मुनाफे की स्थिति में आने का मतलब है, देश को मुनाफा। उसका आत्मनिर्भर होने का मतलब है देश का आत्म निर्भर होना। इस अवसर पर इस अभियान के संयोजक आशुतोष कौशल ने प्रथम सत्र में ब्रह्मसरोवर पर लगे सरस मेले में ट्रेनिंग के उद्देश्य से पधारे डीपीएस के विद्यार्थियों को ऑनलाइन सेल्स में एक कारीगर और किसान को आने वाली परेशानियों व उनके समाधान के बारे में बताया।

मंत्री मूलचंद ने सोलह में 11 शिकायतें निपटाईं

जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में मामलों को सुना

लंबित मामलों का निपटारा अगली बैठक से पहले अवश्य करने के निर्देश दिए

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

कैथल में कष्ट निवारण समिति की बैठक को संबोधित करते हुए परिवहन मंत्री व मौके पर उपस्थित विधायक लीला राम।

परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में रखे गए मामलों को बिंदुवार सुनते हुए 16 मामलों में से 11 मामलों को मौके पर ही निपटा दिया। जबकि 5 मामले लंबित रह गए। संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि, वे सभी लंबित मामलों का निपटारा अगली बैठक से पहले अवश्य कर दें। उन्होंने कहा कि, छोटे स्तर के विषय संबंधित जिला अधिकारी अपने स्तर पर ही निपटाएं और लंबित मामलों को तुरंत प्रभाव से निपटाया जाना अति आवश्यक है।

परिवहन मंत्री आज स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जिला कष्ट निवारण एवं परिवेदना समिति की बैठक में एजेंडा अनुरूप शिकायतों का निपटारा कर रहे थे। बैठक में विधायक लीला राम, डीसी प्रदीप दहिया, पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र सिंह, ज्योति सैनी, सुरेंद्र गर्ग सहित संबंधित पदाधिकारी व अधिकारी मौजूद रहे। परिवहन मंत्री ने इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि सरकार भ्रष्टाचार के मामले को लेकर जीरो टोलरेंस के तहत कार्य कर रही है। सभी चोर रास्ते बंद कर दिए गए हैं। इस विषय को लेकर सरकार पूरी तरह से गंभीर है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में प्रदेश का सर्वांगीण विकास किया जा रहा है। सुंदर सड़कें, पार्क आदि बनाए जा रहे हैं। वर्तमान सरकार में योग्यता के आधार पर गरीब घरों के बच्चे तहसीलदार, पटवारी, सब इंस्पेक्टर बन रहे हैं, यह प्रदेश में पहली बार हो रहा है।

इस अवसर पर विधायक लीला राम, डीसी प्रदीप दहिया, एसपी लोकेंद्र सिंह, ज्योति सैनी, सुरेंद्र गर्ग, हरपाल शर्मा क्योड़क, एडीसी सम्वर्तक सिंह, एसडीएम दिलबाग सिंह, नवीन कुमार, विरेंद्र सिंह ढुल, डीएमसी कुलधीर सिंह, सीटीएम अमित कुमार, आरटीए सत्यवान सिंह मान, एमडी शुगर मिल सतेंद्र सिवाच, डीएसपी रविंद्र कुमार सांगवान, सिविल सर्जन डॉ. जयंत आहूजा, डीडीपीओ जसविंद्र सिंह, डीडीए डॉ. कर्मचंद, डीआईपीआरओ धर्मवीर सिंह, रैडक्रॉस सचिव रामजी लाल और अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

नहीं बिकनी चाहिए अवैध रूप से शराब

परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने नई शिकायत नंबर-5 में मोहना निवासी बनवारी व अन्यों ने गांव में अवैध शराब के खुर्दे हटाने की शिकायत पर कड़ा संज्ञान लेते हुए उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त को निर्देश दिए कि मोहल्ले में अवैध खुर्दे नहीं होने चाहिए। इसके साथ-साथ उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियों को कहा कि मोहल्ले में अगर कोई अवैध रूप से शराब बेचता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। इस मामले में किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए। संबंधित अधिकारी इसके लिए खुद जिम्मेदार होगा।

निजीकरण के विरोध में बैंक कर्मियों ने की हड़ताल

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

बैंकों के निजीकरण के विरोध में व अन्य मांगों को लेकर बैंक अधिकारियों व कर्मचारियों की दो दिवसीय हड़ताल के पहले दिन करीब 300 करोड़ रुपये का बैंक के माध्यम से उपभोक्ताओं के जमा-निकासी प्रभावित हुई। इस दौरान जिलेभर में 36 बैंकों की 253 शाखाएं बंद रहीं। हालांकि निजी बैंक खुले रहे जिस कारण उपभोक्ता को कुछ राहत मिली। बैंक बंद होने के चलते लोगों ने एटीएम मशीनों से पैसों की निकासी की। हालत ये हुए कि अधिकतर एटीएम मशीनें भी कैशलेस हो गईं और लोगों के पास कोई चारा नहीं बचा।

यूनाइटेड फॉर्म ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर सार्वजनिक क्षेत्र के बड़े बैंकों के कर्मचारी हड़ताल पर चले गए। स्टेट बैंक आफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, सेंट्रल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, इलाहाबाद बैंक, यूनियन बैंक व ओबीसी बंद रहे। पूर्व सूचना के बावजूद बड़ी संख्या में उपभोक्ता बैंकों में पहुंचे और यहां हड़ताल का नोटिस चस्पा देखकर उन्हें हड़ताल की खबर हुई। बैंकों की हड़ताल के बाद उपभोक्ताओं का सहारा एटीएम मशीनें बनी, लेकिन सायं होते-होते ज्यादा एटीएम मशीनें भी खाली हो गई और यहां से भी उपभोक्ताओं को निराश होकर ही वापस जाना पड़ा। वीरवार को बैंक कर्मचारियों ने रेलवे रोड स्थित एसबीआई बैंक के समक्ष एकत्रित होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

बैंक से सेवानिवृत्त अधिकारी हाकम चौधरी, पंजाब नेशनल बैंक के राय सिंह और स्टेट बैंक के विनय, इलाहाबाद बैंक से प्रीतम गोयत, जसपाल तथा पंकज ने बताया कि कामरेड रमेश अरोड़ा ने कहा कि बिना किसी से चर्चा किए सरकार निजीकरण के विधेयक को संसद में पेश करने जा रही है। जो बड़े पूंजीपति हैं उनका पैसा माफ करके उसका बोझ सरकारी बैंकों पर डाला जा रहा है। पहले भी कितने ही निजी बैंक फेल हुए और जनता को तकलीफें उठानी पड़ी हैं। जब 2008 में दुनिया भर के बैंक आर्थिक मन्दी को झेलने में असमर्थ रहे और फेल हो रहे थे, भारत के सरकारी बैंक तब भी सुरक्षित रहे और लगातार देश की तरक्की के लिए निरंतर काम करते रहे लेकिन तब भी सरकार सबक लेने के लिए तैयार नही है।

राय सिंह ने बताया कि 17 दिसंबर को सेक्टर 13 में सुबह 10 बजे प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर विनोद अरोड़ा, संदीप तेजा, अमनप्रीत भट्टी, कुलदीप सिंह, प्रीति भारद्वाज, ऋतु कंबोज, कपिल परुथी, विकास श्योकंद, पुष्पेंद्र शर्मा, कृष्ण लाल गाबा, सुमन, नीतू, आरती, चंद्र दुआ, रोहित शर्मा, सुनील बेदी, विकास जावा, मोहित सैनी, राजेश, मुकेश, अनिता, सरिता,स्नेह आदि उपस्थित रहे ।

सिपाही पेपर लीक मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

कैथल। हरियाणा पुलिस सिपाही पेपर लीक मामले में वांछित आरोपियों की धरपकड़ की जा रही है। जिसके दौरान बुधवार को इस मामले में वांछित आरोपी को सीआईए-1 पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में कैथल पुलिस द्वारा अब तक कुल 54 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। वीरवार को आरोपी न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र सिंह ने बताया कि, सीआईए-1 प्रभारी इंस्पेक्टर अमित कुमार की टीम द्वारा सिपाही पेपर लीक मामले की जांच के दौरान मामले में वांछित आरोपी सोहनलाल उर्फ सोनू निवासी रिवाड जागीर जिला कैथल को गिरफ्तार कर लिया गया। एसपी ने बताया कि पहले गिरफ्तार किए जा चुके आरोपी रमेश निवासी थुआ द्वारा आरोपी सोहनलाल को आंसर की उपलब्ध करवाई गई थी। मामले में कैथल पुलिस द्वारा 10 ईनामी आरोपियों सहित कुल 54 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

गरीब कन्याओं की शादी में दिया सहयोग

सहायता राशि सौंपते विधायक रामकरण व सोसायटी के पदाधिकारी।

कुरुक्षेत्र। हरियाणा शुगर फेडरेशन के चेयरमैन एवं शाहाबाद के विधायक रामकरण काला ने कहा कि हर समर्थ व्यक्ति को जरूरतमंद व्यक्ति की हर संभव सहायता करनी चाहिए।

ऐसे पुनीत कार्यों में सरकार के साथ-साथ यदि संस्थाएं भी जुट जाएं, तो जरूरतमंद परिवारों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ा जा सकता है। वे निकटवर्ती गांव हबाना में एक जरूरतमंद परिवार की कन्या की शादी में निष्काम सेवा सोसायटी शाहाबाद द्वारा दिए गए आर्थिक सहयोग की राशि परिवार को सौंपते समय उपस्थित गांववासियों को संबोधन कर रहे थे। चेयरमैन ने निष्काम सेवा सोसायटी शाहाबाद के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों के प्रयासों की मुक्त कंठ से सराहना की। ऐसे प्रकल्पों को निरंतर जारी रखने का आह्वान भी किया। सोसायटी के चेयरमैन इंद्रजीत सिंह सग्गू प्रधान सुखवंत सिंह बग्गी और वरिष्ठ उप प्रधान जगदेव ने कन्या और विधवा मां को आश्वासन दिया।

भिवानी के कलाकारों ने दिल्ली वालों का दिल जीता

भिवानी। आजादी के अमृत महोत्सव के चलते नवंबर महीने में सांस्कृतिक मंत्रालय व रक्षा मंत्रालय की तरफ से वंदे भारतम् नृत्य उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें उत्तर भारत के सभी राज्यों से सैकड़ों टीमों ने हिस्सा लिया। हरियाणावी नृत्य में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए नरेन्द्रा फिल्म्स के कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। अनेक टीमों को पछाड़ अगले लेवल में अपनी जगह सुनिश्चित की। 12 दिसम्बर को नरेन्द्रा फिल्मस् के कलाकार आरती पांचाल, चारू, टीना, पूनम, मंजरी, सुनीता, कविता, आरती गरवा, हेमलता व भावना ने उत्तर भारत यानी जोनल लेवल में प्रवेश किया, इस टीम का नृत्य निर्देशन संदीप शर्मा ने किया। अपनी प्रतिभा के बल पर दिल्ली में भिवानी व हरियाणा प्रदेश का नाम रोशन किया।

वी ने प्रीमियम म्युजिक स्ट्रीमिंग सर्विस उपलब्ध कराने के लिए 'हंगामा म्यूजिक' के साथ की साझेदारी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम/हिसार

वी ऐप पर अपनी म्युजिक पेशकश लॉन्च की

डोमेन लीडरों के साथ साझेदारी के माध्यम से डिजिटल यूजर्स को विशिष्ट अनुभव प्रदान करने के लिए अग्रणी टेलीकॉम ब्राण्ड वी ने बृहस्पतिवार को हंगामा म्युजिक के साथ साझेदारी में वी ऐप पर अपनी म्युजिक पेशकश का लॉन्च किया है।

लॉन्च के अवसर पर अवनीश खोसला, सीएमओ, वी ने कहा, 'वी विभिन्न ब्राण्ड्स के साथ साझेदारी के द्वारा अपने उपभोक्ताओं के जीवन को बेहतर बनाने के लिए तत्पर है, उन्हें मनोरंजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और वित्तीय सेवाओं में विशेषज्ञता के साथ बेजोड़ अनुभव प्रदान करना चाहता है। वी कई क्षेत्रों के साझेदारों के साथ काम करते हुए उपभोक्ताओं की विभिन्न जरूरतों को पूरा करता है और उन्हें अनूठी डिजिटल सेवाएं प्रदान करता है। आने वाले समय में हम इस तरह की नई पहलों पर काम करते रहेंगे क्योंकि यह एजेंडा तेजी से बढ़ रहा है।'

इसके साथ वी ने ओटीटी आधारित डिजिटल कंटेंट पेशकश को और अधिक मजबूत बना लिया है। जिसमें एंटरटेनमेन्ट से लेकर हेल्थ एवं फिटनैस, एजुकेशन एवं स्किलिंग तक व्यापक रेंज शामिल है। दूरसंचार कंपनी इस पोर्टफोलियो का विस्तार जारी रखेगी। हंगामा के साथ वी की म्युजिक पेशकश का अनावरण म्युजिशियन एवं कम्पोजर की जानी-मानी जोड़ी सलीम सुलेमान ने किया, जिन्होंने लॉन्च कार्यक्रम के दौरान परफोर्मेन्स भी दिया। साझेदारी के तहत वी अपने सभी प्रीपेड एवं पोस्टपेड उपभोक्ताओं को बिना किसी अतिरिक्त लागत के 6 महीने के लिए हंगामा म्यूजिक का प्रीमियम सब्सक्रिप्शन देगा। इस पेशकश के तहत उपभोक्ता हंगामा की व्यापक लाइब्रेरी के लाखों गीतों में से 20 भाषाओं में ऐड-रहित म्युजिक का लुत्फ उठा सकते हैं, अनलिमिटेड डाउनलोड्स कर सकते हैं, म्युजिक वीडियो स्ट्रीम कर सकते हैं, बॉलीवुड की नई खबरें सुन सकते हैं और गाने सुनते हुए कॉलर ट्यून सैट कर सकते हैं तथा पॉडकास्ट भी सुन सकते हैं।

उपभोक्ताओं को मनोरंजन का बेजोड़ अनुभव प्रदान करने के लिए यह पेशकश उन्हें जाने-माने कलाकारों की लाइव म्युजिक कॉन्सर्ट में शामिल होने का अवसर देती है, वी के उपभोक्ता बहुत ही मामूली सी लागत पर वी ऐप पर 52 लाईव डिजिटल कॉन्सर्ट्स में हिस्सा ले सकते हैं।

दिल्ली के टीचर्स अपने घरों से ही काम करते हुए टीचिंग के पैशन को कर रहे पूरा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की यूफैबर आईईएलटीएस निंजा डेमो टीचर सिमरन चावला ने कभी सोचा ही नहीं था कि टीचिंग के लिये उनका पैशन जुनून एक दिन उनके लिये इतना फायदेमंद होगा। इससे पहले वे एक प्राइमरी टीचर थीं, फिर उन्होंने 7-8 साल का अध्ययन प्रोत्साहन अवकाश लिया और अब 3 साल से ज्यादा समय से यूफैबर से जुड़ी हैं। जब उन्होंने एक बार फिर शुरूआत की योजना बनाई, तब दिल्ली की यह ऑफलाइन टीचर एक ऑनलाइन ट्यूटर बन गई। वे हर महीने 30,000 रुपये से ज्यादा कमा रही हैं और घर से ही छह से सात घंटे काम करती हैं।

ऑनलाइन शिक्षा की मांग बढ़ने के साथ एडटेक कंपनियों में खूब भर्ती हो रही है। मांग और आपूर्ति के बीच अंतर दूर करने के लिये यूफैबर जैसी कंपनियां आक्रामक रूप से टीचर्स का प्रशिक्षण और भर्ती कर रही हैं। एक राष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार, नौकरी चाहने वालों की रिमोट टीचिंग में रुचि 200 फीसदी बढ़ी है, जबकि पिछले साल की तुलना में रिमोट टीचर जॉब लिस्टिंग्स 90 फीसदी बढ़ी हैं। पिछले पांच वर्षों में एडटेक बिजनेस तेजी से बढ़ा है और पिछले साल लॉकडाउन के दौरान उसका प्रभाव समझ में आया था।

यूफैबर के मुताबिक, एक ऑनलाइन ट्यूटर का वार्षिक वेतन 2 लाख रुपये से लेकर 5 लाख रुपये तक होता है, जबकि एक अनुभवी ट्यूटर का वार्षिक वेतन 6 लाख रुपये से लेकर 11 लाख रुपये तक होता है। हालांकि अगर ट्यूटर्स प्रोग्रामिंग और कोडिंग जैसी नई कुशलताओं को तेजी से सीख लेते हैं और कोर्स पर अपने ज्ञान को नया करते रहते हैं, तो उनका वेतन इससे भी ज्यादा हो सकता है। यूफैबर न केवल रेगुलर ट्यूटर्स को ले रहा है, बल्कि अलग-अलग फील्ड्स की महिला टीचर्स का एक जत्था भी बना रहा है। यह फील्ड्स हैं के 12 से लेकर पब्लिक सर्विसेस और प्रोग्रामिंग से लेकर सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट तक।

यूफैबर के फाउंडर रोहित जैन ने कहा, स्कूल टीचर होना हमारे लिये अनिवार्य मापदंड नहीं है। हमारे पास विभिन्न पृष्ठभूमियों और दुनिया से आने वाले टीचर्स हैं, जिनकी अपने-अपने विषयों पर बेहतरीन पकड़ है। हम टीचर्स को यह देखकर चुनते हैं कि उनमें अपने विषय को लेकर कितनी लगन है और क्या वे एक रोचक तरीके से कंटेन्ट डिलीवर कर पाएंगे। इसके अलावा, हम यह भी देखते हैं कि वे टेक ऐड्स को अपने पढ़ाने के तरीके में कितनी अच्छी तरह से जोड़ पाते हैं। अनुप्रीत चोपड़ा यूफैबर में काम करती हैं और इससे पहले एक फैशन मर्चेंडाइजर थीं। 14-15 वर्षों का एक अध्ययन प्रोत्साहन अवकाश लेने के बाद वे घर से पढ़ाने वाली ऑनलाइन ट्यूटर बन गईं।

चंडीगढ़ के विकास में पूर्वांचल समाज की भूमिका अहम : मनोज तिवारी

भोजपुरी स्टार ने शहर में आधा दर्जन जनसभाओं को किया संबोधित

बोले, भाजपा ने पूर्वांचलियों को दिया सार्वाधिक सम्मान

मतदाताओं के साथ भोजपुरी में संवाद कर मांगे वोट

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

दिल्ली से भाजपा सांसद एवं भोजपुरी के सुपर स्टार मनोज तिवारी का कहना है कि चंडीगढ़ के विकास में पूर्वांचल समाज की भूमिका सबसे अहम है। पूर्वांचल के लोगों ने अपनी मेहनत के दम पर यहां अलग पहचान बनाई है। मनोज तिवारी आज निगम चुनाव में उतरे भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी जनसभाओं को संबोधित कर रहे थे।

तिवारी ने गुरुवार को वार्ड नंबर सात से पार्टी प्रत्याशी मनोज सोनकर के समर्थन में विकास नगर सब्जी मंडी, वार्ड नंबर चार से पार्टी प्रत्याशी सविता गुप्ता के समर्थन में इंदिरा कालोनी, वार्ड नंबर बीस से प्रत्याशी देवी सिंह के समर्थन में हल्लोमाजरा, वार्ड नंबर 31 से पार्टी प्रत्याशी भारत कुमार के समर्थन में आदर्श कालोनी, वार्ड नंबर 28 से पार्टी प्रत्याशी जसविंदर कौर के समर्थन में मलोया तथा वार्ड नंबर 15 से पार्टी प्रत्याशी गोपाल शुक्ला उर्फ पप्पू शुक्ला के समर्थन में ईडब्ल्यूएस कालोनी धनास सब्जीमंडी ग्राउंड के निकट जनसभा को संबोधित किया।

मनोज तिवारी ने कहा कि पूर्वांचल के लोग जहां भी जाते हैं वहां अपनी मेहनत के बल पर मुकाम हासिल करते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जो पूर्वांचल के लोगों को सबसे अधिक सम्मान देती है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ शहर पूर्वांचलियों के बलबूते पर ही बना है। शहर की बड़ी-बड़ी इमारतों के बनाने में पूर्वांचलियों की मेहनत का पसीना बहा है। सही मायने में चंडीगढ़ की नींव पूर्वांचली ही हैं।

दिल्ली के सांसद ने ज्यादातर जनसभाओं के दौरान भोजपुरी में संवाद करते हुए मतदाताओं को अपील की कि वह भारतीय जनता पार्टी के समर्थन में एकजुट होकर भाजपा प्रत्याशियों को चुनाव जिताने का काम करें। उन्होंने कहा कि आज विरोधियों के पास चंडीगढ़ में गिनवाने के लिए कोई विकास परियोजना नहीं है क्योंकि उनके राज में केवल घोटाले हुए हैं। भाजपा के प्रत्याशी पिछले पांच साल में हुए विकास कार्यों के बल पर जनता के बीच जा रहे हैं और विरोधी आज वोट मांगने के लायक भी नहीं रहे। इस अवसर पर पार्टी नेता हरीशंकर मिश्रा, वार्ड अध्यक्ष अरविंद सिंह, अमित बिरला, विनोद कुमार चौहान, ललित चौहान, राहुल द्विवेदी समेत कई गणमान्य मौजूद थे।

भाजपा ने चंडीगढ़ को बताया विकास क्या होता है: खट्टर

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चंडीगढ़ वासियों को भाजपा के समर्थन में एकजुट होने की अपील करते हुए कहा है कि भाजपा के दोबारा सत्ता में आने से यहां के विकास को गति मिलेगी, क्योंकि भाजपा पहला ऐसा राजनीतिक दल है। जिसने चंडीगढ़ वासियों को यह बताया है कि विकास क्या होता है और नगर निगम उनकी समस्याओं का कैसे समाधान कर सकता है।

खट्टर ने आज यहां वार्ड नंबर 17 से पार्टी प्रत्याशी एवं मेयर रविकांत शर्मा के समर्थन में सैक्टर-22 स्थित आर्य समाज मंदिर के निकट, वार्ड नंबर 35 से पार्टी प्रत्याशी राजिंदर कुमार शर्मा के समर्थन में सैक्टर-49 में तथा वार्ड नंबर आठ से पार्टी प्रत्याशी हरजीत सिंह के समर्थन में मौली जागरां में जनसभा को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने पिछले पांच वर्षों के दौरान चंडीगढ़ के हर वर्ग की समस्याओं को समझते हुए विकास योजनाएं तैयार की हैं। जिसमें से 95 फीसदी योजनाएं धरातल पर लागू हो चुकी हैं और व चंडीगढ़ वासियों को उसका लाभ मिल रहा है। खट्टर ने कहा कि आज जारी किए चुनावी घोषणा पत्र में भी हर वर्ग के हित का ध्यान रखा गया है।

चंडीगढ़ में अगर दोबारा भारतीय जनता पार्टी जीतकर आती है तो पहले से चल रही विकास योजनाएं तो पूरी होंगी ही बल्कि नई योजनाएं भी बिना किसी देरी के लागू होंगी। मनोहर लाल ने कांग्रेस का नाम लिए बगैर उन्हें आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अगर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाले लोग निगम में आ गए तो यहां फिर से घोटालों को दोहराया जाएगा और विकास योजनाओं की बजाए घोटालों को अंजाम देने की योजनाएं बनाई जाएंगी।

संक्षिप्त समाचार

दिनदहाड़े युवक की गोली मारकर की हत्या

सोनीपत। सोनीपत में हत्या की वारदातें रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला सरस्वती विहार कॉलोनी से सामने आया है, जहां एक युवक की दिनदहाड़े तीन गोलियां मारकर बेरहमी से हत्या की दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक युवक के परिजनों को जींद में सूचना भेज दी है। युवक यहां सोनीपत में एक डॉग फार्म हाउस पर नौकरी करता था। हरियाणा के सोनीपत की यह सरस्वती विहार कॉलोनी है। जिसमें इसी जगह पर जींद के गांव हाट बागडू के रहने वाला 25 वर्षीय युवक अनिल जब बच्चों को स्कूल छोड़ने के लिए जा रहा था। अचानक से उसके ऊपर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी गईं। वारदात की सूचना पुलिस को मिली तो मौके पर पहुंची पुलिस ने वारदात के बारे में आसपास के लोगों से पूछा की, तो उन्हें कोई खास जानकारी नहीं मिली। शहर थाना के जांच अधिकारी संदीप ने कहा कि एफएसएल टीम को बुलाकर घटनास्थल से तथ्य एकत्रित करके शव को कब्जे में लेकर सरकारी हस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस ने इस वारदात से संबंधित आरोपियों को गिरफ्तार करने से संबंधित पुलिस की तीन टीमों का गठन कर दिया है। यह मामला जींद से भी जुड़ा हुआ हो सकता है।

छात्र को चाकू मारने वाला आरोपी गिफ्तार

सोनीपत। सोनीपत की जीआरपी पुलिस ने एक दिसंबर को छात्र को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे अदालत में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। अब पुलिस इनके अन्य साथियों की तलाश में जुट गई है। सोनीपत में एक दिसंबर को गांव खेवड़ा निवासी हनी, सारंग रोड रेलवे लाइन के पास से जा रहा था। तब अचानक से कुछ युवकों ने छात्र पर चाकू से हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देकर सभी मौके से फरार हो गए। अब पुलिस ने वारदात में शामिल एक युवक विशाल उर्फ बंटी को गिरफ्तार किया है, जो काफी दिनों से फरार था। जीआरपी एसएचओ महावीर सिंह ने बताया कि इस वारदात में अन्य कई आरोपी भी शामिल है, उन्हें भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। फिलहाल इसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर भी लिया गया है। जल्द ही अन्य आरोपी भी गिरफ्तार होंगे। फिलहाल इनसे वारदात से संबंधित गहन पूछताछ की जा रही है। आखिर इस वारदात को अंजाम क्यों दिया।

हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा 18 व 19 को

करनाल। उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने कहा कि 18 और 19 दिसम्बर को करनाल जिले में आयोजित किए जा रहे हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा-2021 (एचटीईटी) के संबंध में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा केन्द्रों को नकलरहित बनाएं ताकि परीक्षा का सुचारू संचालन किया जा सके। उन्होंने कहा कि यदि कोई परीक्षार्थी अपनी ओएमआर शीट पूर्णत: खाली छोडक़र जाएगा तो उसे कैंसल किया जाए। उपायुक्त ने आज इस संबंध में अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली और शिक्षा विभाग के अधिकारियों को समुचित व्यवस्था करने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि 18 दिसम्बर को सायं 3 बजे से सायं 5.30 बजे तक करनाल में 10 केन्द्रों पर परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसी प्रकार 19 दिसम्बर को सुबह 10 बजे और शाम को 3 बजे से परीक्षा होगी जिनमें इसमें स्कूल लेक्चरर तथा स्कूल अध्यापकों की परीक्षा आयोजित होगी। उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने कहा कि परीक्षार्थियों की नियमित जांच के लिए 10 वरिष्ठ अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है जोकि परीक्षा को नकलरहित बनाएंगे।

महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रदर्शनी से पर्यटक खुश

कुरुक्षेत्र। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रदर्शनी में इलाके के स्कूली बच्चे बाल देख संस्थानों के बच्चों द्वारा बनाई हस्तकला से बेहद खुश हैं। बच्चे अपने स्कूली शिक्षकों के साथ भ्रमण के लिए पहुंच रहे हैं। प्रदर्शनी स्थल में रखी हस्तकला उनका ध्यान आकर्षित करती है। ये हस्तकला स्कूली बच्चों के लिए उपयोगी सिद्ध हो रही है। बच्चे हस्तकला की तस्वीरें ले रहे है कलाकृतियों की बनाये जाने की विधि को लेकर अचंभित है। स्कूली बच्चे प्रदर्शनी स्थल पर हस्तकला को देख कर चौक जाते हैं। जब उन्हें पता चलता है की कागज के टुकड़ों से बेकार सामान से इतना कुछ बनाया गया है हाथों और दिमाग के बेजोड़ मेल से एक आईडिया निकला गया और बना दी गई एक कमाल की कलाकृति। स्कूली बच्चों ने न केवल प्रदर्शनी को सराहा बल्कि इनको देखकर खुशी से उत्साहित हुए और बोले व्हाट एन आईडिया सर जी। प्रदर्शनी में स्कूली बच्चों को बाल विषयों पर जागरूक भी किया जा रहा है। इस मौके पर रीना फोगाट, इंदू शर्मा, रंजन शर्मा, पूनम, ज्योति, नेहा, नीलम व दीपक मौजूद रहे।

एनडीए की परीक्षा में गुरुकुल कुरुक्षेत्र के 32 छात्र हुए पास

कुरुक्षेत्र। गुरुकुल कुरुक्षेत्र के 32 छात्रों ने अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय देते हुए नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) की लिखित परीक्षा में सफलता अर्जित की है। छात्रों की इस उपलब्धि पर एनडीए विंग सहित पूरे गुरुकुल में उत्साह का माहौल है। गुरुकुल के संरक्षक एवं गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सभी छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं और गुरुकुल परिवार को बधाई दी। वहीं गुरुकुल के प्रधान कुलवन्त सैनी ने निदेशक व प्राचार्य कर्नल अरुण दत्ता, सह प्राचार्य शमशेर सिंह, जितेन्द्र अहलावत, प्रकाश जोशी, सूबेदार एसके मोहंती, सूबेदार बलवान सिंह को मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त की। निदेशक व प्राचार्य कर्नल अरुण दत्ता ने बताया कि यूपीएससी द्वारा 14 नवंबर 2021 को एनडीए की लिखित परीक्षा ली गई थी जिसमें देशभर के लगभग 5 लाख छात्रों ने भाग लिया। इस परीक्षा में गुरुकुल में एनडीए विंग के छात्र अभयनूर, अमन, अरुण चौहान, सुमिन्द्र, हरदीप मलिक, हर्ष वैद्य, कंवर प्रशान्त, कुशल, राहुल, रूद्राक्ष, सुमित, विषाल, विवेक यादव, विवेकानन्द, अभय सिंह, अभय कुमार, अमन नांदल, रोहन लाठर, रोहित कुमार, तुषार राणा, निखिल सैनी, सचिन यादव, हर्ष हुड्डा, अंकुश, ढाण्डा, अमन मलिक पंकज नरवाल आदि ने सफलता हासिल की है।

एक दिन और बढ़ा शीतकालीन सत्र

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

विस अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता की अध्यक्षता में बीएसी ने लिया निर्णय

गुप्ता बोले, प्रदेश हित के विषयों पर हर विधायक को देना चाहते है बोलने का पूरा मौका

हरियाणा विधान सभा के शीतकालीन सत्र को प्रभावी बनाने के लिए विस अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने व्यापक व्यवस्थाएं करवाई हैं। इस सिलसिले में उन्होंने नई परंपरा स्थापित करते हुए कार्य सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक सत्र शुरू होने से एक दिन पहले वीरवार को बुलाई। बैठक में शीतकालीन सत्र 22 दिसंबर तक आयोजित करने का निर्णय हुआ है।

विस अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री मनोहर लाल, उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, संसदीय कार्य मंत्री कंवर पाल, गृह मंत्री अनिल विज, नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, विधान सभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा उपस्थित रहे। बीएसी से पहले विस अध्यक्ष ने सुरक्षा प्रबंधों को लेकर उच्च स्तरीय बैठक की जिसमें नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और हरियाणा व चंडीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल रहे। बैठक में सत्र अवधि में चंडीगढ़-पंचकूला में होने वाले संभावित रोष-प्रदर्शनों के दौरान किए जाने वाले प्रबंधों पर चर्चा हुई।

कार्य सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में विधान सभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने कहा कि वे शीतकालीन सत्र के दौरान प्रदेश के सभी विधायकों को अपनी बात रखने के लिए अधिक से अधिक अवसर देना चाहते हैं। इसी सिलसिले में हरियाणा विधान सभा के गत सत्र से लोकसभा की तर्ज पर शून्यकाल की शुरुआत की गई है। गुप्ता ने कहा कि वे प्रश्नकाल को और अधिक प्रभावशाली बनाना चाहते हैं तथा सरकार की ओर से पेश किए जाने वाले प्रत्येक विधेयक पर व्यापक चर्चा करवाना चाहते है।

इस दौरान बीएसी सदस्यों ने सत्र की अवधि बढ़ाने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सरकार भी सत्र को अधिक से अधिक प्रभावी बनाने के पक्ष में है और निश्चित रूप से प्रदेश हित के विषयों पर व्यापक चर्चा होनी ही चाहिए। विधान सभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने कहा कि शीतकालीन सत्र के लिए 273 तारांकित और 173 अतारांकित प्रश्न विधान सभा सचिवालय को प्राप्त हुए हैं। सत्र के पहले 3 दिन के लिए ड्रा निकाला जा चुका है। 22 दिसंबर के होने वाले प्रश्नकाल के लिए ड्रा 17 दिसंबर को निकाला जाएगा। इसके साथ ही विधायकों ने 33 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव भी भेजे हैं।

गौरतलब है कि शीतकालीन सत्र कोविड प्रोटोकॉल पालन के साथ-साथ कड़ी सुरक्षा के बीच 17 दिसंबर को दोपहर बाद 2:00 बजे शुरू होगा। विधान भवन परिसर और आसपास क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद करने के लिए विधान सभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता पहले ही निर्देश जारी कर चुके हैं।

शहीद देश की धरोहर होते हैं, नहीं भुला सकते योगदान

पायनियर समाचार सेवा। रेवाड़ी

एडीसी आशिमा सांगवान ने कहा कि शहीद देश की धरोहर होते हैं, उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। शहीदों का जीवन आमजन के लिए प्रेरणादायक है। वह आज विजय दिवस पर रेजांगला पार्क स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दे रही थी। इस दौरान एसडीएम रविंद्र यादव भी उनके साथ थे।

एडीसी आशिमा सांगवान ने कहा कि पूरा देश आज का दिन भारतीय सेना की अतुलनीय उपलब्धि को विजय दिवस के रूप में मना रहा है। शहीदों का जीवन सभी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि यह गौरव की बात है कि हरियाणा प्रदेश वीरों की भूमि है और देश की रक्षा में तैनात सैनिकों में रेवाड़ी जिले की उल्लेखनीय भागीदारी है। एडीसी ने कहा कि अमर शहीदों ने देश के लिए जो बलिदान दिया है, उसके लिए हम उनके ऋणी रहेंगे। आशिमा सांगवान ने कहा कि 1971 के युद्ध में भारतीय सेना ने अदम्य साहस व वीरता का परिचय देते हुए पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब दिया था और पाकिस्तान की करारी हार हुई थी। सैन्य इतिहास में आज के दिन को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है, ताकि युवा पीढ़ी को अपने गौरवमयी इतिहास का ज्ञान बेहत्तर ढंग से कराया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की ओर से सैनिकों व पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए योजनाएं चलाई हुई हैं।

विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि देतेएडीसी आशिमा सांगवान व एसडीएम रविंद्र यादव।

विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए बोली एडीसी

एसडीएम रविंद्र यादव ने भी किए श्रद्धा सुमन अर्पित

शिरड़ी सांई मंदिर में भक्तों ने की पूजा अर्चना

कुरुक्षेत्र। श्रीशिरड़ी सांई मंदिर में वीरवार को सांई भक्तों ने पूजा अर्चना की। कई भक्तों ने मनोकामना पूर्ण होने पर प्रसाद वितरित किया।

श्रीसांई गाथा सुनाते हुए पुजारी विजय दत्त ने कहा कि साईं कहे वचनों के अनुसार परमात्मा कभी भाग्य नहीं लिखता। जीवन के हर कदम पर हमारी सोच, हमारे व्यवहार एवं हमारे कर्म ही हमारा भाग्य लिखते हैं। याद रखो, कर्मों की गति से आज तक बच नहीं पाया है चाहे अच्छे कर्म करो या बुरे, परिणाम तो भोगना ही पड़ेगा। न्याय की चक्की धीमी जरुर चलती है परन्तु पिसती बहुत बारीक है। आरती में अध्यक्ष डॉ.विजय शर्मा, राजेश्वर, परमिंदर मनचंदा, सुरेश कुमार, प्रवीण शर्मा,आरुप दास, रमण बंसल,यश अरोड़ा, सत्य प्रकाश, धीरज मैहता, तरुण ढींगढ़ा, गगनदीप आशु, गौरव गर्ग आदि मौजूद रहे।

विधिक सेवा प्राधिकरण में लगा शिविर

एचआईवी और एड्स की दी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

स्वास्थ्य विभाग की डिप्टी सिविल सर्जन डा. सिम्मी कपूर ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा एचआईवी/एड्स को लेकर जागरूकता शिविर जिला कोर्ट में लीगल सर्विस अथॉरिटी करनाल में लगाया गया। मौके पर आईसीटीसी काउंसलर ममता, एलटी रेखा शर्मा मौजूद रहीं। कैम्प में जिला नागरिक अस्पताल करनाल की लैब टैक्निशियन रेखा शर्मा द्वारा वहां पर उपस्थित वकील, आम नागरिकों की एचआईवी टैस्टिंग की गई।

शिविर में कुल 56 एचआईवी टैस्टिंग की गई। जिसमें 2 गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। एचआईवी टैस्टिंग में कोई भी पॉजिटिव नहीं पाया गया। इस अवसर पर आईसीटीसी काउंसलर ममता ने टोल फ्री हैल्पलाइन नम्बर 1097 के बारे में जानकारी दी ताकि एचआईवी के बारे में जनता को अधिक से अधिक जानकारी मिले व नि:शुल्क टैस्टिंग, निशुल्क परामर्श आईसीटीसी सैंटर पर लोग करवा सकें व इन केन्द्रों पर सभी आए हुए लोगों की गोपनीयता का पूरा ध्यान रखा जाए। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य ही अधिक से अधिक एचआईवी/एड्स की टैस्टिंग है ताकि इस बीमारी को फैलने से रोका जा सके। कैम्प में उपस्थित स्टाफ व आमजन ने एचआईवी/एड्स से सम्बधिंत प्रश्न किए जिनके समाधान व उर जिला नागरिक अस्पताल की कांउसलर द्वारा दिए गए।

एनजीओ कार्यकर्ताओं को दी गई ट्रेनिंग

इसके अतिरिक्त आज शाम 3 बजे सिविल सर्जन, कार्यालय के करनाल के प्रशिक्षण हॉल में नोडल अधिकारी, एचआईवी डा. सिम्मी कपूर की अध्यक्षता में एनजीओ साथी द्वारा ईएमटीसीटी की ट्रेनिंग दी गई। ट्रेनिंग आईसीटीसी, आर्ट, एसटीआई स्टाफ व जिला करनाल के सभी प्राईवेट अस्पतालों से आए स्टाफ को एंटेनेटल स्क्रीनिंग ऑफ एचआईवी एंड स्फिल्स की ट्रेनिंग दी गई। ट्रेनिंग का मुख्य उद्देश्य आरम्भ से गर्भवती महिलाओं की एचआईवी एंड स्फिल्स की जॉच करना है अगर कोई गर्भवती महिला एचआईवी पॉजिटिव पाई जाती है तो उस बीमारी को मां से बच्चें तक फैलने को रोका जा सके एवं स्वस्थ एचआईवी गर्भवती महिला द्वारा स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया जा सके।

शहर वासियों की सहभागिता से चलेगी नगर निगम

देश का पहला स्लम फ्री सिटी होगा चंडीगढ़, कच्चे कर्मचारी होंगे पक्के

भाजपा ने संकल्प पत्र से दिया सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास का संदेश

बुढापा पेंशन होगी 2000 ओबीसी को मिलेगा आरक्षण का लाभ

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

भाजपा ने नहीं चंडीगढ़ वासियों ने तैयार किया संकल्प पत्र

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष अरुण सूद ने कहा कि इस बार का संकल्प पत्र भाजपा ने नहीं बल्कि चंडीगढ़ वासियों ने तैयार किया है। चुनाव से पहले भाजपा ने मेरा चंडीगढ़-मेरा सुझाव के नाम से एक अभियान चलाकर शहर वासियों से सुझाव मांगे थे। इसके लिए 27 नवंबर से 13 दिसंबर तक शहर में दो सौ स्थानों पर सुझाव पेटियां रखी गई। जिनमें 79 हजार 892 सुझाव प्राप्त हुए। इन सुझावों के आधार पर ही संकल्प पत्र तैयार किया गया है।

भारतीय जनता पार्टी ने नगर निगम चुनाव के लिए अपना संकल्प पत्र जारी करते हुए कहा है कि चंडीगढ़ देश का पहला स्लम फ्री सिटी बनेगा। इसकी शुरूआत हो चुकी है। जल्द ही चंडीगढ़ पूरी तरह से झौपड़-पट्टी मुक्त होगा। यहां नई झुग्गियों के निर्माण को रोककर मौजूदा झुग्गी-झौंपड़ी वासियों को पक्के घर दिए जाएंगे। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में महिलाओं, युवाओं, बजुर्गों, कर्मचारियों समेत हर वर्ग का ख्याल रखा है।

केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भाजपा अध्यक्ष अरूण सूद, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष संजय टंडन, भारत के एडिशनल सॉलिस्टर जरनल एवं पूर्व सांसद सत्यपाल जैन तथा महामंत्री चंद्रशेखर के साथ आज यहां पार्टी कार्यालय में भाजपा का संकल्प पत्र जारी किया। इस अवसर पर पीयूष गोयल ने कहा कि पिछले कार्यकाल के दौरान कर्मचारियों के हित में कई योजनाओं को लागू किया गया है।

इस बार भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार कच्चे कर्मचारियों को पहल के आधार पर पक्का किया जाएगा। वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन को एक हजार से बढ़ाकर दो हजार करने तथा 70 फीसदी से अधिक दिव्यांग की पेंशन ढाई हजार की जाएगी। चंडीगढ़ वासियों को नौकरियों में प्राथमिकता दिए जाने का ऐलान करते हुए भाजपा नेताओं ने कहा कि यहां संवैधानिक व्यवस्था के तहत ओबीसी आरक्षण को लागू किया जाएगा। हरियाणा की तर्ज पर गांवों में लाल डोरा सीमा को खत्म करते हुए सभी निमार्णों को नियमित करने क बात करते हुए संकल्प पत्र में चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड, एस्टेट ऑफिस के तहत आने वाले सभी घरों, कमर्शियल एवं औद्योगिक इमारतों में आवश्यकता अनुसार पुरान व नए बदलावों को नियमित किया जाएगा। शहर की सभी कमर्शियल, औद्योगिक, एवं हाउसिंग सोसयटियों को रियायती दरों पर लीज होल्ड से फ्री होल्ड करने की नीति लाई जाएगी।

भाजपा के संकल्प पत्र के कुछ अन्य अहम बिंदु

- निगम के कार्यों में आरडब्ल्यूए की भागेदारी बढ़ाएंगे।
- आधुनिक तकनीक वाला गारबेज प्रोसैसिंग प्लांट लगाया जाएगा।
- घरों की सभी मंजिलों से कूड़ा एकत्रित करवाया जाएगा।
- वर्ष 2023 तक 600 करोड़ के जल-जीवन कोष से सभी वार्डों में नई पाइपें डाली जाएगी।
- शहर में 24 गुणा 7 के फार्मूले पर पेयजल की आपूर्ति की जाएगी।
- चंडीगढ़ की अंदरूनी सड़कों पर भी सीसीटीवी लगाए जाएंगे।
- सभी गांवों,कालोनियों व सेक्टरों में साउंडप्रूफ कम्यूनिटी सेंटर बनेंगे। जहां फ्री वाईफाई, इनडोर गेम और रीडिंग रूम की सुविधाएं होंगी।
- रेहड़ी-पटरी वालों के रोजगार को नई पॉलिसी लाई जाएगी।
- इम्प्लाई हाउसिंग स्कीम के तहत किफायती दरों पर आवास दिए जाएंगे।
- शहर के सभी गरीब लोगों को आयुष्मान भारत योजना में पांच लाख का बीमा कवर देंगे।
- चंडीगढ़ में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग, क्लीन एनर्जी के क्षेत्रों को प्रोत्साहित करके एक लाख से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करेंगे।
- एयर प्यूरीफायर टावर, इलेक्ट्रिक वाहनों व चार्जिंग स्टेशनों को बढ़ाकर देश का दस लाख से अधिक जनसंख्या वाला पहला कार्बन न्यूट्रल शहर बनाएंगे।
- स्कूल,कालेज व पब्लिक टायलेटस में निशुल्क सैनेटरी नेपकिन वेंडिंग मशीन एवं डिस्पोजल मशीन लगाई जाएंगी।
- भविष्य की जरूरतों के अनुसार स्वास्थ्य सुविधाएं अपग्रेड की जाएंगी।
- सीनियर सिटीजन व पूर्व सैनिकों के लिए सभी निगम व प्रशासनिक समस्याओं के निवारण के लिए सिंगल विंडो सुविधा दी जाएगी।
- इम्पलायज हाउसिंग स्कीम के तहत किफायती दरों पर आवास दिए जाएंगे।
- ट्रांसजेंडर्स के लिए पब्लिक शौचालयों का निर्माण किया जाएगा।

सोशल साईट की 911 पोस्ट से देश ही नहीं विदेश में भी पहुंचा गीता महोत्सव

विदेशों में लोगों ने देखी महोत्सव की अहम झलकियां

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

साइट पर अपडेट करते कर्मी।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव की सोशल साईटस पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पत्रकारिता निदेशालय के 12 विद्यार्थियों ने 911 पोस्ट डालकर देश-विदेश के लोगों तक अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव की अहम झलकियों को पहुंचाने का काम किया। यह विद्यार्थी करीब 1 माह से निस्वार्थ भाव से कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड और प्रशासन द्वारा अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के लिए बनाई गई सोशल साईटस को अपडेट करने का काम कर रहे है।

इन विद्यार्थियों ने अब तक इंस्टाग्राम, फेसबुक पेज पर 911 पोस्ट अपलोड कर दी है। अहम पहलू यह है कि इन पोस्ट को लाखों लोगों ने लाइक किया है। खास बात यह है कि इस महोत्सव के अहम पहलूओं को देश-विदेश के लोगों तक पहुंचाने के लिए विद्यार्थियों ने स्वैच्छा से काम किया और बिना पैसा खर्च किए ही विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने इस कार्य को सहजता से पूरा कर लिया। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2021 के तमाम कार्यक्रमों को सोशल साईटस के माध्यम से देश-विदेश के लाखों लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रशासन द्वारा कुरुक्षेत्र विवि मॉस कम्यूनिकेशन निदेशालय से संपर्क किया। उपायुक्त मुकुल कुमार और कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुभव मेहता ने विश्वविद्यालय करीब 15 विद्यार्थियों का चयन किया और सीएमजीजीए अविनाश को सोशल साईटस को अपडेट करने की जिम्मेवारी सौंपी गई। उपायुक्त के आदेशों के अनुसार कुरुक्षेत्र विवि पत्रकारिता निदेशालय से बीएससी ग्राफिक्स एनीमेशन के विद्यार्थी आदित्य, नितिन, सचिन, हर्ष सैनी, सागर पांचाल, बीएससी मॉस कम्यूनिकेशन की दीक्षा, ज्योति, नंदनी, विशाल यादव, बीएएमसी से केतन, गौरव, अंशुमन, सत्यावान व भव्य तनेजा की टीम ने सीएमजीजीए अविनाश के नेतृत्व में 17 नवंबर 2021 से सोशल साईटस को अपडेट करने की कमान संभाल ली थी। इसके अलावा अंडर ट्रेनिंग आईएएस जया शारदा और अनुप्रिया खुराना ने भी अहम योगदान दिया है। इन विद्यार्थियों को इंटरनेशनल गीता महोत्सव की वेबसाईट, यूटयूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक व ट्वीटर को अपडेट करने की जिम्मेवारी सौंपी गई।

मध्य प्रदेश: हेलीकॉप्टर हादसे में शहीद हुए वरुण सिंह के परिवार को सम्मान निधि मिलेगी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तमिलनाडु में कुन्नूर के पास हेलीकॉप्टर हादसे में शहीद हुए वायु सेना के ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के परिवार को एक करोड़ रुपये की सम्मान निधि देने की बृहस्पतिवार को घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंह का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय और सैनिक सम्मान के साथ भोपाल में किया जाएगा। चौहान ने ट्वीट किया, मां भारती के सपूत, शौर्य के प्रतीक, वीर जवान, श्रद्धेय वरुण सिंह जी के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय और सैनिक सम्मान के साथ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, परिवार को एक करोड़ रुपये की सम्मान निधि और नौकरी दी जाएगी

उन्होंने कहा, श्रद्धेय वरुण सिंह जी की स्मृतियों को अक्षुण्ण रखने के लिए उनकी प्रतिमा की स्थापना और संस्था का नामकरण उनके नाम पर किया जाएगा। चौहान ने कहा, उनके परिवार को एक करोड़ रुपए की सम्मान निधि और परिवार के सदस्य को शासकीय नौकरी दी जाएगी। अमर शहीद के चरणों में नमन।

तमिलनाडु में कुन्नूर के पास हुए हेलीकॉप्टर हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए वायु सेना के ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह का बुधवार सुबह बेंगलुरु के एक सैन्य अस्पताल में निधन हो गया। आठ दिसंबर को हुए इस हादसे में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य सैन्य कर्मियों की जान चली गई थी। सूत्रों के अनुसार सिंह का पार्थिव शरीर बृहस्पतिवार को वायुसेना के एक विमान से वायु सेना स्टेशन एलहांका से भोपाल के राजभोज हवाई अड्डा लाया जाएगा, जहां से उनका पार्थिव शरीर हवाई अड्डे के पास उनके पिताजी के घर इनर कोर्ट, सन सिटी में ले जाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए इनर कोर्ट भवन से सटे एक पार्क में दिन में साढ़े तीन बजे से शाम साढ़े चार बजे के बीच अंतिम दर्शन के लिए शव को रखा जाएगा, जहां परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और प्रियजनों के साथ ही अन्य लोग पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। सूत्रों के अनुसार उनका अंतिम संस्कार 17 दिसंबर को दोपहर करीब एक बजे किया जाएगा।

मप्र में बच्ची बोरवेल में गिरी

छतरपुर (मप्र)। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के एक गांव में बृहस्पतिवार को डेढ़ साल की एक बच्ची खेलते-खेलते अचानक खेत में बने एक बोरवेल में गिर गई। लुगासी चौकी प्रभारी अतुल झा ने बताया कि छतरपुर जिला मुख्यालय से करीब 32 किलोमीटर दूर नौगांव थाना क्षेत्र के दोनी गांव में दोपहर करीब तीन बजे राकेश कुशवाहा की डेढ़ वर्षीय बेटी दिव्यांशी अपने खेत में खेलते-खेलते वहां बने खुले बोरवेल में गिर गई। उन्होंने कहा कि यह बच्ची बोरवेल में लगभग 15-20 फीट की गहराई में जाकर फंसी हुई है।

खेती को कैमिस्ट्री लैब से निकाल कर प्रकृति की प्रयोगशाला से जोड़ें: मोदी

प्राकृतिक खेती पर आयोजित राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र को वीसी से संबोधित कर कहा

प्रधानमंत्री ने कहा प्राचीन ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक सांचे में ढालना होगा

एजेंसी। आनंद (गुजरात)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भले ही रसायन और उर्वरकों ने हरित क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो, लेकिन अब खेती को रसायन की प्रयोगशाला से निकालकर प्रकृति की प्रयोगशाला से जोड़ने का समय आ गया है और इस दिशा में कृषि से जुड़े प्राचीन ज्ञान को ना सिर्फ फिर से सीखने की जरूरत है बल्कि उसे आधुनिक समय के हिसाब से तराशने की भी आवश्यकता है।

प्राकृतिक खेती पर यहां आयोजित राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने किसानों से प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान किया और कहा कि इस दिशा में नए सिरे से शोध करने होंगे और प्राचीन ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक सांचे में ढालना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती का सबसे अधिक लाभ छोटे किसानों को होगा और यदि वह प्राकृतिक खेती का रुख करेंगे तो उन्हें भी इसका लाभ होगा। उन्होंने सभी राज्यों से प्राकृतिक खेती को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, कृषि के अलग-अलग आयाम हो, खाद्य प्रसंस्करण हो या फिर प्राकृतिक खेती हो, यह विषय 21वीं सदी में भारतीय कृषि का कायाकल्प करने में बहुत मदद करेगा। आजादी के अमृत महोत्सव में आज समय अतीत का अवलोकन करने और उनके अनुभवों से सीख लेकर नए मार्ग बनाने का भी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद के दशकों में जिस तरह देश में खेती हुई और जिस दिशा में वह बढ़ी, वह सभी ने बहुत बारीकी से देखा है। उन्होंने कहा, अगले 25 वर्ष का जो हमारा सफर है, वह नई आवश्यकताओं और नई चुनौतियों के अनुसार अपनी खेती को ढालने का है। पिछले सात वर्ष में खेती और कृषि के क्षेत्र में उठाए गए विभिन्न कदमों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज दुनिया भर में खेती को विभिन्न चुनौतियों से दो चार होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, यह सही है कि रसायन और उर्वरक ने हरित क्रांति में अहम रोल निभाया है लेकिन यह भी उतना ही सच है कि हमें इसके विकल्पों पर भी साथ ही साथ काम करना होगा और अधिक ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा, इससे पहले खेती से जुड़ी समस्याएं भी विकराल हो जाएं, बड़े कदम उठाने का यह सही समय है। हमें अपनी खेती को कैमिस्ट्री की लैब से निकालकर प्रकृति की प्रयोगशाला से जोड़ना ही होगा। जब मैं प्रकृति की प्रयोगशाला की बात करता हूं तो ए पूरी तरह से विज्ञान आधारित ही है।

उन्होंने कहा कि खेती में उपयोग होने वाले खाद और कीटनाशक दुनिया के विभिन्न कोनों से अरबों-खरबों रुपए खर्च करके लाना होता है और इस वजह से खेती की लागत भी बढ़ती है, किसान का खर्च बढ़ता है और गरीब की रसोई भी महंगी होती है। उन्होंने कहा कि कम लागत और ज्यादा मुनाफा ही प्राकृतिक खेती है और आज दुनिया जितनी आधुनिक हो रही है, उतना ही वह जड़ों से जुड़ रही है। इस शिखर सम्मेलन में प्राकृतिक खेती पर ध्यान केन्द्रित किया गया और किसानों को प्राकृतिक खेती के तरीके अपनाने के लाभों के बारे में सभी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई गई।

मिश्रा की बर्खास्तगी से इनकार सरकार के नैतिक दिवालियेपन का संकेत

कहा, अजय मिश्रा को बर्खास्त कर उनके खिलाफ मामला दर्ज होना चाहिए

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने लखीमपुर खीरी मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) के आवेदन की पृष्ठभूमि में बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा को बर्खास्त करने से इनकार करना केंद्र सरकार के नैतिक दिवालियेपन का सबसे स्पष्ट संकेत है। उन्होंने यह भी कहा कि मिश्रा को बर्खास्त कर उनके खिलाफ कानून के मुताबिक मामला दर्ज होना चाहिए।

कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी ने ट्वीट किया, अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने से सरकार का इनकार उसके नैतिक दिवालिएपन का सबसे स्पष्ट संकेत है। नरेंद्र मोदी जी, सावधानीपूर्वक धार्मिकता का प्रदर्शन करने और धार्मिक वस्त्र धारण करने से यह तथ्य नहीं बदल जाएगा कि आप एक अपराधी को बचा रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त किया जाना चाहिए और कानून के मुताबिक मामला दर्ज करना चाहिए। गौरतलब है कि लखीमपुर खीरी हिंसा मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अब तक की छानबीन और साक्ष्यों के आधार पर दावा किया है कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा टेनी के पुत्र और उसके सहयोगियों द्वारा जानबूझकर, सुनियोजित साजिश के तहत घटना को अंजाम दिया गया।

एसआईटी के मुख्य जांच निरीक्षक विद्याराम दिवाकर ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत में दिए गए आवेदन में आरोपियों के विरुद्ध उपरोक्त आरोपों की धाराओं के तहत मुकदमा चलाने का अनुरोध किया है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के पुत्र आशीष मिश्रा मोनू और कुछ अन्य लोगों पर लखीमपुर खीरी में तीन अक्टूबर को प्रदर्शन कर रहे किसानों को जीप से कुचलने का आरोप है। इस घटना में और इसके बाद भड़की हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ने सेना के शौर्य व इंदिरा के नेतृत्व को याद किया

नई दिल्ली। कांग्रेस ने 50वें विजय दिवस के अवसर पर बृहस्पतिवार को 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए भारतीय सेना के शौर्य को सलाम किया और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कुशल नेतृत्व को याद किया। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 1971 के युद्ध के शहीदों और योद्धाओं को याद करता हूं। भारत ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी के कुशल नेतृत्व में लोकतंत्र के विचार को बचाने के युद्ध में विजय हासिल की थी। जय हिंद। कांग्रेस ने अपने ट्विटर हैंडल के माध्यम से कहा, बहादुर भारतीय सेना शांति और समृद्धि की योद्धा है। भारतीय सेना के शौर्य और साहस ने शांति की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उसका उदाहरण बांग्लादेश को पाकिस्तान के अत्याचारों से मुक्ति दिलाना है। मुख्य विपक्षी पार्टी ने इंदिरा गांधी की एक तस्वीर साझा करते हुए यह भी कहा, विजय प्राप्ति के बाद लौह महिला इंदिरा गांधी का भाषण राष्ट्र भावना से ओतप्रोत करने वाला था। देश की सेना के पराक्रम ने पाकिस्तान को पराजित कर विश्व में भारत का परचम लहराया। विजय दिवस के अवसर पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने 1971 के युद्ध में पाकिस्तानी सेना के खिलाफ भारतीय सेना की जीत और इंदिरा गांधी के नेतृत्व का वर्णन करने वाला एक वीडियो साझा किया। पार्टी के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने कहा, बांग्लादेश की मुक्ति और पाकिस्तान पर भारतीय सेना की निर्णायक जीत का 50 साल एक ऐसा मौका है जब हमें इंदिरा गांधी के मजबूत संकल्प और प्रेरक नेतृत्व को गर्व से याद करना चाहिए। हम करोड़ों लोगों की रक्षा करने के लिए दिखाए गए शौर्य और दिए गए बलिदान के लिए भारतीय सेना को सलाम करते हैं। आज के ही दिन 1971 में 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों का नेतृत्व कर रहे लेफ्टिनेंट जनरल आमिर अब्दुल्ला खान नियाजी ने ढाका में लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के नेतृत्व में भारतीय सेना के समक्ष आत्मसमर्पण किया था और पूर्वी पाकिस्तान को बांग्लादेश घोषित किया गया था।

दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण का स्थाई समाधान करे

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण की समस्या से निजात पाने के लिए स्थाई समाधान के वास्ते जनता और विशेषज्ञों से सुझाव मांगने के निर्देश बृहस्पतिवार को दिए। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण, न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने आयोग की ओर से दाखिल एक रिपोर्ट पर गौर किया। इसमें न्यायालय को सूचित किया गया था कुछ उद्योगों पर लगी पाबंदियां हटाने का निर्णय लिया गया है। पीठ ने कहा, समिति की रिपोर्ट उठाए गए कदमों की जानकारी देती है। निर्माण से जुड़ी गतिविधियों के बारे में कहा गया है कि इस संबंध में निर्णय कल लिया जाएगा। हम मामले को सुनवाई के लिहाज से फरवरी के पहले सप्ताह के लिए सूचीबद्ध करेंगे। इस बीच हम आयोग को निर्देश देते हैं कि वह प्रदूषण की समस्या से निजात पाने के लिए स्थाई समाधान के वास्ते जनता और विशेषज्ञों से सुझाव मांगे। इससे पहले, मामले की सुनवाई शुरू होने पर सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि दुग्ध, डेयरी प्रसंस्करण, दवाओं के निर्माण, जीवन रक्षक दवाइयां और चिकित्सकीय साजो सामान से जुड़ी औद्योगिक प्रक्रियाओं को शुरू करने की मंजूरी दे दी गई हैं। उन्होंने कहा कि कुछ उद्योगों को आठ घंटे काम करने की मंजूरी दी गई थी, कुछ उद्योगों ने कहा कि उनके उद्योग की प्रकृति ऐसी है कि आठ घंटे पर्याप्त नहीं है। मेहता ने कहा, हमने उनसे सात दिन नहीं केवल पांच दिन सतत प्रक्रिया जारी रखने को कहा है। हमने ऐसी व्यवस्था की है कि ए समान दिनों में काम नहीं करें। उन्होंने कहा, जो ताप विद्युत संयंत्र बंद हैं, वे बंद ही रहेंगे लेकिन और बंद नहीं किए जाएंगे। निर्माण गतिविधियों पर फैसला कल लिया जाएगा। अस्पताल निर्माण की अनुमति है, जबकि ट्रक आदि पर रोक जारी है। मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा कि केवल अल्पकालिक उपाय प्रस्तावित किए गए हैं और वायु प्रदूषण की समस्या के लिए दीर्घकालिक स्थाई समाधान की आवश्यकता है। सिंह ने कहा, ये (एसजी द्वारा पेश) अल्पकालिक उपाय हैं। मेरे पास कुछ सुझाव हैं। स्थाई समाधान तलाशे जाने की जरूरत है। इस पर पीठ ने उनसे कहा कि वह सुझाव पेश करें ,जिन पर आयोग द्वारा गठित विशेषज्ञों का एक समूह गौर करेगा।

कर्नाटक में ग्रुप कैप्टन को दी श्रद्धांजलि, शव भोपाल पहुंचा

बेंगलुरू। तमिलनाडु में कुन्नूर के पास हुए हेलीकॉप्टर हादसे में जीवित बचे एकमात्र व्यक्ति वायु सेना के ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह का निधन होने के बाद बृहस्पतिवार को विशेष विमान में उनका पार्थिव शरीर भोपाल के लिए रवाना किया गया। आठ दिसंबर को हुए इस हादसे में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य सैन्य कर्मियों की जान चली गई थी। हादसे में गंभीर रूप से घायल वरुण सिंह का उपचार जारी था, लेकिन बुधवार सुबह बेंगलुरू के एक सैन्य अस्पताल में उनका निधन हो गया था। ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के शव को आज सुबह अस्पताल से एलहंका में वायु सेना के अड्डे पर ले जाया गया, जहां कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, सैन्य और सरकारी अधिकारियों के अलावा वरुण सिंह के परिवार के सदस्यों ने दिवंगत को पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद विशेष विमान से वरुण सिंह के पार्थिव शरीर को भोपाल के लिए भेजा गया। भोपाल में 17 दिसंबर शुक्रवार को ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह का अंतिम संस्कार किया जाएगा। उत्कृष्ट टेस्ट पायलट माने जाने वाले 39 वर्षीय ग्रुप कैप्टन के परिवार में पत्नी, 11 वर्षीय बेटा और आठ वर्षीय बेटी है। सिंह के पिता कर्नल (सेवानिवृत्त) केपी सिंह आर्मी एअर डिफेंस में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। सिंह का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के गाजीपुर का रहने वाला है, जो अभी भोपाल में रहता है। वायु सेना के एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर के आठ दिसंबर को दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद ग्रुप कैप्टन गंभीर रूप से झुलस गए थे और उन्हें वेलिंगटन के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कैप्टन सिंह को पिछले बृहस्पतिवार को तमिलनाडु के वेलिंगटन से बेंगलुरू के कमांड अस्पताल में स्थानांतरित किया गया था।

उपराष्ट्रपति ने 1971 के युद्ध में सशस्त्र बलों की सराहना की

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने बृहस्पतिवार को 50वें विजय दिवस के अवसर पर 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान असाधारण वीरता और अटूट देशभक्ति प्रदर्शित करने वाले भारतीय सशस्त्र बलों के जवानों को नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

उपराष्ट्रपति ने ट्वीट किया, विजय दिवस के अवसर पर मैं 1971 के युद्ध में शहीद हुए हमारे वीर सैनिकों की कीर्ति को कृतज्ञतापूर्वक प्रणाम करता हूं और उनके परिजनों के धैर्य को विनम्र नमन करता हूं। आपके युद्ध कौशल ने भारतीय सेना की शौर्य परंपरा में नया अध्याय जोड़ा, जो देश की रक्षा सेनाओं के लिए सदैव प्रेरणा-स्तंभ रहेगा। नायडू ने एक अन्य ट्वीट में कहा, पचास वर्ष पूर्व, 1971 में आज ही के दिन पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण किया था। हमारी सेनाओं ने युद्ध में देश को निर्णायक विजय दिलाई थी।

विजय दिवस के इस गौरवशाली अवसर पर उस युद्ध में भाग लेने वाले भारत की तीनों सेनाओं के सभी सैनिकों का अभिनंदन करता हूं। ज्ञात हो कि 1971 में आज ही के दिन पूर्वी पाकिस्तान के चीफ मार्शल लॉ एडमिनिस्ट्रेटर लेफ्टिनेंट जनरल आमिर अब्दुल्ला खान नियाजी और पूर्वी पाकिस्तान में स्थित पाकिस्तानी सैन्य बलों के कमांडर ने बांग्लादेश के गठन के लिए इंस्ट्रूमेंट ऑफ सरेंडर पर हस्ताक्षर किए थे। नियाजी ने ढाका में भारतीय और बांग्लादेश बलों का प्रतिनिधित्व कर रहे जगजीत सिंह अरोरा की उपस्थिति में ए हस्ताक्षर किए थे। 1971 में नौ महीने तक चले युद्ध के बाद बांग्लादेश अस्तित्व में आया।

दूसरी लहर में ऑक्सीजन की कमी से कोई मौत नहीं: यूपी

सदस्य दीपक सिंह ने विस में पूछा, मंत्री व सांसदों के ऑक्सीजन की कमी से मौतों पर लिखे पत्र झूठे थे क्या

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार ने बृहस्पतिवार को विधान परिषद में दावा किया कि प्रदेश में कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी से किसी भी व्यक्ति की मौत की सूचना नहीं है। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस सदस्य दीपक सिंह द्वारा पूछे गए एक सवाल पर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह ने कहा, प्रदेश में कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी से किसी भी व्यक्ति की मौत की सूचना नहीं है।

दीपक सिंह ने इस पर अपना पक्ष रखते हुए कहा, सरकार के ही कई मंत्रियों ने पत्र लिखकर कहा कि प्रदेश में ऑक्सीजन की कमी के कारण मौतें हो रही हैं। इसके अलावा कई सांसद भी ऐसी शिकायत कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश में ऑक्सीजन की कमी से मौत की अनेक घटनाएं सामने आई हैं। क्या पूरे प्रदेश में ऑक्सीजन की कमी से जो मौतें हुई थीं। उनके बारे में सरकार के पास कोई सूचना नहीं है। क्या गंगा में बहती लाशें और ऑक्सीजन की कमी से तड़पते लोगों को राज्य सरकार ने नहीं देखा था। सपा सदस्य उदयवीर सिंह ने इस पर सवाल किया, आगरा में पारस अस्पताल के खिलाफ उत्तर प्रदेश सरकार ने कार्यवाही की क्योंकि उनके अस्पताल के डॉक्टर का वीडियो वायरल हुआ था और यह तथ्य भी सामने आया कि ऑक्सीजन की कमी होने के कारण आधे मरीजों को ऑक्सीजन दी गई और ऑक्सीजन की आपूर्ति नहीं होने से आधे मरीजों की मृत्यु हो गई क्योंकि जिलाधिकारी के निर्देश पर ऑक्सीजन आपूर्ति बंद की गई थी। इस मामले में राज्य सरकार ने खुद कार्वाई की, ऐसे में सदन में यह गलत बयानी कैसे कर सकती है कि उत्तर प्रदेश में ऑक्सीजन की कमी से किसी की मौत नहीं हुई।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीज की मौत होने पर उसका मृत्यु प्रमाण पत्र डॉक्टर लिखकर देते हैं। प्रदेश में अब तक कोविड-19 के कारण जिन 22915 मरीजों की मृत्यु हुई है उनमें से किसी के भी मृत्यु प्रमाण पत्र में कहीं भी ऑक्सीजन की कमी से मौत का जिक्र नहीं है। उन्होंने कहा कि इन लोगों की मौत विभिन्न बीमारियों और असाध्य रोगों की वजह से हुई है। ऑक्सीजन की कमी पहले थी। सभी लोग जानते हैं कि उस दौरान दूसरे प्रदेशों से लाकर ऑक्सीजन की व्यवस्था की गई थी। जहां तक पारस अस्पताल की बात है तो उस मामले में पूरी जांच की गई थी। जिलाधिकारी और पुलिस आयुक्त की जांच रिपोर्ट भी आई थी जिसमें एक मॉक ड्रिल करने की बात आई थी। उसमें ऑक्सीजन की कमी से किसी की भी मृत्यु का जिक्र नहीं है। इस पर उदयवीर सिंह ने आपत्ति जताते हुए कहा कि अगर राज्य सरकार मृत्यु प्रमाण पत्र में मृत्यु की जगह विलोपित लिखे तो क्या मृत्यु का सत्य बदल जाएगा। जब सरकार ने ऑक्सीजन बंद करने के कारण हुई मौत के आरोप में किसी को जेल भेजा तो फिर वह कैसे कह सकती है कि ऑक्सीजन की कमी की वजह से किसी की मौत नहीं हुई।

दीपक सिंह ने तर्क दिया कि सरकार के जिन मंत्रियों ने ऑक्सीजन की कमी से संबंधित पत्र लिखे थे, क्या वे झूठे थे। नेता सदन दिनेश शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री ने पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे दिया है। विपक्ष के सदस्यों को यह कहना चाहिए कि उत्तर प्रदेश सरकार की तत्परता और शीघ्रता की वजह से दवाओं की उपलब्धता और उपचार की व्यवस्था हुई जिसके कारण संभावित बड़ी दुर्घटना पर अंकुश लगाने में हम सफल हुए।

लखीमपुर खीरी मामले में विपक्षी सदस्यों का लोकसभा में हंगामा

लोकसभा सदस्यों के विरोध के चलते कार्यवाही दिनभर के लिए की स्थगित

नई दिल्ली। लोकसभा में बृहस्पतिवार को कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों के सांसदों ने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा अदालत में दिए आवेदन की पृष्ठभूमि में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के इस्तीफे की मांग करते हुए भारी हंगामा किया। जिसके कारण सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न करीब 2:10 बजे दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

सदन की बैठक एक बार के स्थगन के अपराह्न दो बजे शुरू हुई तो पीठासीन सभापति भर्तृहरि महताब ने आवश्यक कागजात सभा पटल पर रखवाए। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच ही पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने जैविक विविधता (संशोधन) विधेयक, 2021 पेश किया। हंगामा नहीं थमने पर सभापति ने कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया। सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सैन्य अधिकारी ग्रुप कैप्टन वरूण सिंह के निधन के बारे में सूचना दी और सदस्यों ने कुछ पल मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। गत आठ दिसंबर को हुए हेलीकॉप्टर हादसे में वरूण सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे और बुधवार को उनका निधन हो गया। लोकसभा अध्यक्ष ने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ जीत की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर स्वर्णिम विजय दिवस की बधाई दी और भारतीय सेना तथा बांग्लादेश के स्वतंत्रता सेनानियों के शौर्य को याद किया। बिरला ने जैसे ही प्रश्नकाल को आगे बढ़ाया, उसी समय कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्य नारेबाजी करते हुए आसन के निकट पहुंच गए। कई सदस्यों ने हाथों में तख्तियां भी ले रखी थीं। प्रश्नकाल के दौरान ही जब अध्यक्ष बिरला ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय से जुड़ा पूरक प्रश्न पूछने के लिए कहा तो राहुल ने लखीमपुर खीरी हिंसा मामले को उठाया और गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा को बर्खास्त करने की मांग की। बिरला ने उनसे अपील की कि वह विषय से संबंधित प्रश्न पूछें। इस दौरान विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी जारी रही। बिरला ने नारेबाजी कर रहे सदस्यों से अपने स्थान पर जाने और प्रश्नकाल चलने देने की अपील की।

उन्होंने कहा, सदन में तख्तियां लाना और नारेबाजी करना अच्छी परंपरा नहीं है..आप अपने स्थान पर जाएं और प्रश्नकाल चलने दें। बिरला ने राहुल से कहा, आप वरिष्ठ सदस्य हैं। आप कहते हैं कि आपको बोलने का मौका नहीं मिलता। आपको पूरा मौका दे रहा हूं, आप विषय पर सवाल पूछिए। हंगामा नहीं थमने पर अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही 11 बजकर करीब 10 मिनट पर अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। बैठक एक बार के स्थगन के बाद पुन: शुरू हुई तो कांग्रेस के सदस्य सुबह की तरह ही नारेबाजी करने लगे। पीठासीन सभापति महताब ने आसन के समीप नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों से अपनी सीटों पर जाने और कार्यवाही चलने देने का आग्रह किया। शोर-शराबा नहीं थमने पर उन्होंने कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी। लखीमपुर खीरी मामले पर ही बुधवार को भी विपक्षी सदस्यों ने सदन में हंगामा किया था।

विपक्षी सदस्यों के निलंबन पर राज्यसभा में गतिरोध जारी, कार्यवाही दिन भर बाधित

नई दिल्ली। राज्यसभा में 12 सदस्यों को संसद के शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित किए जाने के मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच बृहस्पतिवार को भी गतिरोध कायम रहा। इन सदस्यों का निलंबन समाप्त करने की मांग पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण उच्च सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजकर करीब पांच मिनट दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

सत्ता पक्ष इस रुख पर कायम है कि निलंबित सदस्यों के अशोभनीय आचरण के लिए विपक्ष के नेताओं को माफी मांगनी चाहिए तभी उनके निलंबन को वापस लेने के बारे में विचार किया जा सकता है। हंगामे के कारण उच्च सदन में आज 10 मिनट भी कामकाज नहीं हो सका और शून्यकाल व प्रश्नकाल भी बाधित हुआ। पहली बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही आरंभ हुई, उपसभापति हरिवंश ने कोविड-19 के ओमीक्रोन स्वरूप के कारण उत्पन्न स्थिति पर चर्चा को जारी रखने के लिए भारतीय जनता पार्टी के जफर इस्लाम का नाम पुकारा। जफर ने अपनी बात शुरू ही की थी कि कांग्रेस सहित कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने 12 सांसदों के निलंबन का मुद्दा उठाते हुए हंगामा आरंभ कर दिया। इस दौरान कुछ विपक्षी सदस्यों ने हाथ में तख्तियां पकड़ी हुई थी और वह निलंबन वापस करने की मांग करते हुए सरकार विरोधी नारे भी लगा रहे थे। हरिवंश ने हंगामा कर रहे सदस्यों से बार-बार अनुरोध किया कि वह सदन में व्यवस्था बनाएं रखें और चर्चा होने दें।

बिना देरी के सम्मानजनक तरीके से अंतिम संस्कार संवैधानिक अधिकार

एजेंसी। कोच्चि

केरल उच्च न्यायालय ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों में रात के वक्त पोस्टमॉर्टम को सुविधा को निर्देश दिए

कहा, मृत्यु के बाद भी व्यक्ति गरिमा और उचित बर्ताव पाने का होता है हकदार

केरल उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि मृत्यु के बाद भी व्यक्ति गरिमा और उचित बर्ताव का हकदार है और अप्राकृतिक मौत का मामला होने पर भी शव को जल्दी दफनाने में कानूनी प्रक्रिया बाधा नहीं बन सकती। उच्च न्यायालय ने पांच सरकारी मेडिकल कॉलेजों में रात के वक्त पोस्टमॉर्टम करने के लिए पर्याप्त ढांचागत सुविधा मुहैया कराने के निर्देश राज्य को दिए हैं।

अदालत ने कहा कि आज कल अप्राकृतिक मौत के मामलों में मृतक के परिजन तथा विधायक,पंचायत अध्यक्ष और वार्ड सदस्य जैसे जनप्रतिनिधियों को जांच और पोस्टमॉर्टम के लिए पुलिस थाने और अस्पतालों के बाहर कतार में देखा जा सकता है, ताकि शव उन्हें जल्दी मिलें और वे उचित सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर सकें। अदालत ने कहा कि पहले परिजन का शव मिलने में बाधा पोस्टमॉर्टम का वक्त होता था क्योंकि अनंतकाल से पोस्टमॉर्टम दिन के वक्त होते आ रहे हैं, क्योंकि ऐसा विश्वास था कि ऐस काम रात के वक्त नहीं किए जा सकते।

अदालत ने यह भी कहा कि अप्राकृतिक मौत के मामले में जांच प्रक्रिया में भी देरी होती है क्योंकि पुलिस अधिकारी तत्काल नहीं पहुंच जाते और इसलिए अधिकृत अथवा वरिष्ठ अधिकारी इसे काफी देर में करता है। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने 2015 में 24 घंटे पोस्टमॉर्टम की सुविधा लागू करने का एक आदेश जारी किया था और तिरुवनंतपुरम, अलाप्पुझा, कोट्टायम, त्रिशूर और कोझिकोड के पांच सरकारी मेडिकल कॉलेज में और कासरगोड में प्रायोगिक परियोजना के तौर पर जनरल हॉस्पिटल में भी रात में पोस्टमॉर्टम की मंजूरी दी गई थी। अदालत ने कहा कि 2015 में आदेश जारी करने के बाद सरकार ने इसे वापस नहीं लिया, लेकिन वह अब भी कह रही है कि रात के वक्त पोस्टमॉर्टम के लिए ढांचागत सुविधाएं नहीं हैं।

न्यायमूर्ति पीवी कुनीकृष्णन ने कहा कि अप्राकृतिक मौत होने पर कानूनी औपचारिकताएं तत्काल पूरी करना राज्य का कर्तव्य है। सरकार के अधिकारियों को मृतक के परिजनों को तत्काल शव सौंपना चाहिए। उन्होंने कहा, यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत किसी व्यक्ति के सम्मान के साथ जीने के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। यह सम्मान व्यक्ति के जीवित रहने तक ही नहीं बल्कि उसके निधन के बाद भी उसके साथ है। समाज को किसी व्यक्ति के निधन के बाद उसके प्रति दुर्व्यवहार की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए।

चिल्ला बॉर्डर पर किसानों ने जमाया कब्जा आसपास की सड़कों पर लगा भयानक जाम

● 3 महीनों से नोएडा प्राधिकरण पर 81 गांवों के किसान मांगों को लेकर कर रहे हैं प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

मांगों को लेकर नोएडा के किसानों ने चिल्ला बॉर्डर पर हल्ला बोल दिया है। हजारों की संख्या में किसान नोएडा प्राधिकरण से चिल्ला बॉर्डर के लिए रवाना हो गए हैं।

पिछले करीब 3 महीनों से नोएडा प्राधिकरण पर 81 गांवों के किसान अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। लगभग पूरे दिन नोएडा के मुख्य मार्गों पर जाम लगा रहा। आफिस आने और जाने वाले लोग वैकल्पिक मार्गों पर ढुढ़ते रहे।

खबर लिखे जाने पर किसान चिल्ला बॉर्डर से नोएडा प्राधिकरण पहुंचे और उसकी घेराबंदी की। मौके पर नोकझोंक की स्थिति बनी हुई है। पुलिस और किसान आमने-सामने हैं। पुलिस किसानों से अपील कर रही है कि वह यहां से वापस चले जाएं, लेकिन किसानों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर कोई भी रिपोर्ट नहीं लगेगी, वह यहां पर प्रदर्शन करते रहेंगे।

नोएडा प्राधिकरण पर किसानों के प्रदर्शन को करीब 3 महीना हो गए हैं। नोएडा में 81 गांव है, 81 गांव के किसानों की काफी मांगे हैं, लेकिन अभी तक पूरी नहीं हुई है।

अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए काफी किसान जेल भी जा चुके हैं। हालांकि जमानत बाद आ गए, नोएडा प्राधिकरण पर प्रदर्शन करने वाले किसानों पर आए दिन मुकदमे दर्ज होते रहते हैं। भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखबीर पहलवान का कहना है कि उनको करीब 3 महीने हो गए हैं, लेकिन किसी भी जनप्रतिनिधि या अफ सर की आंखों में इतनी हिम्मत नहीं है कि वह उनकी समस्याओं का समाधान कर सकें।

काफी बार उन्होंने जनप्रतिनिधियों का भी घेराव किया लेकिन उसके बावजूद भी उनकी समस्याओं पर कोई भी संज्ञान नहीं ले रहा है। हमारी माता-बहने 3 महीनों से सड़क पर बैठी हुई है। 3 महीनों से सड़क पर बैठकर हमारी माताएं.बहने अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन कर रही है लेकिन कोई भी हमारी आवाज को सुनने वाला नहीं है। सुखबीर खलीफ ा पर अभी तक प्रदर्शन करने के दौरान एक दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज हुए।

सुखबीर का कहना है कि प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस उनपर चाहे कितने भी मुकदमा दर्ज कर लेए वो पीछे हटने वाले नहीं है। जैसे ही किसानों ने चिल्ला बॉर्डर पर कब्जा किया। तुरंत आला पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस किसानों को वहां से हटाने की अपील कर रही है। किसान अपनी मांग और अडे हुए हैं। जिले के पुलिस अधिकारी नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी से बातचीत कर रहे है।

पार्क में घूमने गई 25 वर्षीय युवती लापता पुलिस तलाश में जुटी

नोएडा। सेक्टर-49 थाना क्षेत्र से बुधवार की शाम एक युवती लापता हो गई। युवती रोजाना की तरह बुधवार की शाम को टहलने के लिए पार्क में गई थी लेकिन वापस नहीं लौटी। इस मामले में युवती के परिजनों ने सेक्टर-49 कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार नोएडा के सेक्टर-50 में स्थित मेघदूत हाउसिंग सोसाइटी में 25 साल की युवती अपने परिवार के साथ रहती है। हर शाम को अपनी सोसाइटी के पास मौजूद एक पार्क में घूमने जाती है। युवती के परिजनों ने बताया कि वह बुधवार की शाम को करीब 5:00 बजे अपने घर से पार्क में टहलने के लिए निकली, लेकिन काफी समय तक वापस नहीं लौटी। जब उन्होंने अपनी बेटी की तलाश की तो वह नहीं मिली। काफी लोगों से पूछताछ भी की, लेकिन किसी ने भी मानसी को देखने से इंकार कर दिया। अब परेशान परिजनों ने युवती के लापता होने की शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी की छानबीन कर रही है। इसके अलावा पार्क में जाने वाले अन्य लोगों से पूछताछ कर रहे है।

राशिफल ज्योतिष गुरु राजेश जी सेक्टर-19 फरीदाबाद

मेष

दिन सामान्य रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है, खर्चों की अधिकता रहेगी। मित्रों के साथ पर्यटन का योग है। शारीरिक स्वास्थ्य बना रहेगा। गृहस्थ जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी। वाणी पर संयम रखें। परिवार में वाद-विवाद से बचें। नकारात्मक मानसिकता नुकसान पहुंचा सकती है। सामाजिक कार्यों में अपने को व्यस्त रखें। दोस्तों से मुलाकात हो सकती है।

(चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

भाग्यांक: 1
विशेष: इत्र का प्रयोग करें।

वृष

दिन लाभदायक रहेगा। निवेश के लिए दिन अच्छा रहेगा। मानसिक रूप से उत्तम रहेगा। परिजन और पड़ोसियों से बहस करने से बचें। बहस बड़े झगड़े में परिवर्तित हो सकती है। खर्चों में वृद्धि हो सकती है। नौकरी में स्थान परिवर्तन की संभावना है। घर में सुख-शांति बनी रहेगी। नई सोच की वजह से कार्य में नयापन ला सकेंगे। धार्मिक स्थल पर जाने का योग हो सकता है।

(ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

भाग्यांक: 9
विशेष: देवी लक्ष्मी को मखाने की खीर का भोग लगाएं।

मिथुन

दिन सामान्य रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में सरकारी हस्तक्षेप बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। अधिक परिश्रम करने पर सफलता मिलेगी, अनावश्यक खर्च भी अधिक बढ़ेगा। पारिवारिक शांति बनाए रखने के लिए निरर्थक वाद-विवाद करने से बचें। संतान या रिश्तेदारों से अनबन हो सकती है। नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। खान-पान का ध्यान रखें। यात्रा पर जाने से बचें।

(का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा)

भाग्यांक: 7
विशेष: त्रिफला का सेवन करें।

कर्क

दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ मिलने के योग हैं। यात्रा पर जा सकते हैं। खुद पर संयम रखें। क्रोध एवं आवेश की अधिकता रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। दोस्तों से मुलाकात होगी, लाभ प्राप्त होगा। यश की हानि होने की संभावना है। शारीरिक तथा मानसिक स्वस्थ्य का ध्यान रखें। रिश्तेदार के घर मांगलिक प्रसंग में जा सकते हैं। दांपत्य जीवन का आनंद मिलेगा।

(ही, हूं, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

भाग्यांक: 2
विशेष: श्री सुक्तम का पाठ करें।

सिंह

दिन अच्छा रहेगा। मित्रों के सहयोग से कारोबार में अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी। बड़े कार्यों में सफलता हासिल होगी। मित्रों से व्यापारिक संपर्क बन सकते हैं। आय के स्रोत विकसित होंगे। वाणी पर संयम बरतें। धार्मिक कार्यों में खर्च होने की संभावना है। नए कार्य का शुभारंभ कर सकते हैं। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। सरकारी क्षेत्र में लाभ मिलेगा। परिवार के सदस्यों के बीच तनाव खत्म होगा और रिश्ते मजबूत बनेंगे। अपनी सेहत का ध्यान रखें।

(मा, मी ,मू, में, मो, टा, टी, टू, टे)

भाग्यांक: 9
विशेष: धर्मस्थल के लिए ध्वजा का दान करें।

कन्या

आज का आपका दिन शुभ फलदायक रहेगा। आर्थिक लाभ मिल सकता है। नौकरी तथा कारोबार के क्षेत्र में धनलाभ के योग हैं। परिवारजनों के साथ समय आनंदपूर्वक बीतेगा। पैतृक संपत्ति से धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। शारीरिक, मानसिक स्वस्थ और उत्साही बने रहेंगे। वाणी पर संयम बरतें। नए कार्यों को शुरू करने के लिए दिन अच्छा रहेगा। संतान पक्ष से मन खुश रहेगा। दोस्तों के साथ खूब मौज-मस्ती कर सकेंगे।

(टो ,पा, पी, पू, ष, ष, ण, ठ, पे, पो)

भाग्यांक: 7
विशेष: घर के पौधों में पानी डालें।

तुला

दिन अच्छा रहेगा। आकस्मिक धनलाभ के योग हैं। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। नए कार्य के लिए दिन अनुकूल नहीं है। धन संबंधित लेन-देन में सतर्क बरतें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। दफ्तर में कार्यभार के कारण थकान महसूस हो सकती है। शारीरिक और मानसिक रूप से व्याकुलता का अनुभव रहेगा। परिवार के साथ समय गुजारेंगे और खूब मजा करेंगे।

(रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)

भाग्यांक: 1
विशेष: पक्षियों को बाजार डालें।

वृश्चिक

दिन सामान्य रहेगा। मन अशांत और शरीर थोड़ा थकान से भरा रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। अनावश्यक खर्च बढने की संभावना रहेगी। वाहन के रख-रखाव में खर्च बढ़ेंगे। भावनाओं को वश में रखें। दोस्तों से मुलाकात हो सकती है। परिवार का सहयोग मिलेगा। वाणी पर संयम बरतें। क्रोध से काम बिगड़ सकते हैं। धार्मिक यात्रा का आयोजन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

(तो, ना ,नी, नू, ने, नो, या, यी, यू,)

भाग्यांक: 3
विशेष: रुमाल में इत्र लगाकर जेब में रखें।

धनु

दिन अच्छा बीतेगा। धनलाभ होने की भी संभावना है। दोस्तों से लाभ हो सकता है। नौकरी-पेशे वाले लोगों को लाभ होगा। सहकर्मियों से लाभ मिलेगा। कार्यों से यश की प्राप्ति होगी। परिवार में सुख-शांति रहेगी। परिवार के साथ धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें और खान-पान पर विशेष ध्यान दें। घर में परिजनों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। सोच समझ कर लिए गए फैसले खुशी देंगे।

(ये, यो, भा, भी, भू, ध, फा, ढा, भे)

भाग्यांक: 9
विशेष: ललिता सहस्त्रनाम पड़े।

मकर

आज का आपका दिन शुभ रहेगा। पूरा दिन जोश से भरा रहेगा। धैर्यशीलता में वृद्धि होगी। अधिकारी आप के कार्य से संतोष का अनुभव करेंगे। प्रियजनों के साथ अच्छा समय बीतेगा। नए वाहन का सुख मिल सकता है। आर्थिक दृष्टि से लाभ रहेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। शारीरिक रूप से अस्वस्थता और मानसिक चिंता बनी रहेगी। प्रियजनों के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं।

(भो, जा, जी, खी, खू, खा, गा, गी)

भाग्यांक: 1
विशेष: गाय को मीठी रोटी खिलाएं।

कुंभ

दिन सामान्य रहेगा। आर्थिक लाभ के योग रहेंगे। परिश्रम की भी अधिकता रहेगी। नौकरी में जिम्मेदारी मिल सकती है। क्रोध पर संयम बरतें। परिवार में कलह होने की संभावना है। मानसिक तनाव बढ़ सकता है। नकारात्मक विचारों से दूर रहें। स्वास्थ्य परेशान कर सकता है, धन खर्च हो सकता है। सामाजिक समारोह में भाग लें और नए दोस्त बनाने में समय व्यतीय करें। रिश्तों में मजबूती आएगी। निस्वार्थ दूसरों की सहायता करेंगे, खुशी मिलेगी।

(गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो ,दा)

भाग्यांक: 6
विशेष: अपंग साधु को दान करें।

मीन

दिन अच्छा रहेगा। आकस्मिक धनलाभ मिल सकता है। प्रिय व्यक्ति से मुलाकात आनंदायक रहेगी। छात्रों के लिए अच्छा समय है। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा। परोपकार का कार्य हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होने की संभावना है। बातचीत में संतुलन बनाए रखें। स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती है। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा। मेहनत से किए गये काम सफल होंगे, आपकी अलग पहचान बनेगी।

(दी, दू ,थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

भाग्यांक: 4
विशेष: देवी लक्ष्मी को मिश्री अर्पित करें।

ग्रेनो की एक मंजिला भवनों की आवासीय योजना का आज होगा ड्रा

पायनियर सामचार सेवा। नोएडा

सीईओ नरेंद्र भूषण

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एक मंजिला भवनों की आवासीय योजना के आवेदकों के भाग्य का फैसला शुक्रवार को होगा।

प्राधिकरण 17 दिसंबर को इनका ड्रा करने जा रहा है। ड्रा सुबह 11 बजे से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ऑडिटोरियम में होगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने एक मंजिला निर्मित भवनों की योजना आवासीय सेक्टर ज्यू वन, ज्यू टू और ज्यू थ्री में लांच की थी। सेक्टर ज्यू वन में 200 वर्ग मीटर के 12 भवन, ज्यू टू में 120 वर्ग मीटर के 15 और ज्यू थ्री में 120 वर्ग मीटर के 86 भूखंड हैं। 10 नवंबर से इन भूखंडों के लिए आवेदन शुरू हो गए थे।

यह ओपन एंडेड स्कीम थी। 30 नवंबर तक आने वाले आवेदनों का ड्रा 17 दिसंबर को होने जा रहा है। प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण के निर्देश पर संपत्ति विभाग ने इन सभी आवेदकों की सूची ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। आवेदक वेबसाइट पर जाकर अपना नाम देख सकते हैं। ड्रॉ के दौरान पारदर्शिता बरतने के लिए वीडियो रिकॉर्डिंग भी करायी जाएगी।

ड्रॉ की पर्ची मैनुअल तरीके से स्कूली बच्चों से निकलवाई जाएगी। कोविड नियमों का पालन करते हुए आवेदक डॉ में शामिल हो सकते हैं।

जेवर एयरपोर्ट के पास फैक्ट्री और दुकान की स्कीम लॉन्च

नोएडा। जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बाद निवेशकों के मूड को भांपते हुए यमुना प्राधिकरण नए साल से पहले कई योजनाएं लॉन्च कर रही है। जिनके जरिए जेवर एयरपोर्ट के पास घर, फैक्ट्री और दुकान से लेकर फाइव स्टार होटल तक बनाने का मौका है। बुधवार को लघु उद्योग और स्टार्टअप के लिए 68 भूखंडों की योजना यमुना अथॉरिटी ने लॉन्च की है।

नोएडा से 32 शहरों के लिए शुरू होगी हेलीकॉप्टर उड़ान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

मेडिकल इमरजेंसी और टूरिज्म को बढ़ावा

हेलीपोर्ट मेडिकल इमरजेंसी और टूरिज्म को बडा बढ़ावा देगा। 500 किलोमीटर के दायरे में पड़ने वाले इलाकों से बेहद कम समय में आपातकालीन परिस्थितियों के दौरान मरीजों को नोएडा और दिल्ली लाया जा सकेगा। नोएडा हेलीपोर्ट पर एयर एंबुलेंस की सुविधा विकसित की जाएगी। हेलीपोर्ट सफर को 1 से 2 घंटे में समेट देगा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में 10 यूनिवर्सिटी हैं। करीब 200 एजुकेशनल इंस्टीट्यूट हैं।

नोएडा में देश के सबसे बड़े हेलीपोर्ट पर काम शुरू हो गया है। नोएडा हेलीपोर्ट से दिल्ली-एनसीआर उत्तराखंड, हिमाचल, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के 32 शहरों तक उड़ान भरी जाएंगी। करीब 5 वर्षों से इस परियोजना पर नोएडा विकास प्राधिकरण काम कर रहा था।

नोएडा की मुख्य कार्यपालक अधिकारी ऋतु माहेश्वरी ने बताया अब जल्दी ही इस हेलीपोर्ट का निर्माण शुरू होगा। ग्लोबल टेंडर के जरिए कंपनी की तलाश की जाएगी।

यह हेलीपोर्ट कॉरपोरेटएए टूरिज्म, मेडिकल टूरिज्म और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगा।

नोएडा अथॉरिटी से मिली जानकारी के मुताबिक 100 से 200 किलोमीटर के दायरे वाले शहरों मथुरा और आगरा तक नोएडा के लिए हेलीकॉप्टर मिलेंगे। 300 से 400 किलोमीटर के दायरे वाले पर्यटन स्थल बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, जोशीमठ, रामपुर, मंडी और अजमेर हैं। इसी तरह 400 से 500 किलोमीटर दूरी वाले मनाली, बीकानेर और अयोध्या तक हेलीकॉप्टर उड़ेंगे। हेलीकॉप्टर सेवा के दायरे में सबसे ज्यादा शहर 200 से 300 किमी दायरे वाले हैं। इनमें मसूरी, यमुनोत्री, पंतनगर, नैनीताल, अल्मोडा, श्रीनगर गोचर, नई टिहरी शिमला आदि शामिल है।

नोएडा-गाजियाबाद में बैंक कर्मियों की हड़ताल

नोएडा। बैंकों के निजीकरण के खिलाफ नोएडा और गाजियाबाद में बैंक कर्मियों ने जमकर प्रदर्शन किया है। बैंक ऑफइंडिया के कर्मचारियों ने बैंक ऑफइंडिया से लेकर फोर्टिस अस्पताल के पीछे से वापस बैंक ऑफ इंडिया तक रैली निकाली। वहीं गाजियाबाद में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक के तत्वावधान में यूनियस बैंक कर्मचारियों ने विरोध किया। बैंक कर्मी पंजाब नैशनल बैंक की मुख्य शाखा के समक्ष बड़ी संख्या में एकत्रित हुए और नारोबाजी की।

'सॉल्वर गिरोह' के पांच मुन्नाबाई गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● एसएससी परीक्षा पत्र हल करने के लिए लेते थे 60 से 70 हजार

नोएडा पुलिस ने कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा आयोजित कांस्टेबल जीडी (जनरल ड्यूटी) 2021 की परीक्षा में भाग ले रहे अभ्यर्थियों के प्रश्नपत्र हल कराने वाले 'सॉल्वर गिरोह' के पांच सदस्यों को सेक्टर-62 से गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) राजेश एस ने बताया कि पुलिस को सुबह सूचना मिली कि आईआन डिजिटल जोन में एसएससी जीडी की परीक्षा में कुछ लोग मोटी रकम लेकर वास्तविक अभ्यर्थियों की जगह किसी दूसरे व्यक्ति को बैठाकर प्रश्नपत्र हल करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने वहां छापा मारा और ललित, अनिल कुमार, जसवीर, रोहित और राकेश को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि हर्षित नामक एक आरोपी फरार है। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि इस गिरोह का सरगना हर्षित है। उन्होंने बताया कि ये लोग प्रश्न पत्र हल करने वाले को 60 से 70 हजार रुपए देते थे और इसके एवज में लोगों से पांच से छह लाख रुपए लेते थे। उन्होंने बताया कि मामले में कुछ अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं, जिनके बारे में पुलिस जानकारी हासिल कर रही है।

नोएडा में 6 नए बिजलीघर बनने का रास्ता साफ

● यूपीपीटीसीएल को अनुदान देगा प्राधिकरण

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

भविष्य में बिजली की जरूरतों को देखते हुए ग्रेटर नोएडा में प्रस्तावित 6 बिजलीघरों को बनाने का रास्ता साफ हो गया है। इन बिजलीघरों के निर्माण पर खर्च होने वाली धनराशि को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अनुदान के रूप में ही उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कार्पोरेशन को देगा।

ग्रेटर नोएडा शहर का तेजी से औद्योगिक नगरी के रूप में विस्तार हो रहा है। नई औद्योगिक इकाइयां निरंतर लग रही हैं। ग्रेटर नोएडा डाटा सेंटर हब के रूप में भी विकसित हो रहा है। रिहायश का भी तेजी से विस्तार हो रहा है। ग्रेटर नोएडा ईस्ट के साथ ही ग्रेटर नोएडा वेस्ट की बहुमंजिला इमारतों में निवासियों की तादात तेजी से बढ़ रही है।

संस्थागत सेक्टर भी विकसित हो रहे हैं। इससे ग्रेटर नोएडा एरिया में बिजली की खपत भी तेजी से बढ़ रही है। बिजली की भविष्य की मांग को ध्यान में रखते हुए छह नए बिजलीघर बनाने का निर्णय लिया गया। बिजलीघरों को बनाने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने भी मंजूरी प्रदान कर दी है। इनमें से 400 केवी के दो बिजलीघरों का निर्माण यूपीपीटीसीएल करेगा।

इनके निर्माण में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की भी अंशधारिता होगी, जबकि 220 और 132 केवी सबस्टेशन के निर्माण का कुल खर्च प्राधिकरण खुद वहन करेगा।

इन सभी बिजलीघरों को बनाने में करीब 1000 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। बिजलीघरों को बनाने में खर्च होने वाली धनराशि पर डबल जीएसटी लगने से आ रही थी। शासन ने तय किया है बिजलीघरों को बनाने में खर्च की रकम प्राधिकरण बतौर अनुदान के रूप में यूपीपीटीसीएल को देगा।

21 दिसंबर को नोएडा में लगेगा रोजगार मेला

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में युवाओं को रोजगार देने का अभियान तेजी से चल रहा है। बीते कुछ महीनों में रोजगार मेले के जरिए सैकड़ों युवाओं को नौकरी मिली है। प्रशासन के संबंधित विभाग इस अभियान को लेकर पूरी तरह सक्रिय हैं। इसी के तहत आगामी 21 दिसंबर को आईटीआई नोएडा में वृहद रोजगार, अप्रेंटिस मेले का आयोजन किया जाएगा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नोएडा के प्रधानाचार्य ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 21 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ई-1 सेक्टर-31 में रोजगार, अप्रेंटिस मेले का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेले में 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, ग्रेजुएट उत्तीर्ण अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं।

पूर्व प्रधान की हत्या में 14 लोगों के खिलाफ मुकदमा, आठ को पकड़ा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पुलिस हर एंगल से कर रही है मामले की जांचः डीसीपी

ग्रेटर नोएडा के दादरी कोतवाली क्षेत्र में स्थित नगला नैनसुख गांव में मंगलवार को पूर्व प्रधान की हत्या के मामले में परिजनों ने 14 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है।

दादरी थाना क्षेत्र में स्थित नगला नैनसुख गांव में 70 वर्षीय किसान नन्नू पूर्व प्रधान भी रह चुके थे। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। नन्नू के परिजनों ने इस मामले में 14 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। जिसमें से पुलिस ने 8 लोगों को हिरासत में ले लिया है। हालांकि इस मामले में अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि इन लोगों ने ही गुन्नू की हत्या की थी। ग्रेटर नोएडा के डीसीपी अमित कुमार का कहना है कि पुलिस हर एक एंगल से मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

इसको शुरुआती जांच में पता चला है कि नन्नू का अन्य लोगों से जमीनी रंजिश और चुनावी रंजिश थी। पुलिस ने आशंका जाहिर की है कि इसके चलते ही नन्नू की हत्या हो सकती है।

अवैध कॉलोनियों के निर्माण पर जीडीए का डंडा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

प्राधिकरण की प्रवर्तन जोन-2 की टीम ने मोदीनगर व मुरादनगर क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों में चल रहे अवैध निर्माण को ध्वस्त किया।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की विशेष कार्य अधिकारी गुंजा सिंह ने बताया कि मोदीनगर व मुरादनगर क्षेत्र में वाद संख्या-47/19 संजीव गर्ग व वेद प्रकाश गर्ग के द्वारा संजीव स्टेट कॉलोनी, सीकरी खुर्द रोड पर लगभग 7000.00 वर्ग मी क्षेत्रफल में विकसित की जा रही कॉलोनी में निर्माणाधीन 15 प्लाटों की बाउड्डीवॉल, बिजली के खंभों ध्वस्त किया गया। उन्होंने बताया कि असलम द्वारा खसरा संख्या-157 व 160, जलालपुर, रघुनाथपुर, पाइप लाइन रोड पर मुरादनगर में लगभग 3000.00 वर्ग मी0 क्षेत्र फल में विकसित की जा रही अवैध भूखण्डों व धर्मकांटे के खिलाफ प्रवर्तन जोन-2 की टीम ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की है।

तीसरी लहर को लेकर अलर्ट, आज होगा मॉकड्रिल

● संयुक्त जिला अस्पताल समेत दो स्थानों पर होगा अभ्यास, ऑक्सीजन प्लांट और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर भी परखे जाएंगे

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

शासन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग शुक्रवार और शनिवार को जनपद में दो दिवसीय मॉकड्रिल करेगा।

इस मॉकड्रिल का आयोजन कोविड की तीसरी लहर के लिए की गई तैयारियों को परखने के उद्देश्य से किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डा. भवतोष शंखधर ने बताया कि इंटीग्रेटेड कोविड कमांड कंट्रोल रूम से लेकर अस्पताल में उपचार तक की गई सभी तैयारियों को इस अभ्यास के दौरान परखा जाएगा। मॉकड्रिल के मौके पर ज्वाइंट डायरेक्टर (स्वास्थ्य) मौजूद रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लेंगी। दुनिया भर में कोविड के नए वेरियंट, ओमिक्रॉन के मामले में बढ़ रहे हैं, हालांकि जनपद में अभी किसी मामले की पुष्टि नहीं हुई है। पिछले कुछ दिनों में कोविड पॉजीटिव केस बढ़े हैं। जनपद में कोविड को फैलने से रोकने के लिए फोकस टेस्टिंग कराई जा रही है। शासन के निर्देश पर तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए शुक्रवार और शनिवार को दो दिवसीय मॉकड्रिल की जाएगी।

मॉकड्रिल के दौरान पूरे सिस्टम की सतर्कता परखी जाएगी। कोविड कमांड कंट्रोल रूम में यदि कोई कॉल करके स्वास्थ्य विभाग से मदद की उम्मीद करता है तो उस पर हमारा रेस्पांस क्या और कैसा होगा, इसे परखा जाएगा।

कोविड कमांड कंट्रोल रूम में कॉलर को कितनी देर में एंबुलेंस और मेडिकल सहायता उपलब्ध कराता है, यह देखने वाली बात होगी। कॉल करने के कितनी देर में मरीज को फैसिलिटी तक पहुंचाया जाता है और उपचार शुरू होने में कितनी देर लगती है, यह सारे बिंदु इस मॉकड्रिल में अहम होंगे। हमारी फैसिलिटी में उपलब्ध सेवाओं की स्थिति कैसी है, यह इस बात की भी परीक्षा होगी, साथ ही अपनी व्यवस्थाओं में जरूरी सेवाओं को दुरुस्त करने एक मौका भी इस मॉकड्रिल को समझा जाना चाहिए। मॉकड्रिल के दौरान ऑक्सीजन प्लांट और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर जैसे जरूरी उपकरणों की भी परख हो जाएगी। संजयनगर स्थित संयुक्त जिला चिकित्सालय समेत दो चिकित्सालय में मॉकड्रिल की जाएगी।

'शोभा शिवरामकृष्णन' का कहना है कि भारतीय स्कूल वैश्विक मानकों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए शिक्षा के प्रति अपने दृष्टिकोण को पुनर्गठित कर रहे हैं

भारतीय शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन की प्रक्रिया

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय शिक्षा प्रणाली में कई गुना बदलाव आया है। शिक्षा आवश्यकताओं, पर्यावरण और प्रतिस्पर्धा में परिवर्तन ने स्कूलों को शिक्षा के प्रति अपने दृष्टिकोण को पुनर्गठित करने की आवश्यकता को अनिवार्य कर दिया है। उनके पाठ्यक्रम का उन्नयन इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम है। स्कूल ऐसे पाठ्यक्रम को लागू कर रहे हैं जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा में सहायता करते हुए छात्रों के लिए शिक्षा को इंटरैक्टिव, आकर्षक और सार्थक बनाने के लिए प्रासंगिक, अद्यतन और इमर्सिव है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने शिक्षा प्रणाली में कई सुधार देखे हैं और महामारी के कारण, ऑनलाइन कक्षाओं, मिश्रित शिक्षा और एक मिश्रित शिक्षा मॉडल के उद्भव के साथ शिक्षा प्रणाली में एक बड़ा बदलाव आया है। स्कूल शैक्षिक सामग्री वितरित कर रहे हैं जो वैश्विक मानकों और पाठ्यक्रम के अनुरूप है जो महत्वपूर्ण सोच, समस्या-समाधान और निर्णय लेने के कौशल विकसित करने पर केंद्रित है। शिक्षण, मूल्यांकन और प्रशिक्षण का एक नया तरीका भी छात्रों को वैश्विक स्तर पर चमका रहा है जिससे उनका आत्मविश्वास और अवसरों में वृद्धि हो रही है।

पहले भारत में, अधिकांश शिक्षण रटने के तरीकों के माध्यम से होता था, जहां विषयों को समझने के बजाय उन्हें याद रखने पर ध्यान केंद्रित किया जाता था। हालांकि, वर्षों से यह शिक्षण पद्धति विकसित हुई है और आज स्कूल वैचारिक समझ और अनुभवात्मक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो छात्रों को अनुसंधान और विभिन्न व्यावहारिक साधनों के माध्यम से सीखना सुनिश्चित करता है जो उनके सीखने को वास्तविक दुनिया की स्थितियों में लागू करने में सहायता करते हैं।

पाठ्यचर्या को प्रमुखता दी जाती है

स्कूल पाठ्यक्रम और कक्षाओं, पेन-पेपर मूल्यांकन जैसे लंबवत एकीकृत स्टैक से दूर जाने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि इन पहलुओं की तुलना में शिक्षा के लिए बहुत कुछ है।

वैश्विक शिक्षा प्रणाली से प्रेरणा लेते हुए, भारत के स्कूलों ने छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने वाले अपने इन-हाउस पाठ्यक्रम का निर्माण शुरू कर दिया है। दुनिया भर के विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक अधिक छात्रों के साथ, स्कूलों ने सामग्री के साथ-साथ अपने शिक्षण विधियों को भी बदल दिया है। इस परिवर्तन ने छात्रों को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रमुखता प्राप्त करने में सफल बनाया है।

अकादमिक पाठ्यक्रम के साथ, कई स्कूलों में छात्रों को अतिरिक्त सूक्ष्म पाठ्यक्रम जैसे बागवानी, कविता, उद्यमिता और बहुत कुछ लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जो उन्हें आराम करने और साझा रुचियों का पता लगाने में मदद करते हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों में जीवन कौशल का निर्माण भी करते हैं।

समावेशी शिक्षा और शिक्षा के लिए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण दुनिया भर के स्कूलों के बराबर होने के लिए कई शैक्षणिक संस्थानों द्वारा किए गए अन्य परिवर्तन हैं। छात्रों को नए और विविध सीखने के अनुभवों से अवगत कराया जाता है जो भागीदारी को सक्षम बनाता है, बाधाओं को दूर करता है और विभिन्न सीखने की जरूरतों और प्राथमिकताओं का अनुमान लगाता है।

बुनियादी ढांचे में सुधार

एक ऑफ़लाइन शिक्षा मॉडल में स्कूलों को बच्चे का दूसरा घर माना जाता है। नए स्थानों के साथ एक अच्छा स्कूल बुनियादी ढांचा सीखने में छात्रों की प्रगति में सकारात्मक योगदान देता है। प्रकाश और वेंटिलेशन जैसी अच्छी प्राकृतिक स्थितियां, आयु-उपयुक्त सीखने के स्थान लचीले सीखने के अवसर प्रदान करते हैं जिन्हें छात्र अनुकूलित और वैयक्तिकृत कर सकते हैं। सीखने के स्थानों के बीच कनेक्शन जो नेविगेट करने में आसान हैं, अतिरिक्त सीखने के अवसर प्रदान करते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, आज के स्कूलों को छात्रों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो उनके समग्र विकास में सहायता करते हैं।

प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा

प्रौद्योगिकी ने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला दी है और यह सीखने का एक अभिन्न अंग बन गया है। इसे पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में, एक निर्देशात्मक वितरण प्रणाली के रूप में, संपूर्ण सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए एक उपकरण के रूप में शामिल किया गया है। शिक्षा निष्क्रिय और प्रतिक्रियाशील से उन्नत और संवादात्मक तरीकों की ओर बढ़ गई है। बच्चे छह-सात साल की उम्र में कोडिंग सीख रहे हैं। एआई, आईओटी और रोबोटिक्स जैसी नए जमाने की प्रौद्योगिकियां स्कूल स्तर पर पाठ्यक्रम का हिस्सा बन गई हैं। छात्रों को इन विषयों में अपनी रुचि के क्षेत्र में परियोजनाओं को लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जिससे वे विश्व स्तर पर अपने आयु वर्ग के बच्चों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें।

तकनीकनीत शिक्षा

महामारी की शुरुआत के साथ, स्कूलों ने वर्चुअल लर्निंग का सहारा लिया है और ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म का कुशलतापूर्वक उपयोग किया है। इसने भारत में शिक्षा प्रणाली में सुधार किया है जहां स्कूल स्तर पर दूरस्थ शिक्षा को कभी भी एक विकल्प के रूप में नहीं माना जाता था। नए तकनीक के नेतृत्व वाले शिक्षा मॉडल ने छात्रों के लिए नए अवसर भी खोले हैं जहां वे विदेशी विश्वविद्यालयों में आवेदन कर सकते हैं और अपने गृह शहर से दूर अध्ययन कर सकते हैं। शिक्षा के इस ऑनलाइन मोड ने युवा छात्रों को उनके विकास में सहायता के लिए अपनी पसंद के अतिरिक्त पाठ्यक्रम लेने में सक्षम बनाया है।

एनईपी एक स्वागत योग्य बदलाव है

एनईपी की शुरूआत ने भारतीय शिक्षा प्रणाली की छवि को बदल दिया है। एनईपी का उद्देश्य सीखने को अधिक समावेशी, जीवंत और व्यावहारिक बनाना है। नीति के अनुसार, छात्रों के लिए विषयों के चुनाव में लचीलापन बढ़ा है। इस नई नीति का मुख्य उद्देश्य पाठ्यचर्या, सह-पाठ्यक्रम और व्यावसायिक विषयों को समान महत्व प्रदान करना है। एनईपी सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए भी निर्बाध अवसर प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। सरकार सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे और शिक्षा प्रणाली में सुधार कर रही है और ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों के लिए समान अवसर प्रदान कर रही है और उन्हें बिना किसी हिचकिचाहट के किसी भी तरह की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार कर रही है।

संक्षेप में, एनईपी का उद्देश्य भारतीय लोकाचार में निहित एक वैश्विक सर्वोत्तम शिक्षा प्रणाली का निर्माण करना है, जहां जीवन के सभी क्षेत्रों के बच्चे लाभान्वित हों और बढ़े हुए अवसर प्राप्त करें जिससे भारतीय शिक्षा प्रणाली में बदलाव आए। हालांकि, इस परिवर्तन को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाना है ताकि बच्चों को अपने सपनों का पता लगाने और उन्हें पूरा करने के अधिक अवसर मिल सकें।

(लेखिक एक्या स्कूल लर्निंग सेंटर की प्रमुख हैं।)

अगला कदम

वीर दास अपनी अगली अंतरराष्ट्रीय परियोजना में एक अमेरिकी देश संगीत कॉमेडी श्रृंखला में विकसित और अभिनय करेंगे, जहां ब्रुकलिन नाइन नाइन के एंडी सैमबर्ग कार्यकारी निर्माता हैं :

वीर दास फॉक्स के लिए एक नए शो के लेखन और कार्यकारी निर्माता बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शीर्षक कंट्री ईस्टर्न, श्रृंखला एक एकल कैम कॉमेडी श्रृंखला है जिसमें दास भी होंगे। यह शो भारत के एक युवा धनी व्यक्ति के बारे में है जो अपने परिवार के साथ अमेरिकी चला जाता है। मेम्फिस, टेनेसी में अपने जीवन के पुनर्निर्माण के प्रयास में, वह अपने जुनून को आगे बढ़ाने और एक देशी संगीत गायक बनने का फैसला करता है। एकमात्र मुद्दा यह है कि वह इसमें बुरा है।

श्रृंखला के बारे में बात करते हुए, दास ने कहा, ''यह एक रोमांचक ब्रांड नई परियोजना है जिस पर काम चल रहा है और मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि श्रृंखला अब विकसित की जा रही है। श्रृंखला का लेखन वर्तमान में जारी है। मैं ऐसे बेहद प्रतिभाशाली नामों के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं, जिनमें से प्रत्येक के पास काम का एक स्पष्ट शरीर है। यह एक अनोखी कॉमेडी है और मैं जल्द ही इस सीरीज को फिल्माने के लिए उत्सुक हूं।''दास सैम लेबोर्न के साथ इस शो का सह-लेखन करने के लिए तैयार हैं, जो कि श्रोता भी हैं। लेबोर्न हाल ही में जोई की असाधारण प्लेलिस्ट पर इपी था और उसने ब्लैकिश, कोगर टाउन और अरेस्टेड डेवलपमेंट जैसे शो लिखे हैं।

पार्टी ओवर हियर, लोनली आइलैंड के एंडी सैमबर्ग, अकिवा शेफ़र और जोर्मा टैकोन और सीबीएस स्टूडियो द्वारा स्थापित प्रोडक्शन कंपनी। फॉक्स एंटरटेनमेंट और सीबीएस स्टूडियो शो का सह-निर्माण करेंगे। इसने हाल ही में हुलु के लिए प्रशंसित कॉमेडी पेन15 का निर्माण किया है और सैमबर्ग अभिनीत समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म, पाम स्प्रिंग्स का भी निर्माण किया है। दास जल्द ही जूड अपाटो द्वारा निर्देशित हॉलीवुड फिल्म द बबल में भी नजर आने वाले हैं।

अवसर के अनुरूप

शेफ पूजा ढींगरा की किताब, कमिंग होम, उनके जीवन के सबसे कठिन समय का दस्तावेज है, कहना है आलिया अश्विन का :

''जीवन वही होता है जब आप अन्य योजनाएं बनाने में व्यस्त होते हैं।''

यदि हम महामारी के वर्षों को देखें तो जॉन लेनन के शब्द हममें से अधिकांश के लिए कठिन नहीं हो सकते। हम में से प्रत्येक के पास बड़ी योजनाएँ थीं जब 2020 में मध्यरात्रि की शुरुआत हुई और शेफ पूजा ढींगरा कोई अपवाद नहीं थीं। उसकी बेकरी 'ली-15 पैटीसेरी' एक सकारात्मक मोड़ पर थी, शेफ ने जूम कॉल पर चर्चा की कि कैसे महामारी ने उसे व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से गहराई से प्रभावित किया। ''मार्च 2020 में, हमने वास्तव में अपनी 10 वीं वर्षगांठ मनाई थी, और पहली बार मैंने अपने जीवन में अपने आप से कहा, आपने जो हासिल किया है उस पर आपको गर्व होना चाहिए।''

फिर, जीवन और महामारी हुई। ढींगरा के लिए, महामारी का मतलब ऐसे निर्णय लेना था जो उसने कभी नहीं सोचा था कि उसे करना होगा। ''दुनिया भर में एक घातक वायरस था, रेस्तरां की दुनिया प्रभावित हुई और मुझे एहसास हुआ कि हमें अपना आधा कारोबार बंद करना होगा। लेकिन यह अथाह था ... यह आत्मा को कुचलने वाला था'', ढींगरा कहती हैं और निर्णय लेने के बाद से डेढ़ साल की जगह के बावजूद अफसोस की धुंध अभी भी स्पष्ट है। उनकी नवीनतम पुस्तक कमिंग होम उनके जीवन के सबसे कठिन समय के उनके अनुभव का दस्तावेजीकरण करती है।

उस समय शायद उसे इस बात का अंदाजा नहीं था कि उसके कैफे को बंद करने से कितना व्यक्तिगत टोल लगेगा, ''मेरा हर छोटा टुकड़ा इस जगह में था। इसे बंद करना अकल्पनीय था। पहले दो महीने मेरे जीवन के सबसे काले दिनों में से कुछ थे जब मुझे न केवल अपने व्यवसाय के लिए बल्कि अपने स्वास्थ्य और जीवन के लिए भी डर था।'' फिर, बेकिंग के शिल्प का प्यार था, कुछ ऐसा जो 15 साल की उम्र से उसकी खुशी और सांत्वना थी। ''मैं एक अधीर बच्ची थी, और मेरी बुआ सबसे पहले मुझे रसोई में ब्राउनी सेंकने के लिए एक तरीके के रूप में ले गईं। मेरी ऊर्जा को चैनलाइज़ करें। जब मुझे पहली बार पता चला कि मक्खन, चीनी, आटा, अंडे जैसी सरल सामग्री एक साथ कैसे जा सकती है, तो यह जादुई था, और इसने मुझे अधिक से अधिक सेंकना करने के लिए आकर्षित किया, शेफ याद करती हैं।''

अब, महामारी की चपेट में आकर, अपनी बेकरी श्रृंखला को बंद करना पड़ा, जो न केवल एक व्यवसाय था, बल्कि उसकी पहचान के लिए कुछ आंतरिक था, उसका मुकाबला करने का तंत्र शुरू हुआ। ''मैंने एक सप्ताह से अधिक समय तक अपने फोन से हर सोशल मीडिया ऐप को हटा दिया और मैं सो गया और मैंने दोस्तों को देखा। मैं भूल गया कि वह कौन सा दिन था, कौन सा समय था। मुझे पता था, मुझे यात्रा करनी है'', ढींगरा ने अपनी नई किताब कमिंग होम में उल्लेख किया है।

लेकिन इन कठिन समय से गुजरने से वह और मजबूत हुई। ''इसने (महामारी) ने मुझे यह भी एहसास कराया कि आप डर की जगह से काम नहीं कर सकते। तो, मेरे लिए, यह एक बड़ा, जैसे, मानसिक परिवर्तन भी था, और संकट में अवसर खोजने वाले के बारे में था।''

ढींगरा के लिए, यह महामारी बेकिंग के लिए उसके प्यार को फिर से खोजने के बारे में थी। इस समय के दौरान उनकी यात्रा दृढ़ता की है। वह नए साल के लिए अपने व्यावसायिक लक्ष्यों को विश्व प्रभुत्व के रूप में वर्णित करती है। वह अन्य देशों में अपने कैफे ली-15 को देखना, अधिक कुकबुक लिखना और पॉडकास्ट देखना बहुत पसंद करेगी। उनका एक निजी लक्ष्य अगले साल माउंट फूजी पर चढ़ना है।

शार्ट पिच गेंदों को बेहतक तरीके से खेलेने का अभ्यास कर रही हैं शेफाली

भरत शर्मा। गुरुग्राम

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दो साल बिताने के बाद 17 वर्षीय शेफाली वर्मा इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हो गई हैं कि उन्हें अपने खेल में लगातार सुधार करना होगा और अभी उनका ध्यान तेज गेंदबाजों की शार्ट पिच गेंदों के सामने अपना खेल बेहतर करने पर लगा हुआ है। शेफाली ने 15 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया तथा उन्होंने पिछले दो वर्षों में स्मृति मंधाना के साथ मिलकर महिला क्रिकेट की सबसे विस्फोटक सलामी जोड़ी बनाई है। उन्होंने अब तक दो टेस्ट, छह वनडे और 28 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह तेजी से उठती गेंदों पर अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए यहां अंडर-25 पुरुष खिलाड़ियों की 200 से 250 गेंदों का सामना कर रही है। इन गेंदबाजों की रफ्तार 125 से 130 किमी प्रति घंटा है।

शेफाली ने एजेंसी से कहा, यह अच्छा अहसास है कि मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दो साल पूरे कर लिए हैं लेकिन अभी लंबा रास्ता तय करना है। मैं अपने खेल के उन क्षेत्रों को जानती हूं जिनमें मुझे बेहतर होने की जरूरत है और इनमें से एक क्षेत्र शार्ट पिच गेंदों को खेलना है। आस्ट्रेलिया में महिला बिग बैश लीग खेलकर स्वदेश लौटी इस युवा खिलाड़ी ने कहा, कोच ने भी मुझे गेंदों को उनकी योग्यता के हिसाब से खेलने के लिए कहा है और मैं ऐसा करना जारी रखूंगी। मैं कभी अपना खेल नहीं बदलूंगी। इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया में खेली गई श्रृंखलाओं के दौरान शेफाली को शार्ट पिच गेंदों को पीछे हटकर खेलते हुए देखा गया, जिसके उन्हें मिश्रित परिणाम मिले। यहां उनकी अकादमी के कोच उन्हें सीमेंट, एस्ट्रोटर्फ और सामान्य विकेटों पर शार्ट पिच गेंदों को खेलने के लिए कह रहे हैं। वह पुरुष गेंदबाजों का सामना करने के अलावा थ्रो डाउन पर भी अभ्यास कर रही है। अपनी फिटनेस पर भी काम कर रही शेफाली ने कहा, अब आप मुझे आगे बढ़ने के बाद पीछे हटते हुए नहीं देखेंगे। आप मुझे क्रीज के इर्द गिर्द रहकर ही गेंद को उसकी योग्यता के अनुसार खेलते हुए देखेंगे।

प्रत्येक मैच में कुछ सीखने को मिला

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दो साल पूरे करने के बारे में शेफाली ने कहा कि उन्हें प्रत्येक मैच में कुछ नया सीखने को मिला और टेस्ट क्रिकेट खेलकर उनका सपना सच हो गया। उन्होंने कहा, टेस्ट क्रिकेट में मैंने जितना सोचा था उससे कहीं अधिक सीखा विशेषकर संयम बनाए रखकर खेलना। यह सर्वश्रेष्ठ प्रारूप है और मेरे लिए यह सपना सच होने जैसा था। शेफाली ने कहा, मुझे टेस्ट क्रिकेट में अपनी पहली पारी (96 रन) बहुत पसंद है। मैं तब वास्तव में बहुत अच्छा महसूस कर रही थी। यह पारी हमेशा मेरे लिए विशेष रहेगी। न्यूजीलैंड में अगले साल होने वाले वनडे विश्वकप के बारे में उन्होंने कहा, मैं फिट रहना चाहती हूं और अपने खेल पर कड़ी मेहनत करना चाहती हूं और भारत को जीत दिलाने में मदद करना चाहती हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं अधिक लड़कियों को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करूंगी।

संक्षिप्त समाचार

हाथ में चोट के कारण प्लिसकोवा आस्ट्रेलिया ओपन से बाहर

मेलबर्न। कैरोलिना प्लिसकोवा ने हाथ में चोट के कारण अगले महीने होने वाले आस्ट्रेलियाई ओपन और दो अभ्यास टूर्नामेंटों से नाम वापिस ले लिया है। आस्ट्रेलियाई ओपन अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को इसकी पुष्टि करते हुए ट्वीट किया, आपके जल्दी स्वस्थ होने की कामना। प्लिसकोवा ने इससे पहले सोशल मीडिया पर लिखा था, अभ्यास के दौरान मेरे दाहिने हाथ में चोट लग गई। अब एडीलेड, सिडनी और आस्ट्रेलियाई ओपन नहीं खेल सकूंगी। आस्ट्रेलिया ओपन 17 जनवरी से शुरू हो रहा है।

कोरोना संक्रमण के कारण वाटरफोर्ड और बर्नली का मैच रद्द

लंदन। कोरोना संक्रमण का मामला आने के बाद वाटफोर्ड का बर्नली के खिलाफ प्रीमियर लीग फुटबॉल मैच शुरुआत से तीन घंटे से भी कम समय पहले रद्द कर दिया गया। पिछले चार दिन में लीग का तीसरा मैच रद्द हुआ है। प्रीमियर लीग ने बुधवार को कहा, वाटफोर्ड टीम में कोरोना संक्रमण का मामला आने के बाद चिकित्सा विशेषज्ञों की सलाह पर यह फैसला लिया गया। क्लब के पास उतारने के लिए पूरी टीम ही नहीं थी। उधर, प्रीमियर लीग ने टोटेनहम के खिलाफ गुरुवार का मैच स्थगित करने की लीसेस्टर की अपील ठुकरा दी। लीसेस्टर के नौ खिलाड़ी कोरोना संबंधी मसलों और चोटों के कारण बाहर है।

लखनऊ टीम के कोच की दौड़ में सबसे आगे एंडी फ्लावर

कोलकाता। जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान एंडी फ्लावर इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में लखनऊ टीम के मुख्य कोच के पद की दौड़ में सबसे आगे हैं। फ्लावर ने पंजाब किंग्स के सहायक कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। पिछले दो सत्र में पंजाब के कप्तान रहे केएल राहुल के लखनऊ टीम से जुड़ने की संभावना है। इस बारे में पूछने पर टीम के एक अधिकारी ने बताया, हम कई नाम सुन रहे हैं। आज ही किसी ने लिखा कि गैरी कर्स्टन कोच बनने जा रहे हैं। हम कुछ लोगों से बातचीत कर रहे हैं लेकिन जब तक करार नहीं हो जाता, हम पुष्टि नहीं कर सकते। फ्लावर 2020 आईपीएल से पहले पंजाब टीम से जुड़े और मुख्य कोच अनिल कुंबले के साथ पिछले दो सत्र में काम किया था। फ्लावर और कर्स्टन के अलावा लखनऊ टीम के लिए न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान डेनियल विटोरी और भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा के भी नाम सुनने में आ रहे हैं।

मर्सीडीज ने फार्मूला वन की अंतिम रेस से जुड़ी अपील वापस ली

अबूधाबी। मर्सीडीज ने फार्मूला वन सीरीज की अंतिम रेस से जुड़ी अपनी अपील गुरुवार को वापस ले ली जिसमें लुईस हैमिल्टन को हार के कारण मैक्स वर्सटाप्पन से चैंपियनशिप गंवानी पड़ी थी। मर्सीडीज ने रविवार को आयोजित रेस के बाद दो शिकायत दर्ज की थी लेकिन दोनों खारिज कर दी गई। अंतरराष्ट्रीय अपील कोर्ट में इसके बाद मर्सीडीज से पुनर्विचार करने के लिए कहा गया था। अबूधाबी ग्रां प्री में जब पांच लैप की रेस बची थी तब एक दुर्घटना घटी थी। मर्सीडीज इसके बाद सेफ्टी कार का उपयोग करने का विरोध कर रहा था। जब दुर्घटना हुई तब हैमिल्टन अपने करीबी प्रतिद्वंद्वी वर्सटाप्पन से 12 सेकेंड आगे चल रहे थे। वर्सटाप्पन इसके बाद हैमिल्टन से आगे निकल गए और पहली बार विश्व चैंपियनशिप जीतने में सफल रहे। इससे हैमिल्टन रिकार्ड आठवें खिताब से वंचित हो गए थे।

विंडीज टीम के तीन और खिलाड़ी, दो सहयोगी स्टाफ पॉजिटिव

कराची। वेस्टइंडीज टीम के तीन खिलाड़ी और दो सहयोगी स्टाफ के कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव पाए जाने के बाद मौजूदा पाकिस्तान दौरा खटाई में पड़ता नजर आ रहा है। विकेटकीपर शाइ होप, बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन और हरफनमौला जस्टिन ग्रीव्स पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड द्वारा कराई गई ताजा जांच में संक्रमित पाए गए। सहायक कोच रॉडी एस्टविक और टीम डॉक्टर अक्षय मानसिंह भी पॉजिटिव पाए गए हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक बयान में कहा, तीनों खिलाड़ी आगामी मैच नहीं खेल सकेंगे और पांचों व्यक्ति पृथकवास में रहेंगे। चिकित्सा अधिकारी उनकी देखरेख करेंगे। उन्हें दस दिन या आरटी पीसीआर जांच नेगेटिव आने तक पृथकवास में रहना होगा। वेस्टइंडीज के अब छह खिलाड़ी कोरोना संक्रमण का शिकार हो गए हैं जबकि डेवोन थॉमस ऊंगली में चोट के कारण बाहर हो गए हैं। दोनों बोर्ड के अधिकारी गुरुवार को बैठक करके मौजूदा श्रृंखला के भविष्य पर फैसला लेंगे। पाकिस्तान ने तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला में 2.0 की अजेय बढ़त ले ली है। तीसरा मैच गुरुवार को हाना है जिसके बाद वनडे श्रृंखला खेली जाएगी। इससे पहले तेज गेंदबाज शेल्डन कोटरेल और हरफनमौला रोस्टन चेस तथा काइल माएर्स भी कोरोना संक्रमण के कारण टी-20 श्रृंखला से बाहर हो गए थे।

गांगुली ने कोहली की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर टिप्पणी से किया इनकार, बोले

बीसीसीआई पर छोड़ दीजिए, हम देख लेंगे

एजेंसी। कोलकाता

टेस्ट कप्तान विराट कोहली के सार्वजनिक रूप से विरोधाभासी बयान देकर भारतीय क्रिकेट में तूफान लाने के एक दिन बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि बोर्ड इससे निपटेगा। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रवाना होने से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोहली ने कहा था कि जब उन्होंने टी-20 टीम की कप्तानी छोड़ने के अपने इरादे के बारे में बताया तो उन्हें कभी कप्तान बने रहने के लिए नहीं कहा गया। यह गांगुली के कुछ दिन पहले दिए गए बयान के बिल्कुल विपरीत था, जिन्होंने कहा था कि कोहली को आग्रह किया गया था कि वह पद नहीं छोड़ें।

गांगुली ने गुरुवार को स्थानीय मीडियाकर्मियों से कहा, कोई बयान, प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं। हम इससे निपटेंगे, यह बीसीसीआई पर छोड़ दीजिए। इस तरह की चर्चा थी कि बीसीसीआई ने कोहली की विस्फोटक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद चयन समिति के अध्यक्ष चेतन शर्मा को मीडिया को संबोधित करने को कहा गया था, लेकिन बोर्ड ने अंतत: कोई बयानबाजी नहीं की। बुधवार को कोहली के बयान से प्रशासकों के साथ उनका तनाव उभरकर सामने आया था। कोहली ने गांगुली के बयान के संदर्भ में कहा था, जो फैसला किया गया उसे लेकर जो भी संवाद हुआ, उसके बारे में जो भी कहा गया वह गलत है।

कोहली ने कहा, जब मैंने टी-20 कप्तानी छोड़ी तो मैंने पहले बीसीसीआई से संपर्क किया और उन्हें अपने फैसले के बारे में बताया और उनके (पदाधिकारियों) सामने अपना नजरिया रखा। भारतीय कप्तान ने गांगुली के कुछ दिन पहले के बयान से बिलकुल विपरीत जानकारी देते हुए कहा, मैंने कारण बताए कि आखिर क्यों मैं टी-20 कप्तानी छोड़ना चाहता हूं और मेरे नजरिए को अच्छी तरह समझा गया। कुछ गलत नहीं था, कोई हिचक नहीं थी और एक बार भी नहीं कहा गया कि आपको टी-20 कप्तानी नहीं छोड़नी चाहिए। इससे पहले गांगुली ने एजेंसी को दिए साक्षात्कार में कहा था कि कोहली के टी-20 कप्तानी छोड़ने पर पुनर्विचार नहीं करने के कारण चयनकर्ताओं को सीमित ओवरों के प्रारूप में रोहित को एकमात्र कप्तान बनाना पड़ा क्योंकि दो प्रारूपों में दो अलग कप्तान होने से नेतृत्वक्षमता का टकराव हो सकता था।

बड़े दौरे से पहले किसी पर अंगुली उठाना सही नहीं, कोहली की टाइमिंग गलत: कपिल

नई दिल्ली। विश्वकप विजेता भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि कप्तानी के मसले पर बीसीसीआई से मतभेद उजागर करता विराट कोहली का बयान गलत समय पर आया है, जिससे दक्षिण अफ्रीका के अहम दौरे से पहले अनावश्यक विवाद पैदा हो गया। दक्षिण अफ्रीका रवानगी से पहले मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोहली ने बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के इस बयान को गलत बताया कि बोर्ड ने उनसे टी-20 टीम की कप्तानी नहीं छोड़ने के लिए कहा था। इस बयान से कोहली और बीसीसीआई के बीच तनाव जगजाहिर हो गया है। कपिल ने कहा, इस समय किसी पर अंगुली उठाना सही नहीं है। दक्षिण अफ्रीका का दौरा सामने है और उस पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं कहूंगा कि बोर्ड अध्यक्ष तो बोर्ड अध्यक्ष है हालांकि भारतीय टीम का कप्तान होना भी बड़ी बात है। एक दूसरे के बारे में हालांकि सार्वजनिक तौर पर खराब बोलना अच्छा नहीं है। चाहे वह सौरव हो या कोहली।

'कप्तानी मसले पर कोहली के बयान पर गांगुली को तस्वीर साफ करनी चाहिए'

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि कप्तानी के मसले पर विराट कोहली के विरोधाभासी बयान पर सौरव गांगुली ही तस्वीर साफ कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई अध्यक्ष से पूछा जाना चाहिए कि यह विरोधाभास कैसे आया। कोहली के टी-20 कप्तानी छोड़ने के बाद गांगुली ने कहा था कि बीसीसीआई ने इस स्टार बल्लेबाज से फैसले पर पुनर्विचार के लिए कहा था। गांगुली ने हालांकि दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रवानगी से पहले प्रेस कांफ्रेंस में इसका खंडन किया।

गावस्कर ने एक कार्यक्रम में कहा, कोहली का बयान शायद बीसीसीआई के लिए नहीं है। मुझे लगता है कि उस व्यक्ति से सवाल पूछा जाना चाहिए कि कोहली को ऐसा संदेश कैसे गया। उन्होंने कहा, गांगुली बीसीसीआई अध्यक्ष हैं और उनसे पूछा जाना चाहिए कि यह विरोधाभास क्यो है।वह ही इसके बारे में जवाब दे सकेंगे। कोहली ने यह भी कहा था कि चयन समिति के अध्यक्ष चेतन शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम के चयन से 90 मिनट पहले उन्हें बताया कि वह वनडे टीम के कप्तान नहीं हैं। गावस्कर ने कहा कि चयन समिति के अध्यक्ष ने कोई गलती नहीं की। गावस्कर ने कहा, यहां क्या विवाद है। चयन समिति के अध्यक्ष ने उन्हें साफ तौर पर बता दिया कि अब वनडे कप्तानी उनके पास नहीं है। इसमें क्या गलत है। चयन समिति को इसका अधिकार है। कप्तान के पास मतदान का अधिकार नहीं होता। उन्होंने कहा, ऐसा तो नहीं है न कि मीडिया से उन्हें पता चला या एक सवारी विमान के कमांडर ने इसकी घोषणा की। उसे चयन समिति के अध्यक्ष ने बताया कि वह अब कप्तान नहीं है। इसमें क्या गलत है। चयन समिति के अध्यक्ष और उनके बीच संवाद हुआ और ऐसा ही होना चाहिए। गावस्कर ने कहा कि बीसीसीआई को भविष्य में इस तरह की स्थिति से बचने के लिए स्पष्ट संवाद रखना चाहिए। उन्होंने कहा, स्पष्ट संवाद होना चाहिए ताकि अटकलबाजी नहीं हो। चयन समिति के अध्यक्ष बता सकते हैं कि किसका चयन क्यो हुआ और किसका क्यों नहीं हुआ। कई बार जरूरत नहीं होने पर भी प्रेस विज्ञप्ति जारी की जा सकती है जिसमें सारे कारण बताए गए हों।

पोर्नपावी चोचुवोंग को हराकर सिंधू क्वार्टरफाइनल में, ताइ जू से होगी भिड़ंत

एजेंसी। हुएलवा (स्पेन)

गत चैंपियन पीवी सिंधू ने गुरुवार को यहां थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को सीधे गेम में हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दुनिया की सातवें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने 10वें नंबर की थाईलैंड की खिलाड़ी को 48 मिनट चले प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 21-14, 21-18 से हराया। छठी वरीय सिंधू की पोर्नपावी के खिलाफ आठ मैचों में यह पांचवीं जीत है जबकि तीन बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

सिंधू ने इसके साथ ही पोर्नपावी के खिलाफ मौजूदा सत्र में दो हार का बदला भी चुकता कर लिया। इस महीने की शुरुआत में पोर्नपावी ने बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के ग्रुप मैच में सिंधू को हराने से पहले मार्च में आल इंग्लैंड चैंपियनशिप में भी उन्हें शिकस्त दी थी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीय और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी चीनी ताइपे की ताइ चू यिंग से भिड़ेंगी जिन्होंने स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर को 21-10, 19-21, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। सिंधू ने अच्छी शुरुआत करते हुए जल्द ही 5-1 की बढ़त बनाई, लेकिन पोर्नपावी ने स्कोर 4-5 कर दिया। सिंधू ने इसके बाद बेहतर खेल दिखाते हुए स्कोर 15-10 और फिर 19-11 करके आसानी से पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन सिंधू ने अच्छी शुरुआत करते हुए 3-0 की बढ़त बनाई और ब्रेक तक 11-6 से आगे थी। इसके बाद कई लंबी रैली देखने को मिली जिसमें थाईलैंड की खिलाड़ी ने कई अंक बनाए। सिंधू 16-10 से आगे थी लेकिन पोर्नपावी ने वापसी करते हुए स्कोर 18-19 कर दिया। सिंधू ने लंबी रैली के बाद अंक जुटाकर स्कोर 20-18 किया और फिर अगला अंक जीतकर गेम और मैच अपने नाम किया। पहले दौर में बाई हासिल करने वाली सिंधू ने मंगलवार को दूसरे दौर में स्लोवाकिया की मार्टिना रेपिस्का को 21-7, 21-9 से हराया था।

बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक में खिलाड़ियों के साथ उनका कचरा भी रहेगा बायो-बबल में

बीजिंग। बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों के आयोजकों ने खिलाड़ियों और बाहरी दुनिया के बीच संपर्क नहीं रखने की कवायद में उनका कचरा भी बायो-बबल में ही रखने का प्रबंध किया है। अधिकारियों ने कहा कि विशेष कर्मचारियों की एक टीम को जिम्मा सौंपा जाएगा, जो बबल के भीतर ही कचरा इकट्ठा करके ट्रांसफर करेगी, ताकि बबल के भीतर कोरोना संक्रमण पहुंचने का कोई जरिया नहीं रहे। ये खेल चार फरवरी से शुरू होंगे। ओलंपिक खेल गांव में नियोजन और संचालन प्रभारी मा बोयांग ने कहा कि कचरा अस्थाई संग्रहण स्थल पर रहेगा जिसे बाद में अंयत्र भेजा जाएगा। ओमिक्रॉन वैरिएंट के प्रसार के बीच खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं फिर पैदा हो गई है।

दक्षिण अफ्रीका पहुंची टीम इंडिया

एजेंसी। जोहानिसबर्ग

कप्तान विराट कोहली की अगुवाई में भारतीय क्रिकेट टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 26 दिसंबर से शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए गुरुवार को यहां पहुंची।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कप्तान कोहली और टेस्ट विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा सहित कई खिलाड़ियों की तस्वीर पोस्ट करते हुए ट्वीट किया, दक्षिण अफ्रीका पहुंच गए हैं। कोहली की अगुवाई वाली टीम इस दौरे के लिए मुंबई से रवाना हुई। इस दौरे के आखिर में जनवरी में तीन वनडे मैचों की श्रृंखला भी खेली जाएगी।

कोविड-19 के नए स्वरूप ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए इस दौरे में होने वाले टी-20 मैचों को अभी स्थगित कर दिया गया था। दोनों टीम पूरी श्रृंखला के दौरान जैव सुरक्षित वातावरण (बायो-बबल) में रहेंगी। सलामी बल्लेबाज और सीमित ओवरों की टीम के नवनियुक्त कप्तान रोहित शर्मा मुंबई में अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे जिसके कारण उन्हें दौरे से हटना पड़ा। उनकी जगह गुजरात के सलामी बल्लेबाज प्रियांक पांचाल को चुना गया।

दूसरे टेस्ट के पहले दिन आस्ट्रेलिया का दबदबा दो विकेट पर 221 रन

एडीलेड। नए कप्तान पैट कमिंस के कोरोना वायरस से जुड़ी चिंताओं के कारण अंतिम समय में हटने के बावजूद आस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन-रात्रि एशेज क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड के खिलाफ दबदबा बनाते हुए दो विकेट पर 221 रन बनाए। मार्नस लाबुशेन दो जीवनदान का फायदा उठाकर स्टंप के समय 95 रन बनाकर खेल रहे थे। उन्होंने सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर (95) के साथ दूसरे विकेट के लिए 172 रन जोड़े। दिन का खेल खत्म होने पर कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ 18 रन बनाकर लाबुशेन का साथ निभा रहे थे। दोनों तीसरे विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी कर चुके हैं।

'अच्छे प्रदर्शन के लिए एकाग्रता बनाए रखना महत्वपूर्ण'

एजेंसी। कोच्चि

कप्तान आशालता देवी का मानना है कि अगले महीने देश में होने वाले एएफसी एशियाई कप से पहले भारतीय फुटबॉल टीम के लिए एकाग्रता बनाए रखना और प्रत्येक खिलाड़ी का जिम्मेदारी लेना महत्वपूर्ण होगा। मुंबई और पुणे में 10 जनवरी से छह फरवरी तक होने वाले होने शीर्ष महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ी यहां शिविर में तैयारी कर रही हैं। टीम इसी महीने ब्राजील में चार देशों के टूर्नामेंट में हिस्सा लेकर लौटी है। अशालता ने कहा, इतने बड़े टूर्नामेंट से पहले एकाग्रता बनाए रखना आसान नहीं होगा, लेकिन मैंने पाया है कि छोटी-छोटी चीजें इसमें मदद कर सकती हैं।

शिविर में हिस्सा ले रही 27 खिलाड़ियों में से 13 की उम्र 25 साल से कम है और आशालता जैसी सीनियर खिलाड़ी जिम्मेदारी लेने में युवा खिलाड़ियों की मदद कर रही हैं। इस डिफेंडर ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की विज्ञप्ति में कहा, यह जिम्मेदारी लेने से जुड़ा है। हम सभी बात करते रहे हैं कि यह टीम काफी युवा है और टीम में 19-20 साल की खिलाड़ियों का होना शानदार है। उन्होंने कहा, वे टीम में ऊर्जा लेकर आती हैं लेकिन साथ ही सभी को महसूस करना होगा कि वे अब बच्ची नहीं हैं। आशालता ने कहा, वे किसी कारण से सीनियर टीम में हैं, मैदान से बाहर जिम्मेदार होने से मैदान पर भी ऐसा करने की मानसिकता तैयार होती है और एशियाई कप से पहले हम सभी के अंदर यही मानसिकता होनी चाहिए। ब्राजील में चार देशों के टूर्नामेंट में वेनेजुएला के खिलाफ गोल दागने वाली डेंगमेई ग्रेस ने कहा कि टूर्नामेंट में अब सिर्फ पांच हफ्ते का समय बचा है और ऐसे में हमें छोटी-मोटी कमियों को दूर करना होगा। उन्होंने कहा, एशियाई कप के लिए सिर्फ पांच हफ्ते का समय बचा है। यह अपने खेल को परफेक्ट करने से जुड़ा है। हम सब एशियाई कप में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। भारत अपना पहला ग्रुप मैच 20 जनवरी को ईरान के खिलाफ खेलेगा और फिर चीनी ताइपे तथा चीन से क्रमश: 23 और 26 जनवरी को भिड़ेगा। इस टूर्नामेंट से पांच टीम सीधे 2023 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी और दो अन्य टीम अंतर परिसंघ प्ले आफ में जगह बनाएंगी।

महिला एशियाई कप में प्रत्येक खिलाड़ी का जिम्मेदारी लेना होगा महत्वपूर्ण: कप्तान आशालता

चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ भी प्रयोग जारी रखेगी भारतीय हॉकी टीम

एजेंसी। ढाका

धीमी शुरुआत के बाद अपनी लय हासिल करने वाली मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम शुक्रवार को यहां चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ एशियाई चैंपियन्स ट्राफी पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में अपने तीसरे राउंड रोबिन मैच में भी प्रयोग करना जारी रखेगी। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत नहीं कर पाया था। उसने पहले मैच में कोरिया को वापसी का मौका दिया और आखिर में यह मैच 2-2 ड्रा छूटा। कोरिया के प्रदर्शन से चकित भारतीय टीम बुधवार को बांग्लादेश के खिलाफ पूरी तरह से बदली हुई नजर आई और उसने एकतरफा मुकाबले में 9-0 से जीत दर्ज की।

स्ट्राइकर दिलप्रीत सिंह ने मैदानी गोल से हैट्रिक जमाई जबकि जरमनप्रीत सिंह ने भी दो गोल किए। इस मैच में भी ग्राहम रीड की कोचिंग वाली भारतीय टीम ने पेनल्टी कार्नर में उप कप्तान हरमनप्रीत सिंह और वरुण कुमार की सीधी फ्लिक के बजाय अलग अलग तरीके (वैरीएशन) आजमाकर प्रयोग किए थे। बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय टीम ने शुरू से आखिर तक दबदबा बनाए रखा तथा पाकिस्तान के खिलाफ भी वह ऐसा ही प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेगी। हरमनप्रीत की अगुवाई में भारतीय रक्षापंक्ति ने अच्छा खेल दिखाया जबकि कप्तान मनप्रीत सिंह ने मध्यपंक्ति में अहम भूमिका निभाई है। अग्रिम पंक्ति ने भी टूर्नामेंट में अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। ललित उपाध्याय ने तीन गोल किए हैं जबकि टोक्यो ओलंपिक की टीम में जगह नहीं बना पाने वाले आकाशदीप सिंह ने भी बुधवार को एक गोल दागा। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि भारत शुक्रवार को सहज होकर खेल सकता है और वह भी पाकिस्तान के खिलाफ जिसका हॉकी में शानदार रिकार्ड रहा है हालांकि पिछले कुछ वर्षों से उसके खेल में गिरावट आई है। पाकिस्तान ने ओलंपिक में तीन स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं और टोक्यो ओलंपिक के क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद वह विश्व हॉकी में अपने पैर जमाने के लिए बेताब होगा। मस्कट में एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी 2018 में फाइनल बारिश की भेंट चढ़ जाने के कारण भारत और पाकिस्तान को संयुक्त विजेता घोषित किया गया था। रिकार्ड को देखकर पाकिस्तान का पलड़ा भारी लगता है लेकिन वर्तमान फॉर्म पर गौर करें तो भारत जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा।

भारत और पाकिस्तान ने पहले सात एशियाई खेलों के हॉकी फाइनल में एक-दूसरे का सामना किया था। एशियाई खेलों में उन्होंने एक दूसरे के खिलाफ कुल नौ फाइनल खेले हैं जिसमें पाकिस्तान ने सात और भारत ने दो स्वर्ण पदक जीते। दोनों देशों ने 1956 से 1964 तक लगातार तीन ओलंपिक फाइनल में जगह बनाई थी। इनमें से भारत ने दो जबकि पाकिस्तान ने एक बार जीत दर्ज की थी। पिछली बार इन दोनों टीमों के बीच मुकाबला एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी के लीग चरण में हुआ था, जहां भारत ने 3-1 से जीत हासिल की थी। भारत शुक्रवार को जीत से पांच देशों के इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भी जगह सुरक्षित कर देगा। भारत अभी चार अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर है। पाकिस्तान ने जापान के खिलाफ गोलरहित ड्रा खेला था और वह चौथे स्थान पर है।

खेल इंडिया अंडर-21 महिला हॉकी लीग: साइ बी ने हिम हॉकी अकादमी को हराया

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) बी टीम ने गुरुवार को यहां पहली खेलो इंडिया अंडर-21 महिला हॉकी लीग (चरण एक) के ग्रुप ए मैच में हिम हॉकी अकादमी को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराकर पहली जीत दर्ज की। साइ बी ने बुधवार को भारत जूनियर्स के खिलाफ 0-6 की हार के बार मेजर ध्यान चंद राष्ट्रीय स्टेडियम में बेहतर प्रदर्शन किया। दिन के अन्य मैचों में दीपिका की दूसरी हैट्रिक की बदौलत भारत जूनियर्स ने करनाल की राजा करण हॉकी अकादमी को 8-1 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की जबकि भुवनेश्वर के ओडिशा नवल टाटा हॉकी हाई परफोर्मेंस केंद्र ने मुंबई स्कूल स्पोर्ट्स संघ को 11-0 से रौंदा। ग्रुप बी में साधना सेंगर की हैट्रिक से मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी ने दिल्ली की जय भारत हॉकी अकादमी को 8-0 से हराया।